जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 328 प्रभात हिण्डौन सिटी, बुधवार 1 अक्टूबर, 2025 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

ट्रंप ने हमास को गंभीर चेतावनी देकर गाज़ा के पीस प्लान को सार्वजनिक किया

प्लान के अनुसार, यदि हमास ने पीस प्लान को नहीं स्वीकार किया तो इज़रायल को पूर्ण छूट दी जायेगी, नेस्तनाबूद करने के लिए और अमेरिका पूरा सहयोग करेगा

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 सितम्बर। डॉनल्ड ट्रंप ने हमास को कड़ी धमकी देते हुए गाज़ा में शांति योजना घोषित की। उन्होंने हमास को चेतावनी दी है कि यदि उसने इस प्रस्ताव को ठुकराया, तो उसके लिए विनाशकारी परिणाम होंगे और "हमास नर्क में इसकी कीमत चुकाएगा।" ट्रंप की यह योजना हमास के लिए एक तरह से "या आत्मसमर्पण करो या पूरी तरह मिट जाओ" की ऐसी पूर्वनिर्मित स्थिति है, जिसे अब बदला नहीं जा सकता है।

- प्लान दो पार्ट में है, पहला, हमास के आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करना होगा, दूसरा सभी बंधकों को छोड़ना होगा।
- मजे की बात है कि इस पीस प्लान को खाड़ी देशों का समर्थन मिला है, वे हमास को आत्मसमर्पण के लिए प्रेरित कर रहे हैं, क्योंकि उनका मानना है कि हमास की आतंकवादी गतिविधियों का खामियाजा मुस्लिम देशों को उठाना पड़ रहा है।
- गत सात अक्टूबर को जब से हमास ने इज़रायल पर आक्रमण कर निहत्थे लोग बंधक बनाये हैं, तब से जवाबी आक्रमणों में गाज़ा के 66,000 लोग मारे जा चुके हैं।
- इस पीस प्लान को ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर का भी पूर्ण समर्थन प्राप्त है। ट्रंप ने अपने प्रथम शासनकाल में सार्वजनिक किया था कि वे गाज़ा को समुद्रतटीय पर्यटन स्थल बनाना चाहते हैं।

ट्रंप का कहना है कि यदि हमास इस प्रस्ताव को अस्वीकार करता है, तो यह उसका दुखद अंत होगा।

ट्रंप की गाज़ा शांति योजना के तहत हमास को पहले चरण में पूरी तरह आत्मसमर्पण करना होगा, और सभी बंधकों को रिहा करना होगा, जो वर्तमान में उसकी कैद में हैं। इन दोनों शर्तों का मतलब है कि हमास का एक संगठन के रूप में अस्तित्व समाप्त हो जाएगा।

ट्रंप ने यह भी धमकी दी है कि अगर हमास आत्मसमर्पण नहीं करता और योजना को स्वीकार नहीं करता, तो इज़राइल उसका पूरी तरह से सफ़ाया कर देगा, और अमेरिका इस कार्रवाई में पूरा समर्थन देगा। यह तथाकथित "शांति योजना" असल में हमास के विरुद्ध कार्रवाई को इस स्तर तक ले जाने का वादा करती है, जिससे संगठन का समूल नाश हो जाएगा।

एक तरह से, पूरे मुस्लिम विश्व ने इस योजना का समर्थन किया है और हमास से आत्मसमर्पण करने की अपील की है। पहले भी कई मध्य-पूर्वी देशों ने हमास से अपने विरोध को समाप्त करने को कहा था, क्योंकि इस हिंसा से पूरा क्षेत्र थक चुका है।

7 अक्टूबर को हमास द्वारा इज़राइल के किब्बुत्ज़ पर हमला करने और निर्दोष इज़राइली नागरिकों की हत्या करने के बाद से गाज़ा में मौतों की संख्या 66,000 तक पहुँच गई है, और उससे कहीं अधिक लोग घायल या अपंग हो चुके हैं। सबसे बुरी मार बच्चों पर पड़ी है, जिन्हें भारी पीड़ा और वंचना का सामना करना पड़ा है।

इस नई शांति योजना को विस्तृत विचार-विमर्श के बाद तैयार किया गया है, और इसमें ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर भी शामिल रहे हैं। ब्लेयर, जिन्हें मध्य पूर्व मामलों पर सख्त रुख के लिए जाना जाता है, ब्रिटिश लेबर पार्टी से संबंध रखते हुए भी दक्षिणपंथी धार्मिक विचारों के समर्थक माने जाते हैं।

प्रधानमंत्री पद छोड़ने के बाद से ही ब्लेयर समानांतर कूटनीति में संलग्न हैं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भगदड़ के बाद एक्टर विजय का पहला वीडियो संदेश

करूर, तमिलनाडु, 30 सितंबर। करूर भगदड़ में 41 लोगों की मौत के बाद टीवीके प्रमुख और अभिनेता विजय ने पहला वीडियो संदेश जारी किया। उन्होंने कहा, "मैंने अपने जीवन में ऐसी दर्दनाक स्थिति का सामना कभी नहीं किया। मैं बहुत दुखी हूं... सभी राजनीति को छोड़कर, हम हमेशा पुलिस से सुरक्षित स्थान की

- उन्होंने कहा, जो नहीं होना चाहिए था वह हुआ है पर सरकार को हमारी पार्टी के लोगों को परेशान नहीं करना चाहिए।

अनुमति मांगते हैं। लेकिन जो नहीं होना चाहिए था, वह हो गया... मैं जल्द ही पीड़ितों से मिलूंगा... मैं उस परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूंजो इस नुकसान से दुखी हैं... मेरी पार्टी के पदाधिकारियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है..."

विजय ने कहा, "मुख्यमंत्री महोदय, मैं आपसे अनुरोध करता हूं- कृपया मेरी पार्टी के पदाधिकारियों को नुकसान न पहुंचाएं। आप मेरे घर या मेरे कार्यालय में आ सकते हैं और मेरे खिलाफ कोई भी कार्रवाई कर सकते हैं, लेकिन उनके खिलाफ नहीं... जल्द ही, हर सच्चाई सामने आ जाएगी।"

उन्होंने आगे कहा, "मैं भी इंसान हूं। जब इतने सारे लोग प्रभावित हुए हैं, तो मैं उन्हें छोड़कर कैसे वापस आ सकता हूं? मैं इसलिए नहीं गया क्योंकि मैं यह सुनिश्चित करना चाहता था कि फिर कोई अप्रिय घटना न हो।"

अमेरिका ने भारत में जीसीसी (ग्लोबल केपेबिलिटी सैंटर) में अपना काम शिफ्ट किया

गत सोमवार को यूएस ने एच-1बी वीज़ा की आवेदन राशि एक लाख डॉलर करने का बिल सीनेट में पेश कर दिया है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 सितंबर। आर्टिफिशल इंटैलिजैंस (ए.आई.) के बढ़ ते इस्तेमाल और वीज़ा पर बढ़ ती पाबंदियों जैसे रूझानों के कारण अमेरिकी कंपनियाँ अपनी श्रम रणनीतियों को नए सिरे से तैयार करने के लिए मजबूर हो रही हैं।

- विश्व की आधी से ज्यादा (1700) जीसीसी भारत में हैं। पूर्व में यह कंपनियाँ अमेरिकन कंपनियों को टैक्निकल सपोर्ट देती थीं, पर, अब उन्नत होकर हाई एंड इनोवेशन में सक्रिय हैं, चाहे वो लग्ज़री कार हो, डैश बोर्ड का डिज़ायन हो या नई दवाईयों की खोज।
- कॉग्निज़ैंट इंडिया के राममूर्ति, डियोलाइट इंडिया के पार्टनर रोहन लोबो और ए.एस.आर. के संस्थापक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी ललित आहूजा का मानना है कि हाई एंड इनोवेशन विश्व में कहीं भी किया जा सकता है। इसमें भारत को संकट तभी आ सकता है, जब जीसीसी मॉडल पर अमेरिका एचआईआरई टैक्स लगा दे।
- 283 बिलियन डॉलर की भारतीय आईटी इंडस्ट्री को झटका तो ज़रूर लगा है, वीज़ा राशि की अनाप-शनाप वृद्धि से, पर धक्के में कुछ मुलायमियत जीसीसी मॉडल की लोकप्रियता से आ गई है।

अर्थशास्त्रियों और उधोग के जानकारों का कहना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की एच-1 बी वीज़ा पर सख्ती के कारण अमेरिकी कंपनियां अपने अहम काम भारत में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया तेज करेंगी। इससे ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जी.सी.सी.) का तेज़ी से विस्तार होगा, जो वित्त से लेकर रिसर्च और डवलपमैंट तक कई तरह के काम संभालते हैं।

दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, भारत में इस समय 1,700 से ज्यादा जी.सी.सी हैं, जो विश्व के कुल जी.सी.सी. का आधा से अधिक हिस्सा हैं। अब ये सैंटर्स केवल तकनीकी सहायता केन्द्रों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि, लग्ज़री कारों के डैशबोर्ड डिजाइन से लेकर नई दवाओं की खोज तक के क्षेत्रों में उच्च मूल्य वाली खोज और इनोवेशन का केंद्र बन चुके हैं।

ए.आई. के बढ़ ते इस्तेमाल और वीज़ा पर कड़ी पाबंदियों जैसे रुझान अमेरिकी कंपनियों को अपनी श्रमिक रणनीति फिर से बनाने पर मजबूर कर रहे हैं, और भारत के जी.सी.सी. ऐसे मजबूत केंद्र बनकर उभरे हैं जो वैश्विक कौशल को स्थानीय नेतृत्व के साथ जोड़ते हैं।

डेलॉयट इंडिया में पार्टनर और जी.सी.सी. उद्योग प्रमुख रोहन लोबो ने कहा, "इस समय के लिए जी.सी.सी. विशिष्ट रूप से उपयुक्त है, वो एक तैयार इन-हाउस इंजन की तरह काम करते हैं।" उन्होंने बताया कि कई अमेरिकी कंपनियां अपनी कार्यबल जरूरतों का पुनर्मूल्यांकन कर रही हैं।

उन्होंने कहा, "ऐसे बदलाव की योजनाएं पहले से ही बनाई जा रही हैं।" उन्होंने वित्तीय सेवाओं व तकनीक जैसे क्षेत्रों में बढ़ ती गतिविधि की ओर इशारा किया, खासतौर पर उन कंपनियों में जो अमेरिकी सरकारी ठेकों से जुड़ी हैं।

लोबो का कहना है कि आने वाले समय में जी.सी.सी. ज्यादा रणनीतिक और नवाचार आधारित जिम्मेदारियां संभालेंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने इस महीने नए एच-1बी वीज़ा आवेदन की फीस को मौजूदा 2,000 से 5,000 डॉलर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिहार में स्पेशल इन्टैन्सिव रिविज़न कवायद खत्म, नई वोटर लिस्ट जारी

चुनाव आयोग अगले सप्ताह तक विधानसभा चुनाव कार्यक्रम भी घोषित तक देगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 सितंबर। चुनाव आयोग ने बिहार की अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी है, जिसमें 7.42 करोड़ मतदाता दिखाए गए हैं, जबकि 1 अगस्त को जारी मसौदा सूची में 7.24 करोड़ मतदाता थे। हालांकि यह संख्या 24 जून 2025 को दर्ज 7.89 करोड़ मतदाताओं से अब भी कम है।

- नई वोटर लिस्ट में 7.42 करोड़ मतदाता हैं, जबकि एक अगस्त को जारी ड्राफ्ट लिस्ट में 7.24 करोड़ मतदाता थे, पर ये अभी भी 24 जून 2025 की मतदाता संख्या 7.89 करोड़ से कम हैं।
- बिहार में 22 साल बाद शुरु हुई यह एसआईआर प्रक्रिया आरंभ से ही विवादों में घिरी रही है, मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा और सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को धमकी भी दे डाली कि अगर गड़बड़ियाँ दूर नहीं हुईं तो वे प्रकाशित लिस्ट को खारिज कर देंगे।

यह संशोधन प्रक्रिया, जिसे स्पैशल इन्टैन्सिव रिविज़न (एस.आई.आर.) कहा गया है, कड़ी निगरानी और विपक्ष द्वारा बार-बार इसे रोकने की मांग के बीच कराई गई। यह अभ्यास 22 साल बाद हुआ और मसौदा मतदाता सूची एक अगस्त को प्रकाशित की गई थी।

इसके बाद यह सूची 1 सितम्बर तक मतदाताओं और राजनीतिक दलों के "दावे और आपत्तियों" के लिए खुली रही। आयोग ने कहा कि वह किसी भी योग्य नागरिक को सूची से बाहर नहीं रहने देगा और किसी अयोग्य व्यक्ति को सूची में शामिल नहीं होने देगा।

तथापि, मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया। याचिकाकर्ताओं ने संशोधन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

निर्माणाधीन थर्मल पावर स्टेशन का आर्च गिरा, 9 मजदूरों की मौत

चेन्नई, 30 सितंबर। चेन्नई थर्मल पावर स्टेशन (एनोर) के निर्माण स्थल पर मंगलवार को एक निर्माणाधीन इमारत ढ ह गई, जिसमें 9 मजदूरों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि 30 फीट की ऊंचाई का एक आर्च मजदूरों पर गिर गया। जिस वजह से कई मजदूर मलबे में दब गए। सभी मजदूर उत्तर

- ये सभी प्रवासी मजदूर बताये जाते हैं, जो उत्तर भारत के रहने वाले हैं।

भारत से हैं। घायलों को स्टेनली मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक, मजदूर काम कर रहे थे कि अचानक उनके ऊपर 30 फीट ऊंचाई से आर्च गिर गया जिससे अफरातफरी मच गई और इसमें दबकर नौ मजदूरों की मौत हो गई। ये सभी प्रवासी मजदूर बताए जा रहे हैं जो उत्तर भारत के रहने वाले हैं। मलबे में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सीजेआई गवई की माँ कमलाताई ने संघ के विजयदशमी आमंत्रण को ठुकराया

कमलाताई को संघ ने अमरावती शाखा में आयोजित विजयदशमी कार्यक्रम में बतौर चीफ गैस्ट आमंत्रित किया गया था

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 सितंबर। भारत के मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई की मां कमलाताई गवई ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा विजयदशमी शताब्दी समारोह के लिए भेजे गए कथित निमंत्रण को यह कहते हुए ठुकरा दिया कि वे "किसी भी परिस्थिति में इसमें शामिल नहीं होंगी।" उनके इस बयान ने आरएसएस-भाजपा तंत्र द्वारा अपनी कट्टर विचारधारा से बाहर विश्वसनीयता और स्वीकार्यता पाने के लिए खेले जा रहे "माइन्ड गेम" को उजागर कर दिया है।

- सीजेआई की माँ ने एक पत्र लिखकर कहा कि मैं पक्की अंबेडकरवादी हूँ तथा संविधान में विश्वास करती हूँ। विजयदशमी हिंदू संस्कृति में महत्वपूर्ण है, पर, हम बौद्ध हैं, हमारे लिए यह धम्म चक्र प्रवर्तन दिन है, जिसे अशोक विजयदशमी भी कहते हैं।
- गत कुछ दिनों से चर्चा थी कि कमलाताई ने संघ का निमंत्रण स्वीकार कर लिया, पर, कमलाताई ने इन खबरों को भ्रामक करार दिया।
- सीजेआई गवई के छोटे भाई, डॉक्टर राजेन्द्र गवई, जो राजनेता भी हैं, ने कहा कि उनकी माँ ने निमंत्रण स्वीकार किया था, उन्होंने अपनी माँ के पत्र की प्रमाणिकता पर भी सवाल उठाए।

आरएसएस द्वारा कमलाताई को निमंत्रण भेजे जाने की रिपोर्ट के एक दिन बाद ही उन्होंने कथित रूप से एक बयान जारी कर इसे अस्वीकार कर दिया।

कमलाताई के नाम से एक हस्तलिखित पत्र में कहा गया है कि वह एक कट्टर अंबेडकरवादी हैं और उन्होंने स्पष्ट किया कि वह 5 अक्टूबर को महाराष्ट्र के अमरावती में होने वाले कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगी।

उन्होंने लिखा, "मैंने कोई निमंत्रण स्वीकार नहीं किया है और न ही किसी तरह की लिखित स्वीकृति दी है। मैं अमरावती में आरएसएस के विजयदशमी कार्यक्रम में उपस्थित नहीं रहूंगी। मेरा परिवार अंबेडकरवादी विचारधारा और भारत के संविधान के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित है। मुझे इस प्रकार के किसी कार्यक्रम से जोड़ना भ्रामक और असत्य है।"

आरएसएस की अमरावती महानगर इकाई ने कमलाताई को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया था, जो कि किरण नगर स्थित श्रीमती नारसम्मा महाविद्यालय मैदान में आयोजित होने जा रहा है। कई टीवी चैनलों ने रिपोर्ट दी थी कि उन्होंने कार्यक्रम में शामिल होने की सहमति दी है।

दशहरे के दिन आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत स्वयंसेवकों को संबोधित करेंगे, जो एक वार्षिक कार्यक्रम है। कमलाताई के पत्र में कहा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वरिष्ठ भाजपा नेता वी.के. मल्होत्रा का निधन

नई दिल्ली, 30 सितंबर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रोफेसर विजय कुमार मल्होत्रा का मंगलवार को दिल्ली के एम्स अस्पताल में निधन हो गया। वे 94 साल के थे।

वीके मल्होत्रा दिल्ली के पूर्व मुख्य कार्यकारी पार्षद और सांसद रह चुके हैं।

- वे दिल्ली से 5 बार सांसद और दो बार विधायक निर्वाचित हुए थे।

कुछ दिनों से वह एम्स में भर्ती थे। जहां उनका इलाज चल रहा था और आज सुबह लगभग 6 बजे उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया।

मल्होत्रा दिल्ली से 5 बार सांसद और दो बार के विधायक थे। वे 1980

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'जिस आदमी ने सेना के लिए मेहनत करके सोलर एनर्जी से गर्म रहने वाले घर बनाये, वो देशद्रोही कैसे हो सकता है?'

वांगचुक की पत्नी ने पति की गिरफ्तारी को नाजायज़ बताया और कहा कि उन्हें सेना के जनरल, कोर कमांडर आदि भी इज्जत और स्नेह से देखते आए हैं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 सितंबर। जेल में बंद जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंगमो ने आज पूरी दृढ़ता से अपने पति पर लगे "देशविरोधी" होने के सभी आरोपों को खारिज कर दिया। साथ ही विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 24 सितंबर को लेह में हुई हिंसा में चार नागरिकों की मौत पर न्यायिक जांच की मांग की।

ऑनलाइन प्रतिक्रिया देते हुए सामाजिक उद्यमी अंगमो ने भारतीय सेना के लिए किए गए अपने पति द्वारा किए गए कार्यों को उजागर किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, "देशविरोधी? वांगचुक भारतीय सेना के लिए थर्मल शेल्टर बनाते हैं ताकि सैनिक गर्माहट में सो सकें। झूठे नारे खत्म हो जाते हैं, लेकिन उनका राष्ट्र के लिए सेवा भाव सदा रहेगा।

वांगचुक पर देशद्रोह के आरोप तब लगे जब उनका विरोध हिंसक प्रदर्शन में बदल गया।

एक अन्य पोस्ट में उन्होंने पूछा, "कौन देशविरोधी व्यक्ति सेना के

- वांगचुक की पत्नी ने कहा कि उनके पति ने शिक्षा के क्षेत्र में मौलिक काम किया है और उन्हें उसके लिए मैगसेसे अवॉर्ड भी दिया गया था।
- भारत के लिए यह बड़ी शर्मनाक बात होगी कि ऐसे व्यक्ति को नैशनल सिक्योरिटी एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है, जिसमें उन्हें एक साल तक बिना कारण बताए बंद रखा जा सकता है।
- वांगचुक पाकिस्तान में डॉन अखबार व यूएन के तत्वाधान में क्लाइमेट कॉन्फ्रैंस में आमंत्रित थे और गये, यह किस प्रकार देशद्रोह हो सकता है, जबकि भारतीय क्रिकेट टीम पाकिस्तान के साथ मैच खेल सकती है, जिसकी सारे देश ने सराहना की।

जनरलों और कोर कमांडरों से मिलता है और उनके सम्मान का पात्र होता है? कौन देशविरोधी सैनिकों और अधिकारियों के लिए सोलर होम बनाता है ताकि वे गर्म रहें और प्रभावी ढंग से लड़ सकें?"

उन्होंने कहा, लेह में हुई झड़पों में चार लोगों की मौत और 50 से अधिक लोग घायल हो गए थे। इसके तुरंत बाद वांगचुक ने हिंसा की निंदा करते हुए अपना अनशन समाप्त कर दिया।

इस बीच, राहुल गांधी ने लेह में एक पूर्व सैनिक सहित चार नागरिकों की हत्या की निष्पक्ष न्यायिक जाँच की मांग की और लिखा कि "पिता एक सैनिक, बेटा भी एक सैनिक उनके खून में देशभक्ति है। फिर भी भाजपा सरकार ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रधानमंत्री संघ शताब्दी समारोह के मुख्य अतिथि होंगे

नयी दिल्ली, 30 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के बुधवार को डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में आयोजित होने वाले शताब्दी समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग

- वे आरएसएस पर विशेष स्मारक डाक टिकट और सिक्का जारी करेंगे।

लेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने मंगलवार को बताया कि इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी, राष्ट्र के प्रति आरएसएस के योगदान पर विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया एक स्मारक डाक टिकट तथा सिक्का जारी करेंगे और उपस्थित जनसमूह को संबोधित भी करेंगे।

डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

कस्तूरी को अपनी मौजूदगी कसम खाकर सिद्ध नहीं करनी पड़ती; गुण स्वयं ही सामने आ जाते हैं। –अज्ञात

अन्याय के विरोध का प्रतीक गांधी की जयंती

दो अक्तूबर को हर साल गांधी जयंती मनाई जाती है। कल फिर गांधी जयंती है। देश भर में महात्मा गांधी की मूर्तियों पर नेता पुष्प मालाएं चढ़ाएंगे, प्रार्थना सभाएं होंगी और जीवन की व्यवस्थाएं उसी ढर्रे पर चलती रहेगी जैसी चलती आई है। कुछ नहीं बदलेगा। गांधी ने जिस भारत की कल्पना की थी उसकी अब किसी को याद ही नहीं रह गई है। दो अक्टूबर एक कर्मकांड बन कर रह गया है। नई पीढ़ी को गांधी के प्रति कोई आकर्षण नहीं है। गांधी के सीने पर तीन गोलियां चला कर उनकी इह लीला समाप्त किए जाने को उचित मानने वाले लोग युवा पीढ़ी के दिमाग में यह भ्रम भर देने में सफल रहे हैं कि गांधी के कारण ही देश का विभाजन हुआ। गांधी को विश्वास था कि जो उन्हें नहीं समझ पा रहे हैं वे एक दिन जरूर उनकी बात समझेंगे। इसलिए जब गांधी की हत्या को वध कहने वाले लोगों के वैचारिक प्रमुखों को हम अब उन्हें महापुरुष मानते हुए पाते हैं तो अचरज नहीं होता। महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टाइन ने गांधी की हत्या के बाद कहा था कि आने वाली पीढ़ियां, शायद, इस बात पर विश्वास ही नहीं करेंगी कि हाड़-मांस से बना हुआ कोई ऐसा मनुष्य कभी इस धरती पर हुआ था। विचारवान और गांधी के अध्येताओं को आश्चर्य होता है कि वह गांधी, जो राष्ट्रीय आंदोलन में युवाओं का निर्विवाद लीडर बना रहा था वह आज के युवाओं को क्यों नहीं भा रहा है? इसके उत्तर में वे उचित ही मानते हैं कि हमारे नियंताओं ने गांधी को दो अक्तूबर और 30 जनवरी की रस्म अदायगी तक सीमित कर दिया। उन्होंने गांधी की मूर्तियां लगा दी, सरकारी ऑफिसों में उसके चित्र टांग दिए मगर गांधी के आदर्शों से किनारा कर लिया। गांधी को एक ऐसेरूप में प्रस्तुत किया गया जो शासन के रचनात्मक कार्यक्रमों का प्रचार का साधन बने। गांधी ने अंग्रेजी शासन का विरोध किया क्योंकि वह उनकी दृष्टि में अन्याय का शासन था। मगर नई पीढ़ी 'जेन जेड', जो आईफोन 17 खरीदने के लिए रात भर खड़ी रहती है, गांधी के बारे में कुछ नहीं जानती। वह सोशल मीडिया पर चल रहा झूठा घृणित प्रचार ही जानती है। गांधी ने सत्य और अहिंसा को अन्याय के शासन के विरोध में अपना हथियार बनाया। अन्याय के विरोध के प्रतीक के रूप में गांधी आज़ाद गणतांत्रिक भारत की सरकारों के लिए भी खतरा थे। रचनात्मक कामों वाला सुविधाजनक गांधी सबके मुफीद आया। सभी ने उस गांधी की स्मृति मिटा दी जो दुनिया में पहली बार राजनीति में पवित्रता लाने का प्रयत्न कर रहा था। सबने, जिनमें वे भी राजनैतिक दल शामिल थेजो गांधी के जीवनकाल में उन्हें गालियां देने में सबसे आगे थे, गांधी के प्रचारित सुविधाजनक रूप को अपना लिया।

भारत में गांधी को पूजनीय बना कर ऊंचे आसन पर बिठा कर उसे कर्मकांड के घेरे में सीमित कर दिया गया, मगर दुनिया भर में गांधी अन्याय के विरोध के प्रतीक के रूप में जीवंत बने रहे हैं। पूरी दुनिया के लिए वे नैतिक और राजनीतिक प्रेरणास्त्रोत बने हुए हैं। अमेरिका में अश्वेतों के अधिकारों की लड़ाई के अग्रदूत डॉ. मार्टिन लूथर किंग गांधी से सर्वाधिक प्रभावित नेताओं में गिने जाते हैं। 1950 और 1960 के दशक में जब अमेरिका में नस्लीय भेदभाव अपनी चरम स्थिति पर था, तब किंग ने गांधी के अहिंसा और सत्याठाह के सिद्धांतों को अपनाया। गांधी के अहिंसक प्रतिरोध को अपनाते हुए किंग ने कहा था कि गांधी ने हमें सिखाया कि अहिंसा केवल नैतिकता ही नहीं, बल्कि एक व्यावहारिक राजनीतिक हथियार भी है। किंग जब 1959 में भारत की यात्रा पर आये तब कहा कि वे गांधी के स्मारकों पर जाकर स्वयं को और अधिक मजबूत अनुभव करते हैं।किंग के नेतृत्व में चले आंदोलनों से अमेरिकी समाज में नस्लीय समानता की पहल हुई और वहां 1964 का नागरिक अधिकार कानून और 1965 का मताधिकार का कानून जैसे ऐतिहासिक कानून बने। नेल्सन मंडेला ने दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद विरोधी आंदोलन चलाया और सफल हुए। वैसे भी दक्षिण अफ्रीका की धरती गांधी के प्रयोगों की पहली प्रयोगशाला रही। वहीं उन्होंने सत्याग्रह की अपनी परिकल्पना को आकार दिया। दशकों बाद जब नेल्सन मंडेला रंगभेद के खिलाफ संघर्ष कर रहे थे, तो उन्होंने गांधी की विचारधारा से मार्गदर्शन लिया। मंडेला ने माना कि गांधी ने दक्षिण अफ्रीका में भारतीय समुदाय को नस्लभेद के विरुद्ध जिस प्रकार एकजुट किया वह पूरी मानवता के लिए प्रेरणा है। मंडेला मानते थे कि गांधी की अहिंसा ही उनकी राजनीतिक चेतना का आधार बनी रही। इसी प्रकार दक्षिण अफ्रीका के ईसाई धर्मगुरु और नोबेल शांति पुरस्कार विजेता डेसमंड टूटू ने भी गांधी से प्रेरणा लेकर अहिंसा और क्षमा का मार्ग चुना तथा शांति और मेल-मिलाप का संदेश दिया। अपने पर गांधी के प्रभाव के बारे में टूटू ने कई बार कहा कि गांधी की शिक्षाएं उन्हें अन्याय का सामना करने में सहनशील बनने का साहस देती हैं। आधुनिक राजनीति में हम गांधी की छाया बराक ओबामा पर भी देख सकते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने गांधी को अपना सबसे बड़ा नायक बताया था। अपनी 2010 में भारत यात्रा के दौरान उन्होंने गांधी को अपनी राजनीतिक चेतना का केंद्र बताया। उन्होंने कहा था कि गांधी की शिक्षाओं ने मार्टिन लूथर किंग जूनियर को प्रेरित किया और किंग ने मुझे प्रेरित किया। इस तरह गांधी मेरे लिए भी प्रेरणा बने। गांधी की प्रेरणा एशिया और दक्षिण अफ्रीका तक ही सीमित नहीं रही बल्कि लैटिन अमेरिका अफ्रीका के जन आंदोलनों ने भी उनसे सीख ली। लैटिन अमेरिका के ब्राज़ील और चिली के कई मानवाधिकार आंदोलनों ने गांधी की अहिंसा को अपनाया। अफ्रीका के केन्या, नाइजीरिया और घाना जैसे देशों में उपनिवेशवाद विरोधी नेताओं-जैसे क्वामे नक्रूमा – ने गांधी के विचारों से मार्गदर्शन पाया। बीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध में गांधी के विचारों ने नए सामाजिक आंदोलनों को भी प्रभावित किया। गांधी का यह कथन कि धरती सभी की जरूरतों को पूरा कर सकती है, लेकिन किसी के लालच को नहीं विश्वभर में पर्यावरणवादियों का मार्गदर्शन बना। शांति आंदोलन की बात चलेगी तो सामने आएगा कि किस प्रकार वियतनाम युद्ध के दौरान अमेरिका और यूरोप में अहिंसक आंदोलनकारी गांधी की राह पर चले।

> **संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने गांधी को अपना सबसे बड़ा नायक बताया था। अपनी 2010 में भारत यात्रा के दौरान उन्होंने गांधी को अपनी राजनीतिक चेतना का केंद्र बताया। उन्होंने कहा था कि गांधी की शिक्षाओं ने मार्टिन लूथर किंग जूनियर को प्रेरित किया और किंग ने मुझे प्रेरित किया। इस तरह गांधी मेरे लिए भी प्रेरणा बने।**

भारत में 1920 से 1947 तक के समय को हम 'गांधी युग' मान सकते हैं। एक अगस्त, 1920 को गांधी ने अंग्रेजों के खिलाफ असहयोग आंदोलन की घोषणा की थी। इसके लिए गांधी ने कांठोस की सहमति नहीं ली थी। गांधी को भरोसा हो गया था कि अंग्रेजों का शासन भारत के लिए किसी भी प्रकार से ठीक नहीं है – आर्थिक रूप, सामाजिक रूप से, और राजनीतिक रूप किसी रूप से नहीं। उन्होंने कहा कि इस शासन का बॉयकाट किया जाए और उससे असहयोग किया जाए। उन्होंने कहा इनके विश्वविद्यालयों, कॉलेजों में हम नहीं जाएंगे, इनके मैनचेस्टर में बने कपड़ों को हम नहीं पहनेंगे, इनके कपड़ों की होली जलाएंगे, इनके कानूनों का विरोध करेंगे, हड़ताल करेंगे, बंद करेंगे, स्वदेशी आंदोलन चलाएंगे और अंग्रेजी शासकों को भारत से चले जाने का कहेंगे। देश में हलचल मैच गई। कांग्रेस तब तक गांधी के इस आव्हान में शामिल नहीं हुई थी। कांग्रेस का एक विशेष अधिवेशन कलकत्ता में बुलाया गया जिसमें गांधीजी का यह प्रस्ताव रखा गया। कांग्रेस को यह फैसला करना था कि क्या उसे गांधी की नॉन-कोऑपरेशन की नीति को अपनाना चाहिए या अंग्रेजों का विरोध करते हुए पेटीशन्स देते रहने, बहस करते रहने की अपनी पुरानी नीति चलते रहना चाहिए। उस समय मोहम्मद अली जिन्ना कांग्रेस के बहुत बड़े लीडर थे। कलकत्ता में कांग्रेस के विशेष अधिवेशन में गांधी के प्रस्ताव पर बहस हुई। वहां बहुमत युवाओं का था। वे सब नेता जो बाद में जाकर भारत के कर्णधार बने सब गांधी से 15 से 20 वर्ष छोटे थे। उन सब ने गांधी के प्रस्ताव को स्वीकार किया। जिन्ना जब प्रस्ताव के विरोध में बोलने को खड़े हुए तो उनको हूट कर दिया गया। उनको बोलने नहीं दिया गया। जिन्ना ने गुस्से में कहा यह क्या हो रहा है? क्या ऐसे कोई देश को आज़ादी मिलती है? उन्होंने अधिवेशन के डेलीगेट्स से पूछा कि आप गांधी की बात को सपोर्ट क्यों कर रहे हो। वह कह रहा है वस्त्रों को जलाया जाए, यूनिवर्सिटी में पढ़ने नहीं जाया जाए। वह कह रहा है सड़कों पर हड़ताल की जाए। इससे कोई देश आज़ाद होते हैं क्या? तो युवा डेलीगेट्स ने जिन्ना से कहा कि हमें नहीं पता कि ऐसा करने से देश आज़ाद होता है कि नहीं। मगर हमें पता है कि हमें गांधी में विश्वास है। हमें भरोसा है कि गांधी हमारे हित में ही काम करता है। इसलिये गांधी अगर कहते हैं कि हमें यह करना है तो हमें वह करना है। तब से यह जुमला बना कि मजबूरी का नाम महात्मा गांधी। जब डेलीगेट्स ने कहा कि हम गांधी की बात को समझ नहीं पा रहे हैं। लेकिन गांधी जी पर हमें पूरा विश्वास है। इस पर जिन्ना ने कहा कि क्या कर रहे हो! यह तो मजबूरी का नाम महात्मा गांधी हो गया। झल्लाये हुए जिन्ना कांग्रेस को छोड़ कर इंग्लैंड चले गये। गांधी के गहन अध्येता प्रोफेसर नरेश दधीच कहते हैं कि मजबूरी का नाम महात्मा गांधी उस महान आत्मा को दी गई एक श्रद्धा का नाम है। वह मज़ाक नहीं है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

भारतीय त्योहारों के पंचांग और छुट्टियों में विरोधाभास : समाधान की दिशा में एक पहल

सुनील दत्त गोयल

भारत विविधताओं का देश है, जहाँ सनातन संस्कृति के अंतर्गत अनेकों त्योहार और पर्व मनाए जाते हैं। इन त्योहारों का उद्देश्य न केवल धार्मिक आस्था को व्यक्त करना होता है, बल्कि यह परिवार और समाज को जोड़ने, मानसिक शांति प्राप्त करने और राष्ट्रीय एकता को सशक्त करने का भी माध्यम हैं। परंतु पिछले कुछ वर्षों में एक चिंताजनक प्रवृत्ति सामने आई है। अलग-अलग ब्राह्मण समाजों, मंदिर समितियों और धार्मिक संस्थानों द्वारा त्योहारों की तिथियों में विरोधाभास देखने को मिल रहा है। एक ही त्योहार को अलग-अलग राज्यों और समुदायों में अलग-अलग दिन मनाया जा रहा है। इसका सीधा असर आम नागरिकों, व्यापार जगत, सरकारी व निजी संस्थानों और शिक्षा जगत पर पड़ रहा है।

त्योहारों की तिथियों में असमानता: मूल समस्या सनातन परंपरा में पर्व-त्योहार चंद्र पंचांग पर आधारित हैं। भारत में कई प्रमुख संस्थान, जैसे वाराणसी, उज्जैन, नासिक, कांची आदि, अपने-अपने पंचांग प्रकाशित करते हैं। इन पंचांगों में कभी-कभी अमावस्या, पूर्णिमा या नक्षत्र की गणना में सूक्ष्म अंतर हो जाता है। इसका परिणाम यह होता है कि किसी वर्ष होली, दशहरा, दीपावली, राखी जैसे प्रमुख त्योहार दो अलग-अलग तिथियों पर मनाए जाते हैं। कहीं बैंक और सरकारी संस्थान एक दिन छुट्टी करते हैं तो कहीं शेयर बाजार, निजी कंपनियाँ और स्कूल अलग दिन बंद रहते हैं। कई बार तो राज्य एवं केंद्र सरकारों की भी छुट्टियाँ अलग अलग दिन होती हैं। परिवार के सदस्य, जो अलग-अलग क्षेत्रों या उद्योगों में कार्यरत हैं, एक साथ त्योहार नहीं मना पाते। उदाहरण स्वरूप, इस वर्ष 20 अक्टूबर को बैंकों की छुट्टी रहेगी, जबकि उसी दिन शेयर बाजार खुला रहेगा। अगले दिन यानी 21 अक्टूबर को बैंक खुले, पर शेयर बाजार बंद रहेगा। और 22 अक्टूबर को फिर से बैंक बंद रहेंगे। इस तरह की असंगत स्थिति में कोई भी परिवार एक साथ त्योहार की तैयारी और उत्सव नहीं मना सकता।

राष्ट्रीय स्तर पर सेंट्रलाइज्ड कैलेंडर की आवश्यकता

भारत जैसे विशाल और विविध देश में, एकीकृत और सेंट्रलाइज्ड राष्ट्रीय कैलेंडर की आवश्यकता अब समय की माँग है। प्रस्ताव है कि केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री कार्यालय एक केंद्रीय पंचांग प्राधिकरण का गठन करें, जो पूरे देश के लिए आगामी 10 वर्षों का पंचांग तैयार करे। कुछ वर्ष पहले ऐसा सुना गया था की प्रधानमंत्री की मोदी जी ने काशी संस्कृत विश्विद्यालय को ये जिम्मा सौंपा था, इसके परिणाम अपेक्षित हैं।

इस पहल के लाभ:–

एकरूपता: पूरे देश में सभी त्योहार एक ही दिन मनाए जाएंगे।

प्रशासनिक सुविधा: बैंक, शेयर बाजार, निजी और सरकारी स्कूल, केंद्र एवं राज्य के सरकारी कार्यालय और निजी कंपनियाँ सभी के लिए एक समान छुट्टी का कैलेंडर होगा।

धार्मिक मतभेद का समाधान: अलग-अलग संस्थानों के बीच अनावश्यक विवाद समाप्त होंगे।

अंतरराष्ट्रीय मान्यता: विदेशी पर्यटक भी सही तिथियों के अनुसार अपनी यात्रा योजनाएँ बना सकेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले ही भारतीय संस्कृति और परंपरा को वैश्विक स्तर पर मान्यता दिलाने की दिशा में अनेक प्रयास कर चुके हैं। यह उनके 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के विचार को मजबूत करेगा।

वर्तमान छुट्टियों की व्यवस्था की खामियाँ

अभी की छुट्टियों की व्यवस्था में कई खामियाँ हैं, जो आम नागरिकों और उद्योगों को प्रभावित करती हैं।

बीच-बीच में छुट्टियाँ: जैसे इस बार 19 अक्टूबर रविवार, 20 – 21 अक्टूबर कहीं छुट्टी कहीं कार्य दिवस, 22 अक्टूबर छुट्टी – यह पैटर्न परिवारों के लिए असुविधाजनक है।

उत्पादकता पर असर: कंपनियों को बार-बार रुकावट का सामना करना पड़ता है, जिससे कार्य की निरंतरता प्रभावित होती है।

पर्यटन और अर्थव्यवस्था पर असर: लोग लगातार छुट्टी न मिलने के कारण लंबी यात्रा नहीं कर पाते, जिससे पर्यटन उद्योग को नुकसान होता है।

स्कूल और माता-पिता की छुट्टियों में असंगति: जब बच्चों के स्कूल बंद हों और माता-पिता के कार्यस्थल खुले हों, तो परिवार एक साथ त्योहार का आनंद नहीं ले पाता।

सरकार इस समस्या के समाधान के लिए ठोस कदम उठा सकती है। नीचे कुछ प्रमुख सुझाव दिए जा रहे हैं:–

राष्ट्रीय स्तर का पंचांग तैयार हो – यह पंचांग वैज्ञानिक और खगोलशास्त्रीय मानकों के आधार पर हो।

कंप्यूटराइज्ड कैलेंडर सिस्टम – त्योहारों की छुट्टियाँ और कार्य दिवस स्वचालित रूप से अपडेट हों।

लॉन्ग वीकेंड नीति – यदि किसी त्योहार की छुट्टी मंगलवार या गुरुवार को आती है, तो उसके आस-पास के शनिवार को कार्य दिवस घोषित कर निरंतर तीन दिन की छुट्टी बनाई जाए।

कानूनी प्रावधान – कैलेंडर को स्कूलों, बैंकों, सरकारी व निजी संस्थानों द्वारा पालन करना अनिवार्य हो।

अग्रिम सूचना – अगले वर्ष का त्योहार और छुट्टी कैलेंडर कम से कम 3 महीने पहले घोषित किया जाए।

लॉन्ग वीकेंड का आर्थिक महत्व

यदि सरकार लॉन्ग वीकेंड नीति लागू करती है, तो इसका सकारात्मक प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा।

1. पर्यटन को बढ़ावा :–जब लोगों को लगातार तीन-चार दिन की छुट्टी मिलेगी, तो वे यात्रा पर निकलेंगे। इससे होटल, परिवहन, पर्यटन स्थलों और स्थानीय बाजारों की आय बढ़ेगी।

2. घरेलू खर्च में वृद्धि :– यात्रा से पहले लोग कपड़े, खाद्य सामग्री और अन्य वस्तुएँ खरीदते हैं। त्योहार के दौरान शॉपिंग और खर्च बढ़ने से देश का पैसा देश में ही घूमेगा।

3. रोजगार सृजन :– पर्यटन उद्योग के विस्तार से हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इससे छोटे और मध्यम व्यवसाय भी लाभान्वित होंगे।

विदेशी निवेश और निजी क्षेत्र पर प्रभाव : एक और महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि भारत के कई निजी अस्पताल, बैंक और बड़े उद्योगों में विदेशी निवेश है। जब अलग-अलग संस्थान अपनी सुविधा के अनुसार छुट्टियाँ घोषित करते हैं, तो यह विदेशी निवेशकों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए भ्रम की स्थिति पैदा करता है। यदि सेंट्रलाइज्ड छुट्टी कैलेंडर हो, तो विदेशी निवेशकों को अपनी व्यापारिक योजनाएँ बनाने में आसानी होगी। वैश्विक कंपनियाँ भारतीय बाजार को अधिक व्यवस्थित और विश्वसनीय मानेंगी।

अंतरराष्ट्रीय उदाहरण

कई देशों ने यह समस्या पहले ही हल कर ली है। चीन में त्योहारों का कैलेंडर सरकार द्वारा पहले ही घोषित कर दिया जाता है। जापान और सिंगापुर में लॉन्ग वीकेंड पॉलिसी के कारण पर्यटन और घरेलू उद्योग को बहुत लाभ हुआ है। भारत भी इन देशों के अनुभवों से सीख लेकर बेहतर नीति बना सकता है।

एक संगठित प्रयास की आवश्यकता :–भारत की सांस्कृतिक विरासत और त्योहारों की विविधता हमारी पहचान है। परंतु यदि इन्हीं त्योहारों की तिथियों में असमानता और छुट्टियों के असंगठित प्रबंधन से नागरिकों, उद्योगों और पर्यटन को नुकसान हो रहा है, तो यह राष्ट्रीय हानि है। केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर एकीकृत, वैज्ञानिक और सेंट्रलाइज्ड त्योहार व छुट्टी कैलेंडर बनाने की दिशा में कदम बढ़ाना चाहिए। यदि यह प्रणाली लागू होती है, तो परिवारों को एक साथ त्योहार मनाने का अवसर मिलेगा। उद्योगों को बेहतर कार्य योजना बनाने में सुविधा होगी। पर्यटन और अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन मिलेगा। और सबसे महत्वपूर्ण, यह "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" की दिशा में एक सशक्त कदम होगा। हमारा भारत सरकार को सुझाव है कि इस विषय को गंभीरता से लिया जाए और आने वाले वर्षों में अक्टूबर महीने तक पूरे अगले वर्ष का त्योहार और छुट्टी कैलेंडर घोषित किया जाए, जिससे नागरिक, उद्योग और शैक्षिक संस्थान सब अपनी योजनाएँ सुव्यवस्थित तरीके से बना सकें।

–रोटेरियन सुनील दत्त गोयल, महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शताब्दी यात्रा संगठित समाज, सशक्त राष्ट्र

मुरारी गुप्ता

इस वर्ष विजया दशमी अर्थात 2 अक्टूबर 2025 के पावन दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण कर रहा है। यह केवल एक संगठन की यात्रा नहीं, बल्कि एक सतत वैचारिक यज्ञ की पूर्णाहुति का शुभ अवसर है। एक ऐसा यज्ञ जो समाज संगठन, सांस्कृतिक पुनरुत्थान और राष्ट्र के पुनर्निर्माण हेतु समर्पित रहा है। संघ की स्थापना विक्रमी संवत् 1982 की विजयादशमी को नागपुर (महाराष्ट्र) में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने की थी। वे जन्मजात देशभक्त थे, जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के सभी प्रमुख आंदोलनों में सक्रिय भागीदारी की। कोलकाता में मेडिकल की पढ़ाई के दौरान वे अनुशीलन समिति से जुड़े रहे। 1921 में उन्हें तत्कालीन ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध राजद्रोह के आरोप में एक वर्ष का कारावास और 1930 में नमक सत्याठाह में नौ माह की जेल हुई। उसी वक्त डॉ. हेडगेवार ने अनुभव किया किया कि राजनीतिक स्वतंत्रता के साथ-साथ सांस्कृतिक आत्मचेतना और समाज का संगठन आवश्यक है। इसी उद्देश्य से उन्होंने संघ की नींव रखी। संघ का उद्देश्य संपूर्ण हिंदू समाज को संगठित कर, हिंदुत्व के अधिष्ठान पर भारत को समर्थ और परमवैभवशाली राष्ट्र के रूप में प्रतिष्ठित करना था। इसके लिए डॉ. हेडगेवार ने एक अत्यंत प्रभावशाली कार्यपद्धति – दैनिक शाखा – विकसित की, जहाँ अनुशासन, शारीरिक शिक्षा, बौद्धिक चर्चा और समाज सेवा के माध्यम से चरित्रवान कार्यकर्ताओं का निर्माण किया जाता है।

संघ ने अपने प्रारंभिक वर्षों में खूब उपहास और विरोध का सामना किया। वर्ष 1948 में महात्मा गांधी की हत्या के बाद तत्कालीन सरकार द्वारा संघ पर प्रतिबंध लगाया गया, जिसे संविधान सम्मत सत्याठाह के माध्यम से हटवाया गया। लेकिन धीरे-धीरे संघ अपने उत्तम संगठन, स्वयंसेवकों की निष्कलंक छवि, और निस्स्वार्थ सेवा कार्यों के बल पर समाज का विश्वास अर्जित करता गया। आज संघ की शाखाएं भारत के 98 प्रतिशत जिलों और 97 प्रतिशत खंडों में सक्रिय हैं। वर्तमान में देशभर में 83,129 दैनिक शाखाएं, 32,147 साप्ताहिक मिलन तथा विविध गतिविधियां चल रही हैं। इनमें से 59 प्रतिशत शाखाएं युवाओं और छात्रों की हैं, जो आगामी पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण के लिए तैयार कर रही हैं।

1985-90 के दशक में संघ ने सेवा कार्यों को संगठित और संस्थागत रूप देने का निर्णय लिया। 1990 में सेवा विभाग की स्थापना की गई। आज संघ के स्वयंसेवक देशभर में एक लाख उनतीस हजार से अधिक सेवा परियोजनाएं चला रहे हैं। इनमें प्रमुख रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार, स्वावलंबन और आपदा राहत के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य चल रहे हैं। कोई भी प्राकृतिक आपदा हो, महामारी हो या सामाजिक कार्य, संघ के स्वयंसेवक बिना प्रचार के वहां पहुँचते हैं और जी जान से समाज की सहायता करते हैं। इस प्रकार के समाज कार्यों में कई बार स्वयंसेवकों की मृत्यु भी हो जाती है। यही नहीं, नियमित रूप से समाज के उपेक्षित वर्गों के बीच काम करके संघ के कार्यकर्ता समाज में समरसता का निर्माण करने में भी खुद को प्रस्तुत कर रहे हैं। संघ का दृष्टिकोण केवल नगरों तक सीमित नहीं है। संघ के स्वयंसेवक ग्राम विकास, गौ-संरक्षण, जैविक खेती, कृषक शिक्षा जैसे कार्यों में भी अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। भारतीय नस्ल की गायों की रक्षा और कृषि के पारंपरिक तथा वैज्ञानिक समन्वय की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास किए गए हैं। संघ की प्रेरणा से समाज जीवन में अनेक स्वतंत्र संगठन देशभर में विविध क्षेत्रों में कार्यरत हैं। छात्रों के बीच अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, शिक्षा के क्षेत्र में विद्या भारती, कृषक कल्याण के क्षेत्र में भारतीय किसान संघ, मजदूरों के हित के लिए भारतीय मजदूर संघ, सेवा क्षेत्र में सेवा भारती, वनवासियों के कल्याण हेतु वनवासी कल्याण आश्रम, लघु उद्योगों के विकास के लिए लघु उद्योग भारती और स्वदेशी के लिए स्वदेशी जागरण मंच ऐसे संगठन हैं जो स्वतंत्र, स्वायत्त और स्वावलंबी हैं, परंतु उनके मूल में संघ का वैचारिक मार्गदर्शन है।

संघ ने शताब्दी वर्ष को केवल उत्सव न मानकर समाज जागरण के नए चरण के रूप में स्वीकार किया है। इसके तहत पाँच प्रमुख क्षेत्रों में सामाजिक व्यवहार में परिवर्तन लाने का संकल्प लिया गया है, जिसे 'पंच परिवर्तन' कहा गया है। इनमें सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन, कुटुंब प्रबोधन- परिवार आधारित संस्कार निर्माण, स्वआधारित जीवन शैली – स्वदेशी और आत्मनिर्भरता, तथा नागरिक कर्तव्य बोध शामिल हैं। ये पांचों विषय आज के समाज में मूलभूत सुधार लाने के लिए अत्यंत आवश्यक हैं और आने वाले दशकों में संघ के कार्य की दिशा तय करेंगे।

1940 में नागपुर में आयोजित एक प्रशिक्षण वर्ग में डॉ. हेडगेवार ने कहा था, "आज मेरे सामने हिंदू राष्ट्र की एक छोटी-सी प्रतिमा खड़ी है।" आज, 100 वर्ष बाद, वह छोटी-सी प्रतिमा एक जीवंत आंदोलन बन चुकी है, जिसमें करोड़ों स्वयंसेवक, समर्थक और संस्थाएं समाहित हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शताब्दी यात्रा एक ऐसे विचार का उत्सव है, जो निरंतर समाज परिवर्तन में संलग्न रहा है। यह केवल संगठन का विकास नहीं, बल्कि भारत के आत्मस्वरूप की पुनर्स्थापना की यात्रा है। अब समय है कि देश के सभी वर्ग मतभेदों को भुलाकर, राष्ट्र के पुनरुत्थान के इस महायज्ञ में आहुति दें और भारत को पुन: एक बार वैभव के शिखर पर पहुँचाएं।

–मुरारी गुप्ता, (लेखक)।

रोजगार व तकनीकी शिक्षा के अभाव में सैकड़ों परिवारों का सांभर से पलायन

सांभरझील, (नियं)। जयपुर और जोधपुर रियासतकाल के इतिहास को अपने दामन में समेटे ऐतिहासिक और धार्मिक प्राचीन नगरी शाकंबर (अपभ्रंश सांभर) वर्तमान में अपने वजूद को कायम रखने के लिए अपने आप से ही लगातार संघर्ष कर रही है। गौरवशाली सांभर के अस्तित्व को बचाने के लिए किसी भी सरकार ने गुमनाम होती इस नगरी पर अपना ध्यान करना ही मुनासिब नहीं समझा।

ब्रिटिश काल का इतिहास गवाह है की सांभर में राजस्व की इतनी अधिक प्राप्ति होती थी कि सबसे पहले सेंट्रल बैंक आफ इंडिया की शाखा की स्थापना यहां पर हुई, टेलीफोन की घंटियों की गूंज भी यहीं पर सुनाई देती थी। राजस्थान का एकमात्र सांभर ऐसा उपखंड रहा, जिसका भौगोलिक दृष्टिकोण से ही नहीं अपितु धार्मिक दृष्टिकोण से भी प्रदेश में अपना वर्चस्व बनाए रखा है। आजादी के बाद सरकार का गठन हुआ और 1952 के बाद से लगातार सांभर की कमजोर राजनीतिक इच्छा शक्ति ने आज सांभर को पूरी तरह से खोखला कर दिया है। सांभर को जिले का दर्जा तो दूर जिन राजनेताओं के जिम्मे इसको औद्योगिक नगरी का दर्जा दिलवाने का था वह भी सपना पूरा नहीं हो सका। तकनीकी शिक्षा, रोजगार का अभाव व हैल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर कमी की वजह से यहां के सैंकड़ों परिवारों को अपनी भावी पीढ़ी के उज्जवल भविष्य के लिए सांभर छोड़ने को मजबूर होना पड़ा या यूं कहे की पलायन करके चले गए। पीड़ादायक बात तो यह है कि सांभर से प्रतिदिन करीब 4000 से अधिक लोग जिनमें युवाओं की तादाद काफी अधिक है, अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए डेली अप डाउन कर रहे हैं। सांभर में राजनेता न पलायन रोक सके और न ही डेली अप डाउन करने वालों के लिए जरूरी ट्रेनों का ठहराव करवा सके। सभी सरकारी दस्तावेजों व राजस्व रिकॉर्ड में भले ही सांभर उपखंड लिखा जा रहा हो लेकिन जो मूलभूत सुविधाएं एक उपखंड में होनी चाहिए वह 50 साल से आज तक अधूरी है। कॉलेज की पढ़ाई के बाद तकनीकी व अन्य किसी क्षेत्र में डिग्री लेनी हो तो उसकी सांभर छोड़ना मजबूरी है। प्रमुख रूप से अपर जिला कलेक्टर, एडिशनल एसपी के कार्यालय सहित देवस्थान व पर्यटन विभाग की शाखाएं आज तक नहीं खुल सकी है। सांभर में ऑर्थोपेडिक्स, सर्जन व सोनोलॉजिस्ट ऐसे महत्वपूर्ण पद है जिनकी नियुक्ति होना क्षेत्रवासियों के हित के लिए बेहद जरूरी है, लेकिन राजनेताओं के प्रयास इस दिशा में कभी भी नहीं हुए हैं। सांभर का आर्थिक संस्थागत ढांचा भी लगातार टूट रहा है, युवा पीढ़ी अपने भविष्य को लेकर चिंतित है।

राशिफल

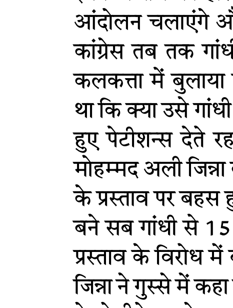

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 1 अक्टूबर, 2025

आश्विन मास, शुक्ल पक्ष, नवमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र प्रातः 8:06 तक, अतिगंड योग रात्रि 12:34 तक, बालव करण प्रातः 6:34 तक, चन्द्रमा दिन 2:27 से मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-धनु, मंगल-तुला, बुध-कन्या, गुरू-मिथुन, शुक्र-सिंह, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग प्रातः 8:06 से आरम्भ होगा। आज शारदीय नवरात्र समाप्त होंगे। आज महानवमी, श्री हरि जयन्ती, नवाश्व पूजा है। सरस्वती बलिदान प्रातः 8:06 से है। आज मन्वादि है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:20 तक, शुभ 10:48 से 12:17 तक, चर 1:13 से 4:42 तक, लाभ 4:42 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:23, सूर्यास्त 6:10

मेष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। दिन के मध्यान्ह पश्चात व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

वृष
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

मिथुन
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेगी। मन का बना हुआ भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। आज परिवार में धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। दिन के मध्यान्ह पश्चात विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है।

कन्या
घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

वृश्चिक
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

धनु
मानसिक तनाव दूर होगा। मन:स्थिति में सुधार होगा। महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। आज मनोबल-आत्मविश्वास बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मकर
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

मीन
महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक स्थिति में सुधार होगा।

सार-समाचार

बिजली गिरने से एक युवक की हुई मृत्यु

करौली(निंसं.)। क्षेत्र में मंगलवार को दोपहर बाद अकस्मात ही मौसम ने पलटा खाया और आकाशीय गर्जना के बीच जोरदार बरसात हुई दुखद यह रहा की आकाशीय बिजली गिरने से मंडरायल क्षेत्र में कृषि कार्य करते समय एक युवक की दर्दनाक मृत्यु हो गई। मंगलवार को अकस्मात ही मौसम ने पलटा खाया और दोपहर बाद 2:00 बजे के लगभग क्षेत्र में झमाझम बरसात हुई जिससे किसानों के चेहरों पर खुशी देखी गई क्योंकि आगामी दिनों में रवि की फसल सरसों चना गेहूं आदि की बुवाई के लिए पानी की आवश्यकता पड़ती लेकिन कुदरत ने ऐसे वक्त पर और मानसून की जाते-जाते क्षेत्र में झमाझम बरसात होने से किसानों को बड़ा लाभ मिलेगा लेकिन दर्दनाक घटना यह रही की झमाझम बरसात के बीच आकाशीय बिजली कड़की जिससे मंडरायल क्षेत्र के इमरतापुरा गांव का एक युवक इस दौरान कृषि कार्य कर रहा था जिससे युवक के ऊपर आकाशीय बिजली पड़ने से गंभीर रूप से झुलस गया युवक को गंभीर हालत में मंडरायल अस्पताल लाया गया जहां ड्यूटी चिकित्सक डॉ. शेर सिंह ने युवक को मृत घोषित किया जिसकी मृत्यु की सूचना पर परिवारजन में कोह राम मच गया।

स्वंयसेवकों ने पथ संचलन निकालकर शस्त्र पूजन किया

हिंडौन सिटी । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खंड नादौती के गुढ़ाचंद्रजी उपखंड पर पथ संचलन एवं शस्त्र पूजन कार्यक्रम नादौती खंड के खंड कार्यवाह श्री दीपेन्द्र सिंह चौहान के नेतृत्व में किया गया साथ ही विद्या मंदिर परिसर में शस्त्र पूजन किया गया। खंड कार्यवाह दीपेन्द्र सिंह ने बताया कि उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर गुढ़ाचंद्रजी में शस्त्र पूजन कार्यक्रम एवं पथ संचलन रहा जिसमें लगभग 87 स्वयंसेवक सहभागी रहे पथ संचलन आदर्श विद्या मंदिर से प्रारंभ होकर पुलिस चौकी के सामने बस स्टैंड एवं मुख्य बाजार होते हुए उप तहसील एवं खरवार बस होते हुए विद्यालय में संपन्न हुआकार्यक्रम के मुख्य वक्ता राजेश कुमार मीणा अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी एवं प्रांत सह शारीरिक शिक्षण प्रमुख का मार्गदर्शन रहा । उन्होंने संघ के पंच परिवर्तन, सामाजिक समरसता, कुटुम्ब प्रबोधन, नागरिक कर्तव्य, पर्यावरण संवर्धन और स्व का जागरण विषय पर सभी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया । कार्यक्रम में खंड सहकार्यवाह श्री प्रवीण कुमार एवं गुढ़ाचंद्र जी उपखंड के वरिष्ठ कार्यकर्ता श्री सीताराम जी अठावाल की अध्यक्षता में कार्यक्रम संपन्न हुआ । उन्होंने बताया कि इस साल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपना 100 वां वर्ष पूरा करने जा रहा है। भूपेन्द्र खटाना ने कहा कि सनातन धर्म में शस्त्र पूजन को जीवन से दरिद्रता, कष्ट, शोक और भय दूर करने के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है, शस्त्र और शास्त्रों को गंगाजल से शुद्ध किया जाता है । इस मौके पर संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने पंच परिवर्तन के तहत सामाजिक समरसता, पर्यावरण जल संरक्षण, नागरिक शिष्टाचार व स्वदेशी भाव का जागरण करने का संकल्प भी लिया गया ।

डांडिया रास और कन्या पूजन बने आकर्षण का केंद्र

हिंडौन सिटी। नवरात्रि के पावन अवसर पर भायलापुरा की मित्र मण्डली द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला ने क्षेत्र में भक्तिमय और सांस्कृतिक माहौल बना दिया। नवरात्रि के दौरान मां के दरवाजे को भव्य रूप से सजाया गया, जिसकी भव्यता श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी रही।सजावट के साथ-साथ आयोजित डांडिया रास कार्यक्रम में स्थानीय महिलाओं, युवाओं व बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सजीव संगीत की मधुर धुनों पर पारंपरिक परिधानों में थिरकते श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के प्रति अपनी श्रद्धा और उत्साह प्रकट किया। मित्र मण्डली के सदस्यों ने बताया कि नवरात्रि के अंतिम दिन रात्रि में हवन का आयोजन किया जाएगा जिसमें मां दुर्गा की पूर्ण आराधना के साथ वातावरण को पवित्र किया जाएगा। इसके अगले दिन 101 कन्याओं का पूजन एवं भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें कन्याओं को भोजन, उपहार और सम्मान प्रदान किया जाएगा।और सभी व्यापारी अपने प्रतिष्ठानों को बंदकर डीजे एवं ढोलों के द्वारा अपनी नम आंखों से मां की भव्य विसर्जन यात्रा निकाली जायेगी । इस पूरे आयोजन का उद्देश्य भक्ति, संस्कृति और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना है। स्थानीय नागरिकों का सहयोग और युवाओं की सक्रिय भागीदारी कार्यक्रम की सफलता का प्रमुख कारण रही। भायलापुरा में मनाया जा रहा यह पहला आयोजन श्रद्धा, उल्लास और एकता का सुंदर उदाहरण बनकर उभरा है।

50 बेड की ब्लॉक प्रोग्राम हेल्थ यूनिट का लोकार्पण

महुवा(निसं)। यंहा मंगलवार को विधायक राजेंद्र मीणा ने महुवा के जिला अस्पताल में 50 बेड की ब्लॉक प्रोग्राम हेल्थ यूनिट का लोकार्पण किया। इस नई व्यवस्था के साथ अब जिला अस्पताल में कुल 200 बेड की क्षमता हो गई है। इस दौरान विधायक ने दो जनता क्लिनिक भी जनता को सौंपे। लोकार्पण अवसर पर विधायक ने कहा कि क्षेत्र के मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। विधायक ने अस्पताल के अन्य वार्डो का निरीक्षण करते हो हुए वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया, अस्पताल की सफाई व्यवस्था को लेकर भी वे संतुष्ट दिखाई दिए। उन्होंने माना कि फिलहाल जिला अस्पताल में चिकित्सक और नर्सिंग कर्मियों की कमी है इस बारे में चिकित्सा मंत्री से मिलकर जल्द ही निराकरण करवाया जाएगा। जनता क्लिनिक से मिलेगी बड़ी राहत: लोकार्पण कार्यक्रम के बाद विधायक ने शहर में दो स्थानों पर जनता क्लिनिक का विधिवत शुभारंभ किया। इनमें पुराना अस्पताल परिसर और पटवार घर शामिल हैं। पुराना अस्पताल परिसर में जनता क्लिनिक का उद्घाटन करते हुए विधायक मीणा ने कहा कि चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्र में किसी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इन दो जनता क्लिनिक के शुरू होने से आमजन को बेहद राहत मिलेगी।

रोवरमेट रेंजरमेट कौंसिल का गठन

भरतपुर (निस)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड भरतपुर में रोवरमेट रेंजरमेट कौंसिल का गठन किया गया। स्थानीय संघ सचिव भानु प्रताप सिंह के अनुसार रोवर लीडर अनिल कुमार नागर, विवेक चौरसिया रेंजर लीडर पूजा एवं सी. ओ. (स्काउट) देवेंद्र मीणा, सी. ओ. (गाइड) कल्पना शर्मा के निर्देशन में रोवरमेट रेंजरमेट कौंसिल का गठन किया गया। सहायक राज्य संगठन आयुक्त स्काउट गिरिराज प्रसाद गर्ग ने इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय जोटा जोटी इंटरनेट कार्यक्रम, सहित 19 वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जंबूरी लखनऊ, रोवर रेंजर्स स्काउट गाइड नेचर स्टडी शिविर अलवर, स्वच्छ भारत अभियान शिविर नई दिल्ली सहित राष्ट्रीय, राज्य स्तरीय गतिविधियों की जानकारी दी । इस अवसर पर लोहागढ़ ओपन रोवर क्रू के मनीष कुमार मौर्य, धर्मवीर सैनी, मुकेश, महाराजा सूरजमल ओपन क्रू के अमन खां, विशाल कुमार, एम. एस. जे. राजकीय महाविद्यालय के ऋषि परमार, आशु चौधरी, हरेंद्र, निर्मल खींची, प्रमोद, नितेश शिवराज ने एसडीजी प्रोजेक्ट, पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम ईईपी, युवा महोत्सव, राज्य स्तरीय रोवर मूट, रेंजर मीट की गतिविधियों की जानकारी दी।

मूलभूत सुविधाओ से मोहताज है, शहर का आमजन

करौली(निंसं.)। जिला मुख्यालय पर भले ही जिला स्तरीय अधिकारी और नगर परिषद प्रशासन के अधिकारी बैठते हो लेकिन यहां शहर में आमजन की मूलभूत सुविधाओं को अनदेखी करने से दीये तलेअंधेरा कहावत चरितार्थ होती देखी जा रही है। गंभीर जनक बात यह है कि करौली मंडरायल मासलपुर कुड़गांव लांगड़ा सहित ग्रामीण क्षेत्र के लोग मूलभूत सुविधाओं के अलावा जिला मुख्यालय पर मिलने वाली अन्य सुविधाओं के लिए अपने क्षेत्र की भूमियों को ओने पोने दामों में बेचकर यह सोचकर की जिला मुख्यालय स्थित करौली शहर में मूलभूत सुविधाओं के अलावा चिकित्सा आदि सुविधा मिलेगी वही बच्चों को अच्छी शिक्षा मिल सकेगी इस उद्देश्य को लेकर जिला मुख्यालय स्थित शहर में बड़े महंगे दामों में आवासीय भूखंड खरीद कर मकान बनवा कर रहने लगे लेकिन उन्हें यहां जिला मुख्यालय स्थित शहर में मूलभूत सुविधाओं का लाभ नहीं मिलने पर अब उन्हें एहसास हो रहा है की यहां के बजाय ग्रामीण क्षेत्र का ही जीवन स्तर ठीक था इस मामले में ग्रामीण क्षेत्र से आकर जिला मुख्यालय स्थित शहर में बसे लोगों से चर्चा होने पर उन्होंने बताया कि हम लोग यह सोचकर की करौली जिला मुख्यालय है जहां पर मूलभूत सुविधाओं के अलावा चिकित्सा सुविधा और बच्चों के लिए उचित शिक्षा मिल सकेगी क्योंकि जिला मुख्यालय पर सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी बैठते हैं लेकिन यहां तो सब कुछ उल्टा देखा जा रहा है उन्होंने बताया कि यहां तो एक कहावत दीए तले अंधेरा चरितार्थ होती देखी जा रही है कोई अधिकारी सुनने को तैयार नहीं है लोगों का कहना है कि जिला मुख्यालय पर पेयजल का संकट मंडराता रहता है और बिजली की अघोषित कटौती आमजन को तृस्त करती रहती है और शहर में आवारा सांडों का एवं बंदरों का इतना आतंक है की जिनके आतंक से आम जन त्रस्त है इसके अलावा शहर की गलियों में अंधेरा पसरा रहता है और तो और जिला मुख्यालय स्थित शहर की मुख्य सड़कों की जर्जर हालत होने से एवं जगह-जगह गंदे पानी का रेलम पेल बहने से आमजन त्रस्त है लेकिन समस्याओं से ऐसा नहीं है कि जिला मुख्यालय पर बैठे जिला स्तरीय अधिकारी और नगर परिषद प्रशासन की जानकारी में नहीं है सब की जानकारी में होते हुए भी समस्याओं के निराकरण को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है गंभीर बात तो यह है कि करौली से लेकर राजस्थान और केंद्र सरकार में भाजपा की सरकार होते हुए भी आमजन को ना तो मूलभूत सुविधाओं का लाभ मिल रहा है नाही अन्य सुविधाओं का लाभ मिल रहा है इसके अलावा देखने लायक यह भी है की जिला मुख्यालय स्थित शहर में निजी विद्यालयों द्वारा लूट मचा रखी है जिसकी और ना तो शिक्षा विभाग के अधिकारियों का ध्यान है ना ही जिला प्रशासन के अधिकारियों का ध्यान है यहां के निजी विद्यालय संचालक शिक्षा के नाम पर मनमानी फीस वसूल रहे हैं और निजी विद्यालय संचालक सरकार के आदेशों की खुलेआम मखौल उड़ाते देखे जा रहे हैं जिनके द्वारा शिक्षा विभाग के द्वारा जारी शिवरा पंचांग की भी अनदेखी की जा रही है शिक्षा विभाग द्वारा जारी छुट्टियों के दिनों में भी निजी विद्यालय संचालक धड़ले से अपने स्कूलों को खोलते हैं इसके अलावा सरकार ने सरकारी और निजी विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं के लिए एक ही प्रकार की ड्रेस कोड जारी कर रखा है लेकिन यहां के निजी स्कूल संचालक अपने-अपने मन से स्कूली छात्रों के ड्रेस कोड के अनुसार ही छात्र-छात्राओं से ड्रेस मंगवाई जाती है।

69वीं राज्य स्तरीय विद्यालयी सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता आज से

हिंडौन सिटी(निसं)। निदेशालय माध्यमिक शिक्षा विभाग बीकानेर के तत्वावधान में 69वीं राज्य स्तरीय माध्यमिक/उच्च माध्यमिक विद्यालयी सॉफ्टबॉल (छात्रा वर्ग 17 व 19 आयु वर्ग) प्रतियोगिता का आयोजन 1 अक्टूबर से 7 अक्टूबर तक श्री अठासेन बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय हिंडौन सिटी में होगा।

संयुक्त संचालन सचिव एवं प्रधानाचार्य मोहन सिंह व मीडिया प्रभारी नरेंद्र बाबा ने बताया कि प्रतियोगिता की तैयारियों को लेकर उप जिला शिक्षा अधिकारी (शारीरिक शिक्षा) मानसिंह मीणा की अध्यक्षता में निर्णायक मंडल, टीम दलाधिपति एवं स्थानीय आयोजन समिति की मीटिंग आयोजित की गई। बैठक में समिति पदाधिकारी, प्रधानाचार्य व खेल विशेषज्ञों ने आयोजन संबंधी विचार साझा किए।

खिलाड़ियों का रजिस्ट्रेशन जारी: समाचार लिखे जाने तक 17 व 19 आयु वर्ग में अलवर, बालोतरा, बांसवाड़ा, बाड़मेर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बीकानेर, चूरू, डूंगरपुर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, जयपुर प्रथम, जैसलमेर, जालौर, जोधपुर, कोटपूतली-बहरोड, नागौर, पाली, सिरोही, टोंक, उदयपुर व मेजबान करौली सहित 22 जिलों की टीमें रजिस्ट्रेशन करा चुकी थीं। वहीं बारा, बूंदी, डीडवाना, सलूंबर सहित 4 टीमें भी एक वर्ग में शामिल होंगी।

खेल मैदानों की व्यवस्था: प्रतियोगिता के मुकाबले अग्रसेन बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के एक मैदान व आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय के दो मैदानों पर होंगे। मैदान नंबर 1 की जिम्मेदारी युधिष्ठिर भाकर को सौंपी गई है।

उद्घाटन समारोह 1 अक्टूबर को: प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह 1 अक्टूबर को प्रात: 9:30 बजे श्री अठासेन महाविद्यालय सभागार में होगा। मुख्य अतिथि करौली जिला पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल रहेंगे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा भरतपुर दलबीर सिंह रोतबॉल करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिंडौन सत्येंद्र सिंह, उप जिला कलेक्टर हेमराज गुर्जर, सीडीओ गोपाल प्रसाद मीणा, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक इंद्रेश तिवारी, जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक पुष्पेंद्र कुमार शर्मा, एडीपीसी सर्वेश गुप्ता, डाईट प्राचार्य महेश गुप्ता व पीएमओ पुष्पेंद्र गुप्ता मौजूद रहेंगे।प्रतियोगिता में जिले भर से आए खिलाड़ियों के लिए आवास, भोजन व अन्य व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई है।

महिला कांग्रेस अध्यक्ष बबीता शर्मा का सम्मान

भरतपुर (निस)। ब्राह्मण युवा मंच के संयोजक मनीष तिवारी व लखन शर्मा के नेतृत्व में भरतपुर जिले की महिला कांठोस की अध्यक्ष बबीता शर्मा का सम्मान किया। मनीष तिवारी ने कहा कि कांठोस पार्टी ने बबीता शर्मा को महिला कांठोस की भरतपुर की जिला अध्यक्ष बनाकर के संघर्षशील व कर्मठ कार्यकर्ता को जिम्मेदारी सौंपकर के बहुत अच्छा काम किया है स लखन शर्मा ने कहा कि बबीता शर्मा को जिला अध्यक्ष बनाकर के ब्राह्मण समाज को सम्मान दिया है। भरतपुर जिले की नवनियुक्त महिला कांग्रेस अध्यक्ष बबीता शर्मा ने कहा कि वो इस जिम्मेदारी को पूर्ण कर्तव्य से निभाएगी व आमजन की समस्याओं के लिए संघर्ष करेंगी। इस अवसर पर ओमप्रकाश शर्मा, मिथलेश शर्मा, अरुण पाठक,सौरव चतुर्वेदी, सौरभ, श्याम सुंदर, विशाल आदि ब्राह्मण बंधु व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

छात्राओं ने किया स्वच्छता श्रमदान

भरतपुर (निस)। स्वच्छता ही सेवा परखवाड़े के तहत राजकीय कन्या महाविद्यालय, उच्चैन में स्क्छ भारत, स्वस्थ भारत के तहत सफाई श्रमदान का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के बीए सेमेस्टर प्रथम व द्वितीय की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सर्वप्रथम महाविद्यालय प्रागंण की सफाई का कार्य किया गया तत्पश्चात् स्वच्छता प्रदर्शन करते हुए रंगोली निर्मित की गई। रंगोली बनाने में प्रमुख भूमिका साक्षी, तनीषा, नीरज, हिमांशी, ज्योति, तनु, प्रियंका, चिंकी, तानिया, राधा, सलोनी, काजल, तनुजा, बनुशबू तथा साक्षी शर्मा रही। सफाई कार्यक्रम की अगुवाई वर्षा ने की तथा साथ में शुभी पाठक, उर्वशी, नेहा, दीया, रानू, एकता, मौना, रेनु, खुशबू चौधरी, दिव्या, शिवानी फैसवाल, कीर्ति, अनीषा, मनीषा, यतेन्द्री, नेहा शर्मा, पूर्णिमा नीलम, चारु, पूनम तथा चाँदनी रही। इस अवसर पर महाविद्यालय से डॉ. सीमा सिंह डॉ. धर्मन्द्र शर्मा, डॉ. पूनम दीक्षित, डॉ. अशोक कुमार, व नगरपालिका, से एसबीएम इंजीनियर पिन्टु कुमार एसआई रामदेव प्रजापत आदि स्टाफ मौजूद रहे।

गृह राज्यमंत्री जवाहरसिंह बेढ़म ने किया सीसी सड़क के कार्य का लोकार्पण

■ डाबक में बिजली की समस्या के समाधान के लिए सुरक्षित कराया स्वीकृत कराया एक नया विद्युत फीडर, ग्रामीण सड़को के निर्माण के लिए अपनी विधायक निधि 20 लाख रुपए की राशि स्वीकृत करने की घोषणा की

भरतपुर(निस)। डीग जिले की नगर विधानसभा क्षेत्र के गांव डाबक में गृह, गोपालन, पशुपालन, डेयरी तथा मत्स्य विभाग राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने सीनियर सेकेंडरी स्कूल से गांव की ओर जाने वाली सीसी सड़क निर्माण कार्य का लोकार्पण किया।

गृह राज्य मंत्री बेढ़म ने घोषणा की कि डाबक के विद्यालय में अतिरिक्त कक्षों का निर्माण भी करवाया जाएगा, ताकि आने वाली पीढ़ी को बेहतर शिक्षा का वातावरण मिल सके। उन्होंने बताया कि ग्राम के विकास के लिए जिला परिषद से 20 लाख रुपए की राशि पहले ही स्वीकृत हो चुकी है साथ ही ग्रामीण सड़कों के विकास के लिए वे अपनी विधायक निधि से अतिरिक्त 20 लाख रुपए प्रदान करेंगे। यह सिर्फ वित्तीय सहायता नहीं, बल्कि एक अभिभावक का अपने बच्चों के उज्जवल भविष्य के प्रति समर्पण है। गृह राज्य मंत्री बेढम ने कहा कि नगर मेरा परिवार है, और इस परिवार की हर समस्या का समाधान करना मेरा परम कर्तव्य और संकल्प है। मैं चाहे कितना भी व्यस्त क्यों न रहूं, अपनी विधानसभा के लोगों के सुख-दुख में हमेशा भागीदार रहूंगा। उन्होंने कहा कि डाबक की सबसे पुरानी और जटिल समस्या, बिजली की कमी का भी अब स्थायी समाधान के लिए मैंने डाबक में एक नया फीडर स्वीकृत करा दिया है, जिसका निर्माण कार्य शीघ्र ही पूरा होगा। यह पहल डाबक के हर घर में रोशनी लाएगी, किसानों के खेतों को सींचेगी और छोटे व्यवसायों को नई ऊर्जा प्रदान करेगी। यह केवल बिजली नहीं, बल्कि आर्थिक समृद्धि और सामाजिक उत्थान की धारा है, जो डाबक के कोने-कोने में बहेगी। इस दौरान गृह राज्य मंत्री बेढम ने आमजन की समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुना और उनके त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश दिए। बेढम ने कहा कि मेरे पास केवल नगर विधानसभा ही नहीं, बल्कि पूरे राजस्थान में संबंधित विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की जिम्मेदारी है। इसके बावजूद मैने नगर विधानसभा क्षेत्र में अब तक 1000 करोड़ रुपए से अधिक राशि के विकास कार्य कराए हैं मैं आपको विश्वास लाता हूं कि विकास के लिए धन की कमी नहीं आने दी जाएगी।

खानुआ में 51 फीट के रावण का होगा दहन

रूपवास (निसं) । असत्य पर सत्य की जीत के पर्व दशहरा पर ग्राम पंचायत खानुआ में विजय जुलूस निकाला जाएगा। इस अवसर पर 51 फीट रावण के पुतले का दहन किया जाएगा। इस कार्यक्रम के आयोजन को लेकर ग्राम पंचायत द्वारा कार्यक्रम स्थल का साफ सफाई करवाई गई है। ग्राम पंचायत प्रशासक कम सरपंच सोनम शैली कुशवाहा ने बताया कि विगत 77 वर्षों से गांव खानुआ में आदर्श रामलीला का आयोजन किया जा रहा है। इस रामलीला में दूर से आकर कलाकार कई प्रकार के पात्रों का अभिनय करते हैं। 9 दिन रामलीला करने के बाद दसवें दिन विभिन्न प्रकार की झांकियों के साथ राम बारात खानुआ मुख्य बाजार से होते हुए दशहरे मैदान तक निकली जाती है। इसके बाद दशहरे मैदान में राम रावण के युद्ध के बाद रावण के पुतले का दहन किया जाता है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत के द्वारा दशहरे से पूर्व दशहरे मैदान की जेसीबी का सहायता से साफ सफाई करवा दी गई है। इसके अलावा गलियों की भी सफाई करा दी गई है। मेले के लिए दुकानों का आवंटन कर दिया गया है। मेले में लोग दूर-दूर से वह कई प्रकार की दुकान लगाने आते हैं। दशहरे का मुख्य आकर्षण केंद्र टेसू व झेंझी रहती है।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम 2 अक्टूबर को

भरतपुर (निस)। महात्मा गांधी के 156वें जन्म दिवस व पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री के 121 वें जन्म दिवस पर 2 अक्टूबर को शहर व जिला कांग्रेस भरतपुर के तत्वावधान में प्रात: 7 बजे स्थानीय गांधी पार्क में गांधी जी की प्रतिमा को दूध, गंगाजल से स्नान कराकर धूप चंदन, सूत की माला पहनाकर गांधी जी के प्रिय भजनों का उच्चारण किया जावेगा। यह जानकारी जिला कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष चुन्नी कप्तान ने दी व बताया कि प्रात: 8 बजे अनाह गेट स्थित शास्त्री पार्क में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया जावेगा।

जांबाज पुलिस कांस्टेबल का किया सम्मान

भरतपुर (निस)। पुलिस लाइन भरतपुर के सभागार में राजस्थान सेवानिवृत पुलिस कल्याण संस्थान भरतपुर की मासिक संगोष्ठी सम्भागीय अध्यक्ष हरीसिंह, संरक्षक भगवान सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई जिसमें सेवानिवृत पुलिस कर्मियों की समस्याओं के बारे में विचार विमर्ष किया गया। सचिव गिरधारी लाल गुप्ता ने बताया उच्चौन के पास 20 मोरा बाढ़ गंगा नदी में दो व्यक्ति वृंदावन व सोनू जाटव पानी में डुबे गये जिनकी चीख पुकार सुनकर काफी लोग एकत्रित हो गये उसी समय कॉस्टेबल जीतेन्द्र सिंह बेल्ट न. 2026 थाना उच्चौन ने वहा होकर गुजर रहा था।

अखिल विश्व गायत्री परिवार की कार्यशाला में पर्यावरण संवर्धन पर जोर

भरतपुर (निस)। अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा पर्यावरण आंदोलन के अंतर्गत वैदिक सनातन संस्कृति में पर्यावरण संरक्षण पर आयोजित कार्यशाला में वरिष्ठ पक्षी विशेषज्ञ एवं पर्यावरणविद दाऊ दयाल शर्मा ने स्कंदपुराण के श्लोक का संदर्भ लेते हुए बताया कि वृक्ष रोपण का महत्व पुत्र के समान है। कार्यक्रम के प्रारंभ में उप मुख्य प्रबंध ट्रस्टी डॉ सुशील पाराशर ने वेदमाता गायत्री मंत्र के साथ गायत्री पटका ओढाकर शर्मा का स्वागत किया। शर्मा ने शिवपुराण के श्लोक उद्धृत करते हुए भगवान आशुतोष शिव के अष्टमूर्ति स्वरूप जिसमे सूर्य ,चंद्रमा ,अग्नि ,आकाश ,वायु, पृथ्वी, जल और आत्मा रूपी आठ तत्वों को समाहित कर पर्यावरण वत्सल स्वरूप की व्याख्या की। स्कन्दपुराण के ऋषियो मंत्र दृष्टार रू में अपौरुषेय वेदों के पर्यावरणीय तत्वों के संरक्षण के साथ साथ सद्भावनास्थापनपूर्वक मानवीय जीवन निर्वाह का सर्व मंगलकारी वैदिक मार्ग पर प्रकाश डाला। वहीं ब्रह्मवैवर्तपुराण में प्रभु श्री कृष्ण ने गोवर्धन, गौ पालन द्वारा पर्यावरण संवर्धन,संरक्षण के संदेश के अनुसरण की आवश्यकता पर जोर दिया! शर्मा ने ओडियो विजुअल माध्यम से बताया कि अत्यधिक उपज लेने की चाहत में रसायन और कीटनाशकों के भारी प्रयोग से पर्यावरण के सफाईकर्मी गिद्ध ,विभिन्न कीटभक्षी मैना , गौरैया, श्रायिक आदि विलुप्तप्राय ,संकटठास्त हो गए हैं। फलस्वरूप पशुओं के शवों का निस्तारण न होने से स्थिति ओर भी बदतर हो गई है,फोम निर्माण व ए सी से निकलने वाली हानिकारक गैसों से ओजोन परत में छेद की मरम्मत केवल नियमित यज्ञ से ही संभव है जिसके प्रसार की आवश्यकता पर बल दिया। अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा पर्यावरण संरक्षण ओर प्रदूषण शोधन के लिए चलाया जा रहा सात सूत्रीय आंदोलन जिसमें एक करोड़ वृक्षारोपण की महत्वाकांक्षी योजना, नियमित यज्ञ द्वारा वायुमंडल परिमार्जन, वर्षा जल का बेहतर संकलन,नदियों के जल की शुद्धि,वृक्ष गंगा,स्मृति वन, अपशिष्ट पदार्थों का बेहतर निस्तारण, वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोतों का अत्यधिक प्रयोग आदि को सघन प्रचार प्रसार द्वारा जन जन में लोकप्रिय बनाने के लिए तन मन से सहयोग करने पर जोर दिया । कार्यक्रम का संचालन उप जोन समन्वयक नरेंद्र जोशी द्वारा किया गया। समापन पर जिला समन्वयक सुरेश पाराशर ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

सार-समाचार

हजारीपुरा में निकला पथ संचलन

करौली (निंसं.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना दिवस पर कैलादेवी खण्ड के हजारीपुरा गाँव में संघ के स्वयंसेवकों ने गाँव के प्रमुख रास्तों पर राष्ट्रीय भाव के संचलन गीत की धुन की कदमताल के साथ संचलन निकाला, गाँव के लोगों,मातृ शक्ति ने पथ संचलन के स्वयंसेवकों पर दर्जनों जगह पुष्प वर्षा करके भारत माता की जय के जयकारे लगाये। संचलन से पूर्व जिला बौद्धिक शिक्षण प्रमुख शान्तनु कुमार, खण्ड कार्यवाह भरत सिंह सहित स्वयंसेवक बन्धुओं ने विजयी दशमी उत्सव पर शस्त्र पूजन किया व उत्सव में अपना पाथेय रखने बाले जिला बौद्धिक शिक्षण प्रमुख शान्तनु कुमार ने कहा कि आज सीमोल्लंघन का पर्व है,1925 में आज ही दशहरे के शुभदिन युगदृष्टा परम राष्ट्रभक्त डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवारजी ने राष्ट्र को परम बैभवशाली बनाने व व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण के लक्ष्य हेतु राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की, आज संघ संसार का सबसे बड़ा गैर सरकारी संगठन है। राष्ट्रवाद और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के लिए समर्पित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना दिवस पर सभी स्वयंसेवकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।स्वयंसेवियों द्वारा देश की सेवा, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता की दिशा में किए जा रहे कार्य प्रेरणास्त्रोत हैं।इस शताब्दी वर्ष में संघ द्वारा जनजागरण हेतु पंच परिवर्तन का संकल्प लिया है जिसमें सामाजिक समरसता,कुटुम्ब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्व का जागरण व नागरिक शिष्टाचार के उद्देश्यों पर चलना होगा।उत्सव में खण्डकार्यवाह भरत सिंह सुमित, मनोज, रिंकू, राजकुमार, रामरूप,संजीत, रजनीश,बालकृष्ण,अनिकेत,सुधांशु सहित हजारीपुरा शाखा के स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

अष्टमी को कैला मां के दर्शनों के लिए उमडा श्रद्धा का सैलाब

करौली (निंसं.)। इन दिनों चल रहे नवरात्रा मैं कैलादेवी का मेला मंगलवार अष्टमी के दिन परवान पर रहा अष्टमी के दिन करीब 2 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने मां की चौखट पर माथा टेक कर दर्शन लाभ लिए और मनौती मांगी वैसे नवरात्रा शुभारंभ के दिन से लेकर आज अष्टमी तक करीब 18 से 20 लाख श्रद्धालु दर्शन लाभ ले चुके हैं। उन्होने बताया कि इन दिनों चल रहे नवरात्रों मे चारों ओर मंदिरों पर चल रहे धार्मिक आयोजनों से पूरे क्षेत्र में धर्म में वातावरण बना हुआ है खास तौर से जिले में ही नहीं पूर्वी राजस्थान की प्रमुख तीर्थस्थली कैला मां के मंदिर में राजस्थान के अलावा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा ,गुजरात आदि प्रदेशों से श्रद्धालु मां के दर्शनों के लिए उमड़ रहे हैं और मां के दरबार में पहुंचकर मां कैलादेवी के दर्शन लाभ लेकर मनौती मांग रहे हैं इसके अलावा कैलादेवी मंदिर में मां कैला देवी के लांगुरिया गीतों की धुन गूंज रही है वहीं पूरे क्षेत्र में स्थित धार्मिक स्थलों पर रामायण की चौपाइयां गूंज रही हैं जिससे पूरे क्षेत्र में धर्म मय वातावरण बना हुआ है कैलादेवी मंदिर ट्रस्ट के प्रशासनिक अधिकारी चंद्रकांत ने बताया कि नवरात्रा शुभारंभ से लेकर मंगलवार अष्टमी तक यात्रियों की भारी आवक रही है उन्होंने बताया कि मंगलवार अष्टमी के दिन करीब 2 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन लाभ ले चुके हैं उन्होंने बताया कि इससे पूर्व नवरात्र शुभारंभ से लेकर आज तक यात्रियों की संख्या 18 से 20 लाख तक पहुंच चुकी है और अभी यात्रियों का आना जोरों पर चल रहा है उन्होंने उन्होंने बताया कि अभी नवरात्रा के दो दिन बाकी हैं अनुमान लगाया जा रहा है कि इन दोनों दिनों में भी यात्रियों की संख्या अच्छी रहेगी इसी के साथ उन्होंने बताया कि वैसे पूर्णमासी तक यात्रियों की मां के दर्शनों के लिए आवक बनी रहेगी श्रद्धालुओं के अनुसार योग माता श्री कृष्ण की बहन बताई जाती है जो कारागार से प्रकट हुई बताते हैं श्रद्धालुओं के अनुसार एक असुर का वध करके मां केला देवी कालीसिल नदी के पवित्र तट पर स्थापित हुई श्रद्धालुओं का मानना है कि केला देवी चमत्कारों वाली मां है और श्रद्धालुओं के दुखों को हरने वाली और सुख शांति प्रदान करने बाली मां है।

मासिक सिलीकोसिस जांच शिविर कार्यक्रम जारी

करौली(निंसं.)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जयंती लाल मीणा ने बताया कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें जयपुर के निदेशक (जन स्वा0) एवं जिला कलक्टर नीलाभ सक्सेना के निर्देशानुसार जिले में माह में प्रत्येक बुधवार को सिलीकोसिस वैन द्वारा सिलिकोसिस शिविर आयोजित किए जायेंगे। इन शिविरों का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सिलीकोसिस की पहचान कर समय पर उपचार उपलब्ध कराना है। शिविरों में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा नि:शुल्क जांच, परामर्श, उपचार एवं औषधि वितरण किया जाएगा। सीएमएचओ ने बताया कि जांच शिविर कार्यक्रम के अनुसार खनन प्रभावित क्षेत्रों में निर्धारित सामाजिक दूरी बनाये रखते हुए शिविर आयोजित जायेंगे एवं शिविरों में सुरक्षा की दृष्टि से प्रत्येक व्यक्ति के द्वारा मास्क का उपयोग करने के लिए संबंधित शिविर प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। यह शिविर प्रात: 9:00 से दोपहर 12:00 बजे तक निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आज बुधवार को लांगरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में शिविर का आयोजन किया जाएगा। वहीं 8 अक्टूबर को पिपरानी के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, 15 अक्टूबर को नादौती के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, 29 अक्टूबर को कंचनपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में शिविरों का आयोजन किया जायेगा।

डांडिया महोत्सव में झूमीं बालिकाएं व महिलाएं

करौली(निंसं.)। मां करणपुर गुमानो सेवा समिति के तत्वावधान में शहर के नगाड खाना दरवाजा स्थित श्री राधा-गोपाल जी महाराज मंदिर परिसर में गुमानो माता की हस्त निर्मित प्रतिमा की पूजा- अर्चना के साथ प्रतिदिन धार्मिक कार्यक्रम किए जा रहे हैं। इस दौरान श्रद्धालुओं माता के दर्शन कर मनौतियां मांग रहे हैं। इस दौरान समिति अध्यक्ष प्रहलाद गुप्ता व गिर्राज तिवारी ने बताया कि धार्मिक कार्यक्रमों के दौरान गुमानो माता की फूल-मंगला के साथ छप्पनभोग की झांकी सजाई गई। वहीं रात्रि को जागरण का आयोजन किया गया। इसके अगले दिन सोमवार को मंदिर परिसर में डांडिया महोत्सव का शुभारंभ गुमानो माता की पूजा-अर्चना करने के साथ किया गया। जिसमें सैकडों बच्चियों - महिलाओं ने धार्मिक गीतों पर जमकर डांडिया और गरबा नृत्य किए।

पश्चिम मध्य रेल
सिगनल एवं दूरसंचार विभाग
निविदा सूचना

भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से **वरि.मं.सं. एवं दू.सं.इंजी. (सिगनल एवं दूरसंचार), पश्चिम मध्य रेल, कोटा मंडल**, निम्नलिखित कार्यों Tender No. KOTA/SNT/SIG/2025/22 के लिए निर्धारित ई-निविदाएं आमंत्रित करते है। टेण्डर खुलने की तारीख एवं समय नीचे दर्शाया गया है। इस निविदा के लिये किसी भी तरह के मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और किसी भी तरह के प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जायेगा। **टेन्डर सं.:** कोटा/एसएण्डटी/सिग./2025/22. **कार्य का नामः कोटा मंडल के अंतर्गत स्थित 14 समपार फाटकों (LC Gates) पर संकेत व्यवस्था की सुरक्षा में सुधार हेतु कोडल लाइफ के आधार पर पुराने एवं आयु-समाप्त इंटीग्रेटेड पावर सप्लाई सिस्टम (Integrated Power Supply System) के प्रतिस्थापन का कार्य। कार्य की अनुमानित लागतः** ₹ 1,37,05,651.18. **बयाना राशिः** ₹ 2,18,500/-. **तारीख एवं समयः** दिनांक 27.10.2025 को 15.00 बजे तक। पूर्ण विवरण वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर अपलोड की गई है। निविदा/बोलीदाताओं के पास कक्षा III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना आवश्यक है और आई.आर.ई.पी.एस. पोर्टल पर रजिस्टर होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदा/बोलीदाताओं ई-टेण्डरिंग पर भाग ले सकते हैं। सभी आवश्यक दस्तावेज ई-निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किया जाना चाहिए। पंजीकृत निविदा एण्ड **GSTIN** रजिस्टर होना चाहिये।
दिनांकः 26.09.2025
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी समग्र शिक्षा रूपवास, भरतपुर (राज.)

क्रमांक-सीबीईओ/समग्र शिक्षा/रूपवास/निविदा/2025-26/258 दिनांक: 29.09.2025

निविदा सूचना- 03-05/2025-26

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद जयपुर के पत्र क्रमांक स.स्कू.शि.प./जय/प्रशिक्षण/04352/2025-26/17425827 दिनांक 27.08.2025 की अनुपालना में ब्लॉक स्तर पर शिक्षकों का तीन दिवसीय गैर आवासीय शिक्षक प्रशिक्षण आयोजित किये जाने हैं और स्थानीय कार्यालय मख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी समग्री शिक्षा रूपवास (भरतपुर) द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में ब्लॉक स्तर पर आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों के लिए टेन्ट, भोजन व्यवस्थ, स्टेशनरी के लिए प्रतिष्ठित फर्मों से निम्न विवरणों के अनुसार मोहर बन्द निविदाऐं निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है।

निविदि सूचना सं.	निविदा	अनुमानित लागत	निविदा प्रपत्र शुल्क	धरोहर राशि
03/2025-26	भोजन मय जलपान एवं कैटरिंग व्यवस्था	6 लाख	500 रू.	12000 रू.
04/2025-26	टेन्ट एवं बैठक व्यवस्था	3 लाख	200 रू.	600 रू.
05/2025-26	स्टेशनरी	2 लाख	200 रू.	4000 रू.

नोट- निविदा की शर्तें स्पेसीफिकेशन व अन्य सूचना कायालय समय में कार्यालय में व ऑनलाईन http://spp.rajasthan.gov.in) (स्टेट पब्लिक प्रक्योरमेन्ट पोर्टल) पर देखी जा सकती है। शेष शर्तें कार्यलय समय में आकर देख सकते हैं।

मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी
समग्री शिक्षा रूपबास (भरतपुर)

भरतपुर के मलाह गांव में कफ सीरप पीने से एक बच्चे की मौत, दो बच्चे बेहोश

एक सप्ताह पहले की घटना, परिजनों ने नहीं की शिकायत, लेकिन मीडिया पर बयाना और सीकर की खबर देखने का बाद चला पता कि कफ सीरप ने बच्चे की जान ली है

भरतपुर, (निसं)। एक सप्ताह पहले जिले के मलाह गांव में कफ सीरप पीने से एक बच्चे की मौत और दो बच्चों के बेहोश होने का मामला सामने आया है। मृतक के परिजनों का आरोप है कि उनके बच्चे को जुखाम-खांसी की शिकायत थी और उसे इलाज के लिए गांव के उप स्वास्थ्य केंद्र पर लेकर के गए, जहां एक एएनएम के द्वारा उसे खांसी की सिरप दी गई। दो बच्चों को मौके पर पिलाई तो उन्होंने थोड़ी देर बाद उल्टी कर दी। उसके बाद एक बच्चे ने सिरप को घर आकर के पिया तो तीनों बच्चों बेहोश हो गए। दो बच्चे तो होश में आ गए, जबकि एक बच्चा होश में नहीं आने पर उसे जनाना अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से उसे जयपुर रेफर कर दिया गया, जहां बच्चे ने पांच दिन बाद दम तोड़ दिया।

परिजनों का कहना है कि जब सोशल मीडिया पर उन्होंने इस सिरप को देखा तो पता चला कि उनके बच्चे की भी मौत इसी से हुई है। हालांकि उन्होंने किसी से शिकायत नहीं की है। परिजनों का रो-रोकर के बुरा हाल है और परिजन यही कह रहे हैं गरीब आदमी हैं अगर हम किसी से शिकायत करते तो हमारी कौन सुनता।

मृतक सम्राट की मां ज्योति ने बताया कि उनके दो वर्षीय सम्राट, चार वर्षीय साक्षी और बड़ी बहन के बेटे चार वर्षीय विराट को खांसी-जुकाम की शिकायत थी। 18 सितंबर को तीनों को लेकर के गांव के ही उप स्वास्थ्य केंद्र पर लेकर पहुंची, जहां एएनएम के द्वारा उन्हें दवाई और खांसी की सिरप दी गई। उसके बाद साक्षी और विराट को वही सिरप पिलाई गई, जबकि सम्राट ने खांसी की सिरप को घर आकर पिया। तीनों बच्चे सो गए। हमें लगा कि सो रहे हैं। चार-पांच घंटे के बाद जब होश नहीं आया तो पता चला कि तीनों बेहोश है। दो बच्चों को होश आया तो उन्होंने उल्टी कर दी। जबकि सम्राट को होश नहीं आने पर भरतपुर के जनाना में शाम 6.15 मिनट को भर्ती कराया, जहां भी होश नहीं आने पर चिकित्सकों ने जयपुर जेके लोन अस्पताल के लिए रेफर किया, जहां पांच दिन भर्ती रहने के बाद 22 सितंबर सुबह साढ़े आठ बजे मौत हो गई, लेकिन उन्होंने इसकी शिकायत किसी से नहीं की, लेकिन जब मीडिया में बयाना और सीकर की खबर चली तो पता चला हमारे बेटे राजस्थान में सबसे पहले इसके शिकार हुए हैं, एक बेटे को तो जान से हाथ धोना पड़ा।

बच्चे की मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

- मृतक के परिजनों का आरोप है कि बच्चे को जुखाम-खांसी होने पर गांव के उप स्वास्थ्य केंद्र पर लेकर गए, जहां एएनएम ने खांसी की सिरप दी थी
- दो बच्चों को मौके पर पिलाई तो उन्होंने थोड़ी देर बाद उल्टी कर दी, उसके बाद एक बच्चे ने सिरप को घर आकर के पिया तो तीनों बच्चे बेहोश हो गए
- दो बच्चे तो होश में आ गए, जबकि एक बच्चा होश में नहीं आने पर उसे जयपुर रेफर कर दिया, जहां बच्चे ने पांच दिन बाद दम तोड़ दिया था

बच्चे की दादी ने बताया कि उनके दो बेटे हैं जो मजदूरी कर जीवन-यापन कर रहे हैं। छोटे बेटे की पत्नी ज्योति अपने दोनों बच्चे और अपनी बड़ी बहन यानी बड़ी बहू के बेटे को साथ लेकर उप स्वास्थ्य केंद्र पर लेकर गईं थी। वहां से जो कफ सिरप दी गई, उसी के चलते बच्चों की तबियत खराब हुई। मैं अपने नातियों को बकरी चराकर पाल रही थी लेकिन उसकी मौत के बाद सब कुछ उछड़ गया। हम लोग ज्यादा पढ़े-लिखे नहीं हैं और इसी के चलते किसी से शिकायत नहीं की।

मृतक सम्राट के पिता प्रकाश ने बताया कि मेरी पत्नी जो गांव के अस्पताल से कफ सीरप लेकर आई थी उसी के चलते बेटे की तबियत खराब हुई। जब उसे जनाना अस्पताल लेकर गए तो वहां चिकित्सकों ने कफ सीरप का फोटो मोबाइल पर मंगाया था। उसके बाद प्राथमिक उपचार के बाद भी उसे होश नहीं आया। उन्होंने जयपुर के लिए रैफर किया और उसकी इलाज के दौरान जयपुर में मौत हो गई। उन्होंने कहा कि हम लोगों ने किसी से शिकायत नहीं की, लेकिन मीडिया पर हम लोगों ने जब वह कफ सीरप देखी तो हमें पता लगा कि हमारे बेटे की मौत इसी कफ सीरप से हुई है।

सीएमएचओ डॉ. गौरव कपूर से फोन पर बात हुई तो उन्होंने बताया मामला हमारे संज्ञान में नहीं है, अगर ऐसा है तो जांच कराई जाएगी।

हादसे के बाद दो ट्रकों में आग लगी, खलासी जिंदा जला

दूदू, (निसं)। जयपुर-अजमेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर दूदू से दो किलोमीटर दूर जयपुर की ओर दो ट्रकों में टक्कर के बाद लगी आग में खलासी की जलने से मौत हो गई। वहीं दोनों ट्रक जलकर राख हो गए।

थाना निरीक्षक मुकेश कुमार खराड़िया ने बताया कि पुलिस थाने में सूचना मिली राष्ट्रीय राजमार्ग पर ट्रकों में आग लग रही है। पुलिस ने बगरू, किशनगढ़ से दमकल बुलाई और आग पर काबू पाया। वाहन में मिले कागजातों के आधार पर मृतक की पहचान उमेश सैनी निवासी उत्तर प्रदेश के रूप में की गई। चालक जितेंद्र सिंह चौधरी को घायल अवस्था में एसएमएस में भर्ती कराया। पुलिस के अनुसार मार्बल से भरा ट्रक किशनगढ़ से दिल्ली की ओर जा रहा था। दूसरा ट्रक जयपुर से अजमेर की ओर बिस्कुट पैकेट ले जा रहा था। किशनगढ़ से दिल्ली जा रहे ट्रक से टक्कर हो गई। मौके पर उपखंड अधिकारी रमेश कुमार ने पहुंचकर घटना की जानकारी ली। शव को दूदू मुर्दाघर में रखवा कर परिजनों को सूचित कर दिया गया है।

- मृतक की पहचान उमेश सैनी निवासी उत्तर प्रदेश के रूप में हुई

रोडवेज बस डिपो परिसर में युवक का शव मिला

सीकर, (निसं)। सीकर के उद्योग नगर इलाके में रोडवेज बस डिपो परिसर में युवक का शव मिला। सूचना पर बस डिपो चौकी पुलिस मौके पर पहुंची, जहां से शव को सीकर के एसके हॉस्पिटल की मोर्चरी में शिफ्ट करवाया गया है। उद्योग नगर थाना पुलिस मृतक की पहचान करने में जुटी है।

बस डिपो चौकी के इंचार्ज सुखदेव सिंह ने बताया कि सूचना मिली कि बस डिपो परिसर में पानी की टंकियों के पास चबूतरे पर एक युवक का शव पड़ा है। जब शव की तलाशी ली गई तो उसके पास से कोई भी डॉक्यूमेंट और मोबाइल नहीं मिला। ऐसे में मृतक की पहचान नहीं हो सकी।

मृतक की उम्र करीब 35 से 40 साल के बीच लग रही है। जब आसपास के दुकानदारों से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि युवक पिछले 2 दिनों से बस डिपो परिसर के पास ही घूम रहा था, जो शराब का सेवन करता था। ऐसे में पुलिस को अंदेशा है कि अत्यधिक शराब के सेवन से युवक की मौत हुई हो।

चाचौड़ा क्षेत्र से 310 टन बजरी जब्त

छबड़ा के चाचौड़ा क्षेत्र में कार्रवाई कर बजरी जब्त की।

छबड़ा, (निसं)। छबड़ा क्षेत्र में अवैध खनन जारी है। खनन विभाग व पुलिस संयुक्त रुप से मंगलवार को चाचौड़ा क्षेत्र में कार्रवाई कर 310 टन बजरी जब्त की।

खनि कार्यदेशक अंशुमान मीणा ने बताया कि देहरी चाचौड़ा क्षेत्र में छबड़ा निवासी मुजाहिद पुत्र मोहम्मद आबिद, राकेश पुत्र दुर्गालाल, हाकिम व हेमराज द्वारा अवैध बजरी का स्टॉक कर रखा था। खनन विभाग व पुलिस ने संयुक्त रुप से कार्रवाई कर 310 टन बजरी जब्त की। खनन विभाग ने बजरी को पुलिस की निगरानी में सौंप दिया है। इस अवसर पर खनि कार्यदेशक किशनसिंह भी साथ थे। इस कार्रवाई में सीआई राजेश खटाना, एएसआई सम्पतराज, कॉन्स्टेबल हीरसिंह, रामनिवास व सुनील की अहम भूमिका रही।

22 दिन बाद सीकर में भारी बारिश, सड़कों पर दो फीट तक पानी भरा

सीकर, (निसं)। 22 दिनों के इंतजार के बाद सीकर में आखिरकार भारी बारिश हुई, जिससे सड़कों पर 2 फीट तक पानी भर गया। नवलगढ़ रोड और लोहारू बस स्टैंड दोनों ही लबालब हो गए, जिससे यात्रियों और यातायात दोनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

जानकारी के अनुसार मंगलवार की सुबह 5:30 बजे बिजली की तेज गर्जना के साथ बूंदाबांदी शुरू हुई, जिसके बाद कभी हल्की तो कभी भारी बारिश का सिलसिला जारी रहा। सुबह की बूंदाबांदी से मौसम में ठंडक आ गई, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली।

- नवलगढ़ रोड और लोहारू बस स्टैंड दोनों ही लबालब हो गए, यात्री और वाहन चालक परेशान हुये
- बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम के बाद अरब सागर में भी एक लो प्रेशर सिस्टम बनने से मौसम बदला

आसमान में बादल छाए, अगले 2 दिन तक बारिश की संभावना :- सीकर में ऐसा ही मौसम रह सकता है। इससे पहले सीकर में 8 सितंबर को फतेहपुर में मात्र 2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई थी। इसके बाद जिले में कहीं बारिश की एक बूंद भी नहीं बरसी। हालांकि कई बार आसमान में बादल तो छाए रहे।

इधर, मौसम केंद्र जयपुर के द्वारा सीकर में मंगलवार को बारिश को लेकर तो कोई भी अलर्ट जारी नहीं किया गया था, लेकिन बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम के बाद अरब सागर में भी एक लो प्रेशर सिस्टम बन गया। इस सिस्टम के प्रभाव से ही सीकर सहित कई इलाकों में बारिश हुई है। इसके अलावा हरियाणा और उसके आसपास एक ऊपरी हवा का साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है। इसके प्रभाव से भी प्रदेश में दो से तीन दिन बिजली कड़कने के साथ बारिश होने की संभावना है। प्रदेश में अभी बारिश का दौर 3 अक्टूबर तक जारी रह सकता है।

डॉ. सतीश पूनियां ने भरतपुर में प्रो कबड्डी टूर्नामेंट-2025 का शुभारंभ किया

भरतपुर/जयपुर। भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं राजस्थान के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने मंगलवार को ब्रजभूमि भरतपुर में अनेक कार्यक्रमों में भाग लेकर राजनीतिक और सामाजिक संदेश दिया। उन्होंने लुधावई (भरतपुर) में आयोजित प्रो कबड्डी टूर्नामेंट-2025 का उद्घाटन करते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री स्व. डॉ. दिगम्बर सिंह को याद किया और उनके योगदान को प्रदेश के विकास में "अमूल्य" बताया। डॉ. पूनियां ने कहा कि डॉ. दिगम्बर सिंह ने न केवल भरतपुर बल्कि पूरे पूर्वी राजस्थान के विकास व भाजपा की मजबूती में एक मजबूत नींव रखी। आज उनके सुपुत्र डॉ. शैलेष सिंह खेलों के माध्यम से उनके विचारों और कार्यों को आगे बढ़ा रहे हैं। प्रो कबड्डी टूर्नामेंट का आयोजन इसी दिशा में एक प्रेरणादायक पहल है।

- डॉ. सतीश पूनियां ने डॉ. दिगम्बर सिंह के योगदान को नमन किया
- भाजपा नेता डॉ. सतीश पूनियां ने पौधारोपण किया और मंदिरों में पूजा-अर्चना की

भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने खिलाड़ियों की हौसला अफजाई की।

इस अवसर पर डॉ. पूनियां ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत बांके बिहारीजी मंदिर प्रांगण में पौधारोपण भी किया। उन्होंने मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश और देशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। भरतपुर प्रवास के दौरान डॉ. पूनियां ने लोहागढ़ रियासत के महाराजा एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री विश्वेन्द्र सिंह से उनके निवास पर मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने भगवान गिरिराजजी से विश्वेन्द्र सिंह के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की प्रार्थना की।

हरियाणा से भरतपुर पहुंचते समय डॉ. पूनियां ने ब्रजभूमि को नमन किया और गोवर्धन महाराज एवं पूंछरी का लौठा (मधुमंगल जी) के दर्शन कर देशवासियों की मंगलकामना की। पूरे कार्यक्रम में गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम, विधायक डॉ. शैलेष सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष शिवानी दायमा, पूर्व जिलाध्यक्ष गिरधारी तिवाड़ी, महेंद्र जाटव, मनोज भारद्वाज, सतेंद्र गोयल, गिरधारी गुप्ता, अरविंदपाल और अनुपम सिनसिनवार सहित अनेक पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता, खिलाड़ी और क्षेत्रीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अलवर में तेज हवा के साथ बारिश हुई

अलवर, (निसं)। सितंबर के अंतिम दिन अलवर शहर में तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश हुई। दोपहर सवा दो बजे लगभग 20 मिनट तक हुई। बारिश से शहर की सड़कों पर पानी भर गया। मानसून का मौसम समाप्त होने के बावजूद, अलवर शहर और आसपास के क्षेत्रों में कहीं हल्की तो कहीं भारी वर्षा हुई।

इस बारिश से किसानों को काफी फायदा होगा, जिससे रबी की फसल की बुवाई जल्दी शुरू हो सकेगी। जिन क्षेत्रों में अच्छी बारिश हुई है, वहां खेतों में सिंचाई की भी आवश्यकता नहीं होगी। जानकारी के अनुसार कुछ ही मिनटों की बारिश के बाद अलवर शहर की सड़कें पानी से भर गई। पहाड़ों के आसपास का पानी जैसे ही शहर में पहुंचा, सड़कें लबालब हो गईं। वहीं हर बार, थोड़ी सी बारिश के बाद भी शहर में जलभराव हो जाता है। नाली से पानी की निकासी पूरी तरह से नहीं हो पाती है। ड्रेनेज सिस्टम सालों से खराब है, जिसे ठीक नहीं किया जा सका है। हालांकि, बारिश के कारण लोगों को गर्मी से राहत मिली है।

अलवर में सिलीसेढ़ बांध की उपरा पिछले एक महीने से चल रही है। हालांकि अब ऊपरा का पानी बहुत कम हो गया है। सिलीसेढ़ के आसपास के जंगलों में अच्छी बारिश होने पर ही ऊपर की बढ़ने की संभावना है। वैसे जयसमंद बांध में पानी काफी कम हो चुका है।

अधिशासी अभियंता एपीओ

छबड़ा, (निसं)। सरकार द्वारा आमजन के प्रति अव्यवहारिक बर्ताव के संबंध में प्राप्त शिकायतों के मध्यनजर तत्काल प्रभाव से जलदाय विभाग के अधिशासी अभियंता जगमोहन मीणा को एपीओ किया है। सं. शासन सचिव प्रथम प्रवीण लेखरा ने बताया कि मीणा पदस्थापन आदेशों की प्रतीक्षा में उपस्थिति मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त सचिव, जन स्वा. अभि, विभाग जयपुर कार्यालय में देंगे।

हनीट्रैप में फंसाने वाली एक युवती गिरफ्तार

युवती ने लेनदेन के विवाद के चलते युवक को फंसाया था

ा (निसं)। सीकर मे अश्लील वीडियो रिकॉर्ड कर हनीट्रैप में फंसाने वाली एक युवती को गिरफ्तार किया गया है। युवती ने लेनदेन के विवाद के चलते युवक को फंसाया था। युवती पर सीकर पुलिस ने 1 हजार रुपए का इनाम भी घोषित कर रखा था।

उद्योग नगर थाने के मनोज कुमार भाटीवाड़ ने बताया कि 27 फरवरी को फोगाराम ने थाने पर मुकदमा दर्ज करवाया था। रिपोर्ट में बताया कि 23 फरवरी की दोपहर करीब 1:30 बजे वह सीकर रोड स्थित अपनी बिल्डिंग जानकी टॉवर पर था। तभी उसके पास प्रमोद गुर्जर उर्फ नेपाल गुर्जर का कॉल आया। उसने कहा कि आपके प्लॉट का जो बकाया पेमेंट है। उसे आज दिलवा दूंगा। आप बिल्डिंग से नीचे आ जाओ। फोगाराम ने प्रमोद को कहा कि यदि तुम पेमेंट लेकर आए हो तो ऊपर आ जाओ। तब प्रमोद ने कहा कि पेमेंट भेरुजी स्टैंड पिपराली पर शिवरतन बैठा है, वह देगा। फोगाराम बिल्डिंग से नीचे आया तो प्रमोद गुर्जर अपने एक साथी के साथ गाड़ी में बैठाकर फोगाराम को ले गए।

जब भेरुजी स्टैंड से आगे ले जाने लगे तो फोगाराम ने विरोध किया। फिर प्रमोद और उसके साथी ने फोगाराम की कनपटी पर पिस्टल लगा दी, कहा कि चुपचाप बैठ जा वरना सारी गोलियां उतार दूंगा। होशियार मत बन।

- पुलिस ने मामले में आरोपी नेपाल सिंह और विकास गुर्जर को गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन घटना में शामिल युवती फरार थी।

इसके बाद प्रमोद और उसके साथी ने फोगाराम के साथ मारपीट की। कुछ दूर चलने पर दो बाइक पर अन्य लोग भी आए। उन्होंने भी मारपीट की। इसके बाद सभी फोगाराम को अपने साथ उदयपुरवाटी घाट के आगे खंडेला रोड पर एक कॉलोनी में बने मकान पर ले गए। यहां पर जबरदस्ती उसके साथ मारपीट की और बीयर पिलाकर एक लड़की के पास बैठाकर फोगाराम के कपड़े उतरवा दिए। फिर पिस्टल की नोक पर अश्लील फोटो और वीडियो रिकॉर्ड कर लिए। प्रमोद और उसके साथियों ने धमकी दी कि तुम्हारे और शिवरतन के बीच जो 3 करोड़ की लिखा-पढ़ी है, वह हमें दे दो। गांव में जो प्लॉट है, उसकी रजिस्ट्री हमारे नाम करवा दो। वरना यह वीडियो सार्वजनिक कर देंगे। फोगाराम को कहा कि वीडियो वायरल होने के बाद तू कहीं का नहीं रहेगा। तुझे झूठे मुकदमे में फंसा देंगे। इसके बाद प्रमोद और उसके साथियों ने फोगाराम से हजारों रुपए, एटीएम कार्ड और अन्य डॉक्यूमेंट छीन लिए। फिर मारपीट करके रात 9 बजे गणेश मोड़ के पास छोड़कर चले गए। पुलिस में मुकदमा दर्ज करवाने पर जान से मारने की धमकी दी।

पुलिस ने मामले में आरोपी नेपाल सिंह और विकास गुर्जर को गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन घटना में शामिल युवती फरार थी। इसके बारे में पुलिस थाने के कॉन्स्टेबल देवीलाल और महावीर ने जानकारी कलेक्ट करना शुरू किया। इसके बाद आज मामले में महिला आरोपी मुस्कान को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार मुस्कान का खुद के घरवालों से पिछले करीब एक साल से कांटेक्ट नहीं था। वह वर्तमान में किसी लड़के के साथ रह रही थी। फिलहाल अब पुलिस पूछताछ कर रही है।

दिनदहाड़े तीन गांवों में लाखों के जेवर व नकदी चोरी

रूपपुरा, तहनाल और खामोर गांव में एक घंटे में पांच बड़ी चोरियों की वारदात हुई

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के शाहपुरा थाना क्षेत्र में अपराधियों का खौफ और पुलिस की नाकामी सोमवार को दिनदहाड़े फिर सामने आई। रूपपुरा, तहनाल और खामोर गांव में मात्र एक घंटे के भीतर पांच बड़ी चोरियों को अंजाम देकर नकाबपोश बाइक सवार बदमाश लाखों के सोने-चांदी के गहने और नकदी लेकर फरार हो गए। घटनाओं ने गांवों में दहशत फैला दी है, वहीं पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पहली चोरी :- तहनाल निवासी गोविंद सोनी के घर बेटी के शादी के लिए जमा कर रखे गहने दिनदहाड़े मेन गेट, अलमारी और तिजोरी तक तोड़कर 3.34 तोला सोना, 20 चांदी के सिक्के, पाइजेप और 70 हजार नकद ले उड़े।

दूसरी चोरी :-खामोर तेजाजी चौक में रहने वाले कालू गुर्जर के मकानों में बेटी के मायरे के लिए रखे 2 तोले का रामनामी सेट, 500 ग्राम चांदी और 1 लाख नकद चोरी हो गई।

तीसरी चोरी :-खामोर डाबला रोड तेजाजी चौक में रायमल गुर्जर के घर के ताले तोड़े। सामान अस्त व्यस्त किया और कुछ नहीं मिलने पर बदमाशबक्से में पड़े 8 हजार नकद ले गए।

चौथी चोरी :-रूपपुरा में कैलाश पुत्र सोहन भील के घर के ताले तोड़े कमरे में पड़े बक्से के ताले तोड़कर बच्ची के चांदी के पाइजेप और 800 रुपए चोरी कर ले गये

- पूर्व में हुई लाखों की चोरियों का अभी तक पुलिस ने खुलासा नहीं किया, लोगों में आक्रोश

पांचवीं चोरी :-रूपपुरा में रामकिशन पुत्र गोपाल भील के घर से 900 रुपए नकद उड़ा ले गए। तहनाल में लगे कैमरों में तीन संदिग्ध बाइक सवार नकाबपोश युवक वारदात के बाद भागते हुए कैद हुए। यही युवक खामोर से डाबला रोड की ओर जाते हुए अन्य कैमरों में भी दिखाई दिए। बावजूद इसके पुलिस अभी तक संदिग्धों की पहचान तक नहीं कर पाई है। क्षेत्र में लगातार चोरियों से परेशान ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस को पूर्व में हुई सभी वारदातों की रिपोर्ट दी, मौका मुआयना भी किया पर हकीकत में न तो कोई कार्रवाई हुई और ना ही मामले का खुलासा हुआ। पुलिस की कमजोर कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि असलियत में बदमाश बेखौफ होकर दिनदहाड़े वारदातें कर रहे हैं।

गौरतलब है कि इससे पहले भी खामोर के चोपड़ा खेड़ा, भीलों का खेड़ा और तेजाजी चौक में आधा दर्जन से ज्यादा बड़ी चोरियां हुई थी, जिनमें करीब 7-8 लाख के जेवरात और नकदी चोरी हुई। लेकिन आज तक पुलिस उन मामलों का खुलासा नहीं कर पाई, इससे आमजन का पुलिस पर से भरोसा उठने लगा है। ग्राम वासियों ने मांग की है कि तुरंत सीसीटीवी फुटेज में दिख रहे संदिग्ध युवकों की पहचान कर वास्तविक चोरों की धड़पकड़ कर गिरफ्तारी की जाए।

पांच फीट के कोबरा का रेस्क्यू

छबड़ा, (निसं)। कस्बे में बीती रात उस समय हड़कंप मच गया, जब चांचौड़ी दरवाज़ा क्षेत्र में मकान के बाहर अचानक पांच फीट लंबा कोबरा दिखाई दिया। घर के बाहर झाड़ी पर कोबरा बैठे होने से परिवार के होश उड़ गए। सूचना मिलते ही रात को रेंजर भारत राठौर के नेतृत्व में वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने सतर्कता से कार्रवाई करते हुए कोबरा का सफल रेस्क्यू किया और बाद में उसे जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया।

सर्राफा कारोबारी से दो लाख की नगदी और सोना लूटा

कारोबारी के घर के गेट के पास ही बदमाशों ने लूट की

सीकर, (निसं)। सीकर जिले के लोसल कस्बे में बीती रात नकाबपोश बदमाशों ने सर्राफा कारोबारी पर हमला किया। बदमाशों ने कारोबारी से 2 लाख रुपए नगद और 45 ग्राम सोना लूटकर चले गए। कारोबारी के घर के गेट के पास ही उनके साथ यह वारदात हुई। बदमाशों ने कारोबारी का बैग छीनने का भी प्रयास किया लेकिन सफल नहीं हो सके।

जानकारी के मुताबिक लोसल कस्बे में सर्राफा कारोबारी धर्मेंद्र सोनी बीती रात करीब 8 बजे बाद अपनी दुकान बंद करके घर लौट रहे थे। जैसे ही घर के पास पहुंचे तो इसी दौरान दो बाइक पर पांच नकाबपोश बदमाश आए। इन्होंने कारोबारी पर सरिए और लाठी से हमला कर दिया। बदमाशों ने कारोबारी से दो लाख नगद और 45 ग्राम सोना लूट लिया।

सर्राफा कारोबारी धर्मेंद्र सोनी की भतीजी मोनू जोशी ने बताया कि चाचा के चिल्लाने की आवाज सुनकर हम लोग बाहर पहुंचे। तब बदमाश वहां से फरार हो गए। बदमाशों के द्वारा की गई मारपीट में घायल धर्मेंद्र सोनी को इलाज के लिए लोसल के उप जिला अस्पताल ले जाया गया। यहां उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद सीकर रेफर कर दिया गया।

धर्मेंद्र सोनी ने बताया कि बदमाश अपने हाथों में सरिए और लाठी लेकर आए थे। धर्मेंद्र के सिर में चोट आई है। घटना के बाद लोसल पुलिस भी मौके पर पहुंची, जो अब बदमाशों की तलाश कर रही है।

राजस्थान राज्य वन विकास निगम लिमिटेड
कार्यालय महाप्रबंधक, क्षेत्रीय कार्यालय, बीकानेर

क्रमांक :- 1140 दिनांक :- 29/09/2025

ई- बोली आमंत्रण सूचना (E-NIB) संख्या 01/2025-26

लकडी (इमारती व जलाऊ) पातन चट्टा लगाई तथा निर्धारित विभागीय विक्रय केन्द्रों तक परिवहन (मय भराई, कॉटा तुलाई व खाली कराई) कार्य हेतु इच्छुक बोलीदाता से दिनांक 24.10.2025 को सांय 5.00 बजे तक ई- बोली आमंत्रित की जाती है। निर्धारित समय तक प्राप्त बोलियों की तकनिकी ई-बोलियों को दिनांक 27.10.2025 को 2:30 PM बजे सक्षम उपापन समिति द्वारा प्रबंध निदेशक, राजस्थान राज्य वन विकास निगम लिमिटेड अरण्य भवन जयपुर के कार्यालय के कमरा नं. बी-116 में खोली जावेगी। निविदा की अनुमानित लागत 1527.86 लाख है। बोली से संबंधित अन्य विस्तृत दस्तावेज एवं शर्ते राज्य लोक उपापन पोर्टल की बेवसाईट sppp.raj.nic.in अथवा ई-प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in से देखे जा सकते है। UBN : FOR2526A1756

महाप्रबन्धक
राज.संवाद/सी/25/11104 रा.रा.व.वि.नि.लि., क्षेत्रीय कार्यालय, बीकानेर

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया

सरकार बच्चों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध : दिया कुमारी

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने नन्हे-मुन्ने बच्चों से आत्मीय संवाद कर टॉफियां वितरित की।

जयपुर/जोधपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अपने जोधपुर दौरे के दौरान पालुखुर्द ग्राम स्थित आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने नन्हे-मुन्ने बच्चों से आत्मीय संवाद किया और उनकी गतिविधियों में गहरी रुचि दिखाई। जब बच्चों ने उन्हें कविता

- **दिया कुमारी ने कार्यकर्ताओं से बातचीत कर बच्चों को मिल रही सुविधाओं, के बारे में विस्तार से जानकारी ली**

सुनाई तो उपमुख्यमंत्री प्रसन्नता से मुस्कुराईं और बच्चों की मासूमियत एवं प्रतिभा की सराहना की। निरीक्षण के दौरान दिया कुमारी ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से बातचीत कर बच्चों को मिल रही सुविधाओं, पोषणयुक्त भोजन, स्वच्छता और शैक्षिणक गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने भोजन की गुणवत्ता और बच्चों के स्वास्थ्य मानकों की जांच को लेकर भी निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि, "राज्य सरकार बच्चों के समग्र विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। आंगनबाड़ी केंद्रों को और अधिक सशक्त बनाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।" उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आंगनबाड़ी केंद्रों की व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की कमी न रहे, इसके लिए नियमित निरीक्षण और मूल्यांकन किया जाए। इस दौरे के दौरान स्थानीय लोगों ने भी उपमुख्यमंत्री से संवाद किया और आंगनबाड़ी केन्द्रों की जरूरतों व जमीनी हालात से अवगत कराया। उपमुख्यमंत्री ने उनकी बातों को गंभीरता से सुना और हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। यह दौरा बच्चों की शिक्षा, पोषण और देखभाल को लेकर सरकार की गंभीरता को दर्शाता है। दिया कुमारी की यह पहल न केवल एक प्रशासनिक निरीक्षण थी, बल्कि संवेदनशीलता और जुड़ाव का भी उदाहरण बनी।

दिव्यांग की बर्खास्तगी आदेश को हाईकोर्ट ने निरस्त किया

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने दिव्यांग कोटे में चयनित होकर शिक्षक बने अभ्यर्थी की नियुक्ति को रद्द करने वाले विभाग के आदेश को रद्द कर दिया है। जस्टिस महेन्द्र कुमार गोयल की एकलपीठ ने यह आदेश लोकेश राठौड की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

- **हाईकोर्ट ने दिव्यांग कोटे में चयनित होकर शिक्षक बने अभ्यर्थी की नियुक्ति को रद्द करने वाले विभाग के आदेश को रद्द किया**

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता 45 फीसदी दिव्यांग है और उसके पास इसका प्रमाण पत्र भी है। इसी के चलते उसका दिसंबर, 2024 में संस्कृत शिक्षा विभाग में चयन हुआ था। वहीं उसने अलवर के राजगढ़ में द्वितीय श्रेणी शिक्षक का कार्य ग्रहण भी कर लिया।

अब विभाग ने नियुक्ति के बाद एसएमएस अस्पताल में उसकी वापस दिव्यांगता की जांच की। जिसमें उसकी दिव्यांगता चालीस फीसदी से कम आई। इसके चलते विभाग ने गत अगस्त माह में आदेश जारी कर उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया। विभाग की इस कार्रवाई को चुनौती देते हुए कहा गया कि राजस्थान सिविल सेवा नियमों के तहत याचिकाकर्ता को बर्खास्त करने से पूर्व नोटिस देकर पक्ष रखने का मौका दिया जाना चाहिए था। वहीं विभाग को उसके खिलाफ कार्रवाई से पूर्व जांच भी करनी थी, लेकिन विभाग ने नियमों की पालना किए बिना ही उसकी सेवा समाप्त कर दी। वहीं इससे पहले उसे न तो नोटिस दिया गया और ना ही उसे सुनवाई का मौका दिया गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जैतारण में भगवान श्रीराम की प्रतिमा के किए दर्शन।

देवी मंदिरों में मनाई अष्टमी

जयपुर। शारदीय नवरात्र की अष्टमी तिथि मंगलवार को छोटीकाशी जयपुर सहित प्रदेशभर के देवी मंदिरों में भक्ति और श्रद्धा का समागम देखने को मिला। नवरात्र पूजन कर रहे श्रद्धालुओं ने मातारानी के समक्ष ज्योति प्रज्वलित कर हलवे का भोग लगाया। देवी मंदिरों में दिनभर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। कई घरों में परंपरागत रूप से कन्याओं और बटुकों का पूजन कर उन्हें भोजन कराया गया। सुबह कन्याओं को लाने ले जाने का सिलसिला चलता रहा।

जेकेके में दशहरा नाट्य उत्सव बुधवार से

जयपुर। जवाहर कला केन्द्र, जयपुर की ओर से आयोजित दशहरा नाट्यय उत्सव की बुधवार से शुरुआत होने जा रही है। उत्सव के अंतर्गत 1 और 2 अक्टूबर को केन्द्र के मध्यवर्ती में शाम 7 बजे से मानस रामलीला का मंचन किया जाएगा।

वरिष्ठ रंगकर्मी और उपन्यासकार अयोध्या प्रसाद गौड़ द्वारा लिखित और अरु स्वाति व्यास (एनएसडी) के निर्देशन में होने वाले शो में अभिनय, विजुअल एवं साउंड इफेक्ट्स का समागम देखने को मिलेगा। खास बात यह है कि एक शो में ही श्रीराम के जन्म से लेकर राज्याभिषेक तक के प्रसंग मंच पर साकर होंगे, दोनों दिन एक एक शो का मंचन होगा।

कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए जवाहर कला केन्द्र के रिसेप्शन से टिकट प्राप्त किए जा सकते हैं। प्रस्तुति में 5 से 7 गीत, 30 चौपाइयां हैं जिनमें प्रसिद्ध गायक पद्मश्री सुरेश वाडकर और दिव्य कुमार ने अपनी आवाज दी है।

वाइस ओवर इस प्रस्तुति को खास बनाता है, रामानंद सागर निर्देशित रामायण में राम का किरदार निभाने वाले अभिनेता अरुण गोविल ने श्रीराम के संवादों को अपनी आवाज से जीवंत किया है। इस प्रस्तुति में अहमदाबाद, जयपुर, जोधपुर, पाली, जालौर समेत राजस्थान के अन्य जिलों के लगभग 80 कलाकार मुख्य रूप से भूमिका निभा रहे हैं।

'जब संस्कृत बाहर निकलती है तो हिंदी उसका सहज सहारा बनती है'

जयपुर। पत्र सूचना कार्यालय और केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा मंगलवार को केंद्रीय सदन में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के दर्शन विभागाध्यक्ष शास्त्री कोसलेंद्रदास ने कहा कि जब संस्कृत अपने शास्त्रीय स्वरूप से बाहर आती है तो हिंदी उसका सहज सहारा बनती है।

- **केंद्रीय सदन में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया**

सेवानिवृत्त अनुपमा चंद्रा को पौधा देकर सम्मानित किया।

उन्होंने कहा कि हिंदी का वर्चस्व पूरे विश्व में लगातार बढ़ रहा है और हिंदी की जड़ें संस्कृत में निहित हैं। संस्कृत ने जिस ज्ञान, दर्शन और साहित्यिक परंपरा को जन्म दिया, हिंदी ने उसे आगे बढ़ाकर लोकजीवन से जोड़ा। संस्कृत वेद, उपनिषद और महाकाव्यों की भाषा है, जबकि हिंदी लोकगीतों, कविताओं और कहानियों से जनमानस की भाषा बन गई। आज हिंदी साहित्य तक सीमित नहीं, बल्कि शिक्षा, मीडिया, प्रौद्योगिकी और प्रशासन के क्षेत्र में भी अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही है। हिंदी में समाज को जोड़ने, विचारों को दिशा देने और राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोने की अद्भुत शक्ति है।

विशिष्ट अतिथि भारतीय सूचना सेवा से सेवानिवृत्त अनुपमा चंद्रा ने कहा कि सभी को अपनी कार्यशैली में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करना चाहिए। कहानियां समाज का आईना होती हैं और जब वे हिंदी में कही जाती हैं तो उनमें मातृभूमि की मिट्टी की सुगंध, लोक जीवन की सरलता और जनमानस की भावनाएं जीवंत हो उठती हैं।

पत्र सूचना कार्यालय की अपर महानिदेशक ऋतु शुक्ला ने कहा कि हिंदी भारतीय संस्कृति, परंपरा और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। डिजिटल युग में सोशल मीडिया, फिल्म और पत्रकारिता के माध्यम से हिंदी का वैश्विक प्रभाव और सशक्त हुआ है। उन्होंने कहा कि हिंदी का प्रचार-प्रसार केवल सरकारी प्रयासों पर निर्भर नहीं रह सकता, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह हिंदी को गर्व और गौरव के साथ अपनाए। पत्र सूचना कार्यालय के निदेशक अनुभव बैरवा ने भी दैनिक जीवन में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने पर बल दिया।

रामलीला में रामेश्वर स्थापना का मंचन

जयपुर। श्री सनातन धर्म महोत्सव समिति की ओर से न्यू गेट स्थित रामलीला मैदान में मंगलवार रात्रि को रामायण के अत्यंत महत्वपूर्ण प्रसंगों रामेश्वर स्थापना, अंगद-रावण संवाद और विभीषण शरणागति सहित अन्य प्रसंगों का सजीव मंचन हुआ। समिति के संरक्षक अलबेली माधुरी शरण महाराज एवं मार्गदर्शक प्रवीण बड़े भैया के सान्निध्य में मथुरा के श्री सर्वेश्वर रामकृष्ण लीला मंडल के कलाकारों ने अपनी सजीव प्रस्तुति से दर्शकों को त्रेतायुग में पहुंचा दिया। निर्देशक सत्यदेव सर्वेश्वर चतुर्वेदी के नेतृत्व में सभी कलाकारों ने मंच पर अपने भाव, संवाद और अभिनय से ऐसा दृश्य प्रस्तुत किया कि पूरा रामलीला मैदान 'जय श्रीराम' और 'हर हर महादेव' के जयकारों से गूंज उठा। विनय न मानत जलधि जड़, गए तीनि दिन बीति। बोले राम सकोप तब, भय बिनु होइ न प्रीति चौपाइ ने दर्शकों में उत्साह भर दिया। रामेश्वर स्थापना प्रसंग में जब प्रभु श्रीराम ने लंका विजय के लिए समुद्र तट पर महादेव की पूजा कर शिवलिंग स्थापित किया। इसके मंचित अंगद-रावण संवाद ने पूरा वातावरण गहन और प्रभावशाली बना दिया।

दुपहिया वाहन सहित एक वाहन चोर गिरफ्तार

जयपुर। विद्याधर नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया हैं। जिसके पास से पुलिस ने चोरी के सात दुपहिया वाहन बरामद किये हैं।

आरोपित ने यह सभी चोरी की वारदात विद्याधर नगर,संजय सर्किल,शास्त्री नगर, मुरलीपुरा थाना इलाके में करना कबूल किया हैं। नशे के लिए आरोपित वाहन चोरी की वारदात करता था। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि विद्याधर नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक शातिर वाहन चोर मोहम्मद शाहिद कुरैशी उर्फ शानू निवासी शास्त्री नगर जयपुर को गिरफ्तार किया हैं। जिसके पास से चोरी के सात दुपहिया वाहन बरामद किये हैं। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

नशे के लिए वाहन चुराने वाला गिरफ्तार: वहीं कालवाड थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चुराने वाले शातिर वाहन सुरेश उर्फ गुल्ला बावरिया निवासी रेनवाल जयपुर ग्रामीण हाल कालवाड जयपुर को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से एक चोरी की बाइक भी बरामद की है।

खाद्य सुरक्षा टीम ने की बादाम प्रोसेसिंग फैक्ट्री सीज़

जयपुर । शुद्ध आहार - मिलावट पर वार अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा टीम ने मंगलवार को दौलतपुरा टोल प्लाज़ा के पास स्थित खंडेलवाल सेल्स, एक बादाम प्रोसेसिंग इकाई को सीज किया।

खाद्य सुरक्षा दल सीएमएचओ जयपुर प्रथम ने बताया कि इस फर्म का इससे पूर्व भी निरीक्षण किया गया था। उस समय भी सहयोग नहीं करने और चाबी उपलब्ध न कराने पर संदेह के आधार पर फैक्ट्री सीज की गई थी। इसके बाद में फर्म द्वारा सीज़र हटाने के लिए आवेदन प्रस्तुत करने पर निरीक्षण किया गया और बादाम का नमूना लिया गया, जो अमानक पाया गया था।

खाद्य सुरक्षा दल सीएमएचओ जयपुर प्रथम ने बताया कि पुनः इसी तरह की गतिविधि की सूचना मिलने पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी मौके पर पहुंचे। संस्थान का मुख्य गेट अंदर से बंद था। बाहर से झांकने पर परिसर के अंदर एक पिकअप गाड़ी और कुछ मजदूर कार्यरत दिखाई दिए। प्रतिनिधि टिंकू गुप्ता एवं शिवचरण गुप्ता से मोबाइल पर संपर्क किया गया। लेकिन उन्होंने तत्काल गेट खोलने से इनकार किया और देर से पहुंचने की बात कही।

- **खाद्य सुरक्षा टीम ने मंगलवार को दौलतपुरा टोल प्लाज़ा के पास स्थित खंडेलवाल सेल्स, एक बादाम प्रोसेसिंग इकाई को सीज किया**

बार-बार अनुरोध करने पर भी सहयोग न मिलने पर पुलिस कंट्रोल रूम से संपर्क कर थाना दौलतपुरा के थाना अधिकारी सुनील कुमार को सूचना दी गई। कुछ समय पश्चात थाना अधिकारी मय जाप्ता मौके पर पहुंचे। इसी बीच संस्थान के प्रतिनिधि शिवचरण गुप्ता भी पहुंचे। किंतु उन्होंने फैक्ट्री का शटर और बाहर खड़ी पिकअप गाड़ी का ताला खुलवाने से इंकार कर दिया।

जिस पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने संस्थान का शटर और ताला लगी पिकअप गाड़ी के पिछले हिस्से को नियमानुसार सीज़ किया। प्रतिनिधि शिवचरण गुप्ता को आदेश दिए गए कि अंतिम निर्णय तक शटर व वाहन की स्थिति यथावत रखी जाए। अधिकारियों ने बताया कि प्रतिनिधियों का यह रवैया अत्यंत संदेहास्पद एवं अशोभनीय है। जिससे यह आशंका होती है कि बादाम प्रोसेसिंग की गतिविधियां मानकों के अनुरूप नहीं हैं।

स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी

जयपुर। भांकरोटा थाना इलाके के मुकुंदपुरा रोड पर स्थित माय ऑन स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिलने से हड़कंप मच गया। धमकी मिलने के बाद स्कूल प्रबंधन ने तुरंत पुलिस को सूचित किया, जिसके बाद भांकरोटा थाना पुलिस, बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वायड, सिविल डिफेंस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं। धमकी के बाद स्कूल परिसर को तत्काल खाली कराया और फिर तलाशी अभियान शुरू किया गया।

हालांकि तीन दिन की छुट्टियों के कारण स्कूल बंद था और उस समय परिसर में कोई मौजूद नहीं था। प्रारंभिक जांच में अब तक कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। इसके बाद पुलिस टीम ने राहत की सांस ली।

थानाधिकारी श्रीनिवास जांगिड़ ने बताया कि धमकी वाला ई-मेल स्कूल प्रशासन को दोपहर में प्राप्त हुआ। जिसमें स्कूल परिसर में बम होने की बात कही गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस जाप्ता मौके पर पहुंचा। इसके अलावा बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वायड ने स्कूल के हर कोने की बारीकी से जांच की। लेकिन कुछ नहीं मिला। पुलिस की टीम अब धमकी भेजने वाले की तलाश में जुट गई है। ई-मेल के स्त्रोत का पता लगाने के लिए विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है।

महाअष्टमी की भव्य पूजा और संधि पूजा में मां दुर्गा बनी महिषासुरमर्दिनी

जयपुर । सी-स्कीम स्थित जय क्लब लॉन में प्रबासी बंगाली कल्चरल सोसाइटी द्वारा आयोजित दुर्गा पूजा महोत्सव की महाअष्टमी मंगलवार को भक्ति, उल्लास और रंगारंग उत्सव का अद्भुत संगम बन गया। सुबह से ही पंडाल भक्तों की चहल-पहल से गूंज उठा, और हर ओर जय मां दुर्गा के उद्घोष और ढाक की तालों ने वातावरण को दिव्य बना दिया।

- **दुर्गा पूजा महोत्सव की महाअष्टमी मंगलवार को भक्ति, उल्लास और रंगारंग उत्सव का अद्भुत संगम बना**

श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा से आशीर्वाद प्राप्त किया।

प्रात:काल की आरती के बाद श्रद्धालुओं ने पुष्पांजलि अर्पित की और मां दुर्गा से आशीर्वाद प्राप्त किया। अष्टमी की विशेष पूजा विधि-विधान से सम्पन्न हुई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित हुए।

दोपहर में बच्चों और युवाओं के लिए आयोजित खेल प्रतियोगिताओं ने उत्साह की लहर पैदा की। साथ ही बच्चों की चित्रकला प्रतियोगिता ने उनके सृजनात्मक कौशल को मंच पर प्रस्तुत किया और दर्शकों का मन मोह लिया। महिलाओं और पुरुषों के लिए आयोजित शंख वादन प्रतियोगिता ने भी पंडाल में श्रद्धा, भक्ति और संगीत का वातावरण बना दिया।

इसके बाद हुई संधि पूजा ने भक्तों के हृदयों को झकझोर दिया। यह पूजा अष्टमी और नवमी की संधि में की जाती है, जब अष्टमी समाप्त होकर नवमी प्रारंभ होती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इसी संधिकाल में मां दुर्गा ने असुरराज महिषासुर का वध किया था, और तभी से वे महिषासुरमर्दिनी के रूप में पूजित होती हैं। पूरे पंडाल में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी, और 108 दीपों की लौ तथा 108 पुष्पों की पुष्पांजलि ने वातावरण को भक्ति और दिव्यता से भर दिया। इस अवसर पर मां दुर्गा का विशेष श्रृंगार किया गया, जिसमें लाल परिधान, फूल और आभूषणों ने उनके चामुंडा रूप को और भी अलौकिक बना दिया।

उपमुख्यमंत्री ने 101 कन्याओं का पूजन कर दी शुभकामनाएं

जयपुर। दुर्गाष्टमी के पावन पर्व पर राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विशेष कार्यक्रम में भाग लेते हुए 101 कन्याओं का पूजन कर दुर्गा मां से आशीर्वाद प्राप्त किया। यह आयोजन जयपुर की कच्ची बस्ती क्षेत्र में हुआ, जहाँ उपमुख्यमंत्री ने पूरे विधि-विधान से कन्याओं के पैर धोए, उन्हें तिलक लगाकर आरती की और अपने हाथों से भोजन कराकर उपहार भी भेंट किए। दिया कुमारी ने इस अवसर पर कहा, "कन्या देवी का ही स्वरूप होती है। नवरात्र के इन दिनों में माँ दुर्गा के विभिन्न रूपों की पूजा का उद्देश्य यही है कि समाज में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहे।" उन्होंने बच्चियों से संवाद कर उनका हालचाल जाना और उन्हें प्रोत्साहित भी किया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियों को पढ़ने और आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें, यही आज की सबसे बड़ी ज़रूरत है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान की भी सराहना की और कहा कि इस अभियान से समाज में सकारात्मक बदलाव आ रहा है।

आदर्श नगर के दशहरा मैदान में 105 फीट के रावण और कुंभकरण के 90 फुट के पुतले का दहन होगा

जयपुर। श्री राम मंदिर प्रन्यास, श्री सनातन धर्म सभा की ओर से विशाल दशहरा महोत्सव आदर्श नगर के दशहरा मैदान में गुरुवार 2 अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा। सभा के महामंत्री अनिल खुराना ने बताया कि रावण का विशालकाय पुतला 105 फीट का और कुंभकरण का पुतला 90 फीट का बनाया गया है। सभा के द्वारा 1956 से दशहरा महोत्सव आयोजित किया जा रहा है।अध्यक्ष हर चरण लेकर ने बताया कि शाम 7:30 बजे रावण दहन का कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सांसद मंजू शर्मा होंगी ।अध्यक्षता महात्मा गांधी अस्पताल के चेयरमैन डॉ . एम. एल. स्वर्णकार करेंगे। विशिष्ट अतिथि सौम्या गुर्जर, कुसुम यादव, कालीचरण सराफ ,रफीक खान होंगे ।विशेष आमंत्रित में अशोक परनामी , सरदार अजय पाल सिंह, रवि नैय्यर होंगे। क्षेत्रीय पार्षद स्वाति परनामी, रितु मोतियानी ,नीरज अग्रवाल भी कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे ।विनोद पारवानी, योगेश बंसल आमंत्रित अतिथि होंगे। कार्यक्रम संयोजक राजीव मनचंदा ने बताया कि इस बार रावण दहन से पूर्व आतिशबाजी का विशेष आयोजन किया

- **रावण दहन से पूर्व होगी शानदार आतिशबाजी ,रावण का दंभ होगा चूर चूर**

गया है ।रंगीन आतिशबाजी लोगों का मन मोह लेगी ,आतिशबाजी में नियाग्रा फाल जैसा नजारा होगा। रंगीन झरने बहेंगे, जैसे सावन भादो में आसमान से पानी की बूंदे बरसती हैं। वैसे आतिशबाजी की छोटी-छोटी बूंदें आसमान से बरसेंगी ।आकाश में स्टार वार जैसा नजारा लोगों को रोमांचित करेगा ।आसमान से चमकीली अशरफिया बरसेगी। जमीन से सुनहरी अनार छूटेंगे, धूमकेतु जैसा नजारा दिखाई देगा ,हवाई मछलियां आकाश पर चारों दिशाओं में तैरती दिखेंगी ।ऑक्टोपस की आकृति रंगीनियां बिखरेंगी । लंबे-लंबे कई बांसों पर घूमती रंगीन चकरियां आकर्षण का केंद्र होंगी। शोरगर जब जमीन से लाल, हरी ,नीली, पीली हवाइयां छोड़ेंगे तो आसमान रंगीन हो उठेगा ।रंगीन सितारों का समूह दिखाई देगा ,फूलों के गुलदस्ते खिलते दिखेंगे ।

हीरो मोटोकॉर्प ने दुपहिया वाहनों की मांग में बढ़ोतरी दर्ज की

जयपुर। इस साल नवरात्रि शुरू होने के साथ ही भारतीय ऑटो बाजार में त्योहारी सीजन में दोपहिया की मांग में जबर्दस्त बढ़ोतरी देखी जा रही है। यह त्योहार बेहद खास है क्योंकि दोपहिया वाहनों पर जीएसटी कटौती हुई है, जिससे पहली बार गाड़ी खरीदते बालों पर खर्च का बोझ कम हुआ हैं, शुरुआती संकेत बताते हैं कि दोपहिया वाहनों के प्रति लोगों का उत्साह बहुत बह गया है। हीरो मोटोकॉर्प को पूरे देश में ग्राहकों की जबरदस्त रुचि और बिक्री में उछाल दिख रहा है।

- **हीरो मोटोकॉर्प ने पहली बार गाड़ी खरीदने वाले ग्राहकों के लिए अब तक का सबसे बड़ा लॉयल्टी एवं रिवाड्र्स हीरो गुडलाइफ फेस्टिव कैंपेन शुरू किया**

कंपनी ने देश भर में अपने डीलरशिप पर गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। हीरो मोटोकॉर्प उत्पादों के लिए ग्राहकों की पूछताछ पिछले एक साल में तेजी से बढ़ी है, जो जीएसटी के बाद की कीमतों के लाभों में बड़ी रुचि से प्रेरित है। इसके साथ ही पिछले साल की तुलना में शोरूम में ग्राहकों की आवाजाही में 50 प्रतिशत से अधिक का उछाल आया है।हीरो मोटोकॉर्प के इंडिया बिजनेस यूनिट के चीफ बिजनेस ऑफिसर आशुतोष वर्मा ने कहा, "इस फेस्टिव सीजन का सबसे उल्लेखनीय पहलू तत्काल खरीद में हुई तेज वृद्धि है। नवरात्रि के पहले ही दिन, हमारे शोरूम में आने वाले और हीरो मोटोकॉर्प का दोपहिया वाहन खरीदने वाले ग्राहकों की संख्या पिछले साल की तुलना में दोगुनी से अधिक हो गई।

जीएसटी 2.0 के साथ नई कीमतों की उम्मीद में टाली गई बिक्री अब तेजी से बढ़ रही है और हमें ग्राहकों की नए वाहन को तुरंत खरीदने की मजबूत इच्चद्रा के स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं। हमारी हाल ही में लॉन्च की गई 12 सेगमेंट-अग्रणी मॉडलों की फेस्टिव रेंज स्कूटर और मोटरसाइकिलों में इस मांग को बहा रही है।

डिजिटल आकर्षण और पूछताछ शानदार रहे हैं और हमारे प्रोडक्ट्स के लिए ऑनलाइन सर्च भी अब तक के सबसे उच्च स्तर पर है और इसमें लगभग 3 गुणा का उछाल आया है।"

सांगानेर खुली जेल से बंदी फरार

जयपुर। मालपुरा गेट थाना इलाके में स्थित सांगानेर खुली जेल से एक बंदी के फरार होने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार रॉल-कॉल के दौरान अनुपस्थित होने पर बंदी के फरार होने का पता चला। इसके बाद खुला बंदी शिविर सांगानेर के प्रभारी कालूराम की ओर से थाने में मामला दर्ज करवाया गया।जांच अधिकारी हैड कांस्टेबल गजानंद ने बताया कि सांगानेर खुला बंदी शिविर के प्रभारी कालूराम की ओर से मामला दर्ज करवाया है कि खुली जेल में सजा काट रहा बंदी गौरीशंकर उर्फ शंकर लाल सोमवार को बंदियों की गिनती करते समय अनुपस्थित पाया गया।बंदी खुली जेल से फरार हो गया है। जेल से फरार होने वाला बंदी गौरीशंकर भोपाल मध्य प्रदेश निवासी है,जो की जयपुर के बाईस गोदाम इलाके में रहता था और हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था।पुलिस ने मामला दर्ज करके फरार आरोपी की तलाश में उसके घर और अन्य ठिकानों पर दबिश मार रही है।

सप्त शक्ति कमान का राष्ट्र निर्माण में 'पूर्व सैनिकों का योगदान' विषय पर सेमिनार आयोजित

जयपुर । सप्त शक्ति कमान द्वारा 30 सितम्बर 2025 को जयपुर मिलिट्री स्टेशन में राष्ट्र निर्माण में पूर्व सैनिकों का योगदान'विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मिलिट्री स्टेशन के पूर्व सैनिकों और सेवारत अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में तीन प्रसिद्ध पूर्व सैनिक वक्ताओं - मेजर जनरल आलोक राज गोयल, ब्रिगेडियर के. बिरेन्द्र सिंह और ब्रिगेडियर करण सिंह राठौर, ने अपने विचार साझा किए।

उन्होंने एक मजबूत और सुरक्षित भारत के निर्माण में पूर्व सैनिकों की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे नागरिक-सैन्य एजेंसियों के बीच तालमेल स्थापित करने, अर्धसैनिक बलों के प्रशिक्षण, विशेषकर उग्रवाद-रोधी व आतंकवाद-रोधी परिस्थितियों में, तथा आपदा प्रबंधन और राहत कार्यों में अपनी विशेषज्ञता के माध्यम से अमूल्य योगदान दे सकते हैं। साथ ही, उन्होंने इस बात पर बल दिया कि पूर्व सैनिक अपनी विविध व्यावसायिक क्षमताओं व कौशल का उपयोग राष्ट्रीय विकास पहलों को गति देने में कर सकते हैं। वक्ताओं ने इस दिशा में सरकारी पहलों और सहयोगात्मक प्रयासों को भी महत्त्वपूर्ण बताया। समापन सत्र में सप्त शक्ति कमान के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने सभी रैंकों से कर्तव्य के प्रति अपनी निष्ठा में दृढ़ रहने, भारतीय सशस्त्र बलों की गौरवशाली परंपराओं को बनाए रखने और प्रतिबद्धता के साथ राष्ट्र की सेवा करते रहने का आग्रह किया। उन्होंने पूर्व सैनिकों के संगठित पुनर्कशलीकरण के महत्व पर भी ज़ोर दिया, ताकि वे राष्ट्रीय आपदाओं, अग्नि आपदाओं और आकस्मिक परिस्थितियों में अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकें। आर्मी कमांडर ने आगे कहा कि कमान और कोर मुख्यालय ऐसी पहलों का नेतृत्व कर सकते हैं, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि पूर्व सैनिकों के विशाल अनुभव और विशेषज्ञता का उपयोग समाज की भलाई के लिए किया जा सके।

कार्यक्रम में मेजर जनरल आलोक राज गोयल, ब्रिगेडियर के. बिरेन्द्र सिंह और ब्रिगेडियर करण सिंह राठौर ने भाग लिया।

दो अलग-अलग सड़क हादसों में तीन की मौत, छह जने घायल

दो गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया

तारानगर, (निसं)। तारानगर में मंगलवार अल सुबह दो अलग-अलग सड़क हादसों में तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल हो गए।

भालेरी पुलिस से मिली जानकारी अनुसार एक परिवार ऊंट गाड़ी पर सवार होकर फसल कटाई के लिए अपने खेत जा रहा था इसी दौरान तारानगर की ओर से सामने से आ रही बोलोरो गाड़ी ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऊंट गाड़ी के परखच्चे उड़ गए एवं ऊंटगाड़ी पर सवार दुनीराम व सुमन की मौके पर मौत हो गई, जबकि अन्य लोग घायल हो गए, जिनको तारानगर के सरकारी अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद दो गंभीर घायलों को हायर सेंटर रेफर कर दिया। वहीं अन्य का तारानगर के अस्पताल में इलाज जारी है। इधर सूचना पर भालेरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची पर मृतकों ले

परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु की।

शवों को मोर्चरी रूम में रखवाया, जहां पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने दोनो शवों को परिजनों को सौंप दिया।

दूसरा सड़क हादसा कस्बे के गांव जिगसाना के पास हुआ। तारानगर पुलिस से मिली जानकारी अनुसार कस्बे के वार्ड 25 निवासी साहिल व उसकी पत्नी सुमन बाइक पर सवार होकर अपने राजगढ़ की तरफ जा रहे थे इसी दौरान राजगढ़ की तरफ से आ रही बोलेरो ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे 22 वर्षीय सुमन की मौके

■ एक परिवार ऊंट गाड़ी पर सवार होकर फसल कटाई के लिए अपने खेत जा रहा था, तारानगर की ओर से आ रही बोलोरो गाड़ी ने टक्कर मार दी

पर ही मौत हो गई व उसका पति को घायल हो गया। सूचना पर तारानगर पुलिस मौके पर पहुंची शव को पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। इधर दोनों हादसे की सूचना के बाद तारानगर अस्पताल में लोगों की भीड़ इकठ्ठा हो गई। तारानगर व भालेरी पुलिस ने परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर दोनों वाहनों के चालकों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिया के डिवाइडर को तोड़ नहर में झूली रोडवेज बस, बाल-बाल बचे यात्री

हादसे में बस के आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

टोंक, (निसं)। घाड़ थाना क्षेत्र के धुंआ रोड पर बह रही बीसलपुर बांध नहर पर बनी छोटी पुलिया के डिवाइडर को तोड़ते हुए बूंदी डिपो रोडवेज बस नहर में जा झूली। सोमवार रात्रि को हुए इस हादसे के बाद बस में सवार यात्री चिल्ला उठे तथा बच्चे रोने लगे।

घटना के बाद वहा मौजूद ग्रामीणों ने बस की सवारियों को निकाला, घटना में कई सवारियों को हल्की चौटें आई

■ घटना के बाद ग्रामीणों ने सवारियों को निकाला, कई सवारियों को हल्की चौटें आई

हैं। इस दौरान चालक मौके से फरार हो गया। वहीं परिचालक ने सभी यात्रियों के पैसे वापस लौटा दिए। बस में करीब 30 यात्री सवार थे। इस हादसे के बाद चलते राहगीर व सूचना पर पहुंचे ग्रामीणों ने सवारियों की मदद कर गांव दौलतपुरा से निजी साधन की व्यवस्था कर सभी यात्रियों को अपने-अपने स्थान की ओर रवाना किया, जो यात्री दूर दराज के थे, उन्हें जयपुर कोटा नेशनल हाइवे 52 स्थित रोडवेज के बस स्टॉपेज सरोली पर ले जाकर छोडा गया, जहां से उन्हे अन्य बस मिल सके।

किशनगढ़-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर तीन वाहन भिड़े

अजमेर, (कासं)। किशनगढ़ उपखंड के बांदसरिंसदी थाना क्षेत्र से गुजर रहे किशनगढ़-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बिड़ला इंटरनेशनल स्कूल के सामने मंगलवार सुबह तीन वाहनों की भिड़ंत हो गई। इस भिड़ंत में कंटेनर, ट्रेलर व ऑटो क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत यह रही कि कोई जनहानि तो नहीं हुई, लेकिन ड्राइवरों के मामूली चोटें आई है। सूचना मिलते ही बांदरसिंदरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की सहायता से वाहनों को हटाकर बाधित यातायात पुनः शुरू कराया गया।

बांदरसिंदरी थानाधिकारी दयाराम ने बताया कि मंगलवार को हाइवे पर कोई अज्ञात वाहन खड़ा था, तभी किशनगढ़ से जयपुर की तरफ जा रहा कंटेनर चालक मेवात का ढसेरा निवासी कमालुद्दीन अपने वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और अज्ञात वाहन में पीछे की तरफ से जा भिड़ा। तेज रफ्तार होने के कारण कंटेनर की केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कमालुद्दीन स्टेयरिंग और सीट के बीच फंस गया। इसी दौरान वहां से गुजर रहा लोडिंग टेम्पो का चालक विजय वहां रुका और चालक को केबिन में फंसा

■ हादसे में कंटेनर, ट्रेलर व ऑटो क्षतिग्रस्त हो गये, ड्राइवरों के मामूली चोटें आईं

देखकर वाहनों को रुकवाने लगा। इसी बीच एक अन्य ट्रेलर दुर्घटनाग्रस्त कंटेनर में 8 फीट तक घुस गया। इससे ट्रेलर चालक नागौर के भवाल निवासी राजूराम गुर्जर भी सीट और स्टेयरिंग के बीच फंस गया। हादसे में मदद करने के लिए रुके लोडिंग टेम्पो की चेसिस भी ट्रेलर की भिड़ंत के कारण बिखर गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से कंटेनर व ट्रेलर में स्टेयरिंग के बीच फंसे चालकों को कड़ी मशक्त के बाद सुरक्षित बाहर निकाला। सीट में फंसा होने के कारण चालक को हल्की चोटें आई है। उन्हें मौके पर ही प्राथमिक उपचार दिया गया। दुर्घटना के बाद राजमार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लगने से यातायात बाधित हो गया। पुलिस ने जीवीके टोल प्लाजा की क्रेन को बुलाकर वाहनों को हटाया।

अवैध गार्नेट खनन पर कार्रवाई, दो सेपरेटर मशीनें व दो ट्रैक्टर जब्त

भीलवाड़ा, (निसं)। कोटड़ी क्षेत्र में बढ़ते अवैध गार्नेट खनन पर सख्ती दिखाते हुए कोटड़ी पुलिस ने देर रात एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। सहायक उप निरीक्षक कैलाश चंद्र प्रजापत के नेतृत्व में पुलिस टीम ने हरपुरा शरद क्षेत्र में दबिश देकर दो सेपरेटर मशीनें और

■ अवैध खनन पर की जा रही कार्रवाई से खनन माफियाओं में हड़कंप मचा

दो ट्रैक्टर जब्त किए।

एएसआई प्रजापत ने बताया कि यह कार्रवाई भीलवाड़ा पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा राजेश आर्य व कोटड़ी वृताधिकारी रविन्द्र यादव के मार्गदर्शन में की गई। जिलेभर में अवैध खनन के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस लगातार दबिशें दे रही है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने

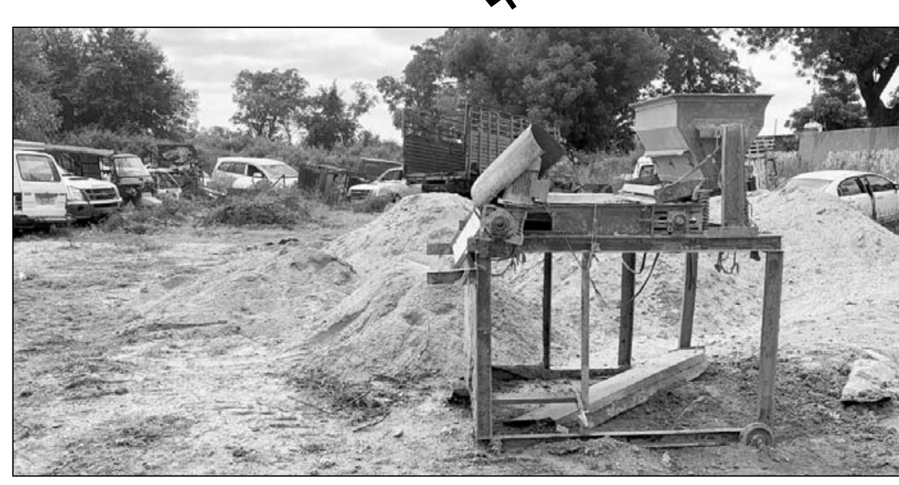

कोटड़ी पुलिस ने हरपुरा शरद क्षेत्र में दबिश देकर दो सेपरेटर मशीनें जब्त की।

रामकिशन गुर्जर के प्लांट से एक सेपरेटर मशीन तथा राजू गाडरी के प्लांट से एक सेपरेटर मशीन बरामद की। इसके अलावा दो ट्रैक्टर भी मौके से जब्त किए गए। सभी जब्त मशीनें और वाहन थाने में खड़ा करवा दिए गए हैं। पुलिस ने माइनिंग विभाग को सूचना देकर अग्रिम कार्रवाई के लिए मामले को प्रेषित कर दिया है। इस अभियान में एएसआई प्रजापत के साथ कांस्टेबल मोतीलाल, राकेश कुमार और महेंद्र कुमार मीणा भी शामिल रहे। अवैध खनन पर की जा रही लगातार कार्रवाई से खनन माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस का कहना है कि अभियान आगे भी जारी रहेगा और अवैध खनन करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पांच-पांच हज़ार के इनामी तस्कर गिरफ्तार

रायला थाना क्षेत्र में पुलिस ने दो जनों को गिरफ्तार किया।

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के रायला थाना क्षेत्र में नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़े मामलों में पांच-पांच हज़ार रुपये के इनामी घोषित दो वांछित आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई।

जानकारी के अनुसार पुलिस ने महेंद्र बंजारा और राजू सुथार को गिरफ्तार किया है। राजू लगभग साढ़े तीन साल से फरार चल रहा था। गिरफ्तारी से पूर्व वह पुलिस को चकमा देने के लिए जंगलों और धार्मिक स्थलों पर छिपता रहा और मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करता था, ताकि पुलिस उसकी लोकेशन ट्रेस न कर सके। पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी अपने घर पर मौजूद है, जिसके बाद चित्तौड़गढ़ डीएसटी और रायला पुलिस की संयुक्त टीम ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों को संबंधित न्यायालय में पेश करने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

अनियंत्रित ट्रेलर ने तीन मवेशियों को टक्कर मारी

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल कस्बे में ब्यावर रोड पर एक अनियंत्रित ट्रेलर ने सड़क किनारे चल रही तीन भैंसों (मवेशियों) को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में एक भैंस की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गई। भैंसों को खेत से घर ले जा रही पशुपालक महिला बाल-बाल बच गई।

महिला पशुपालक ने बताया कि ट्रेलर को अपनी ओर आता देख वह तुरंत सड़क से हट गई, जिससे उसकी जान बच गई। घटना के बाद, ग्रामीणों के मौके पर पहुंचने से पहले ही ट्रेलर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। इस घटना से ग्रामीणों में आक्रोश है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह क्षेत्र दुर्घटना संभावित है, फिर भी हाइवे प्राधिकरण द्वारा कोई सूचक नहीं लगाया गया है। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि तेज रफ्तार वाहनों पर विभाग और पुलिस कोई कार्रवाई नहीं करती है। ग्रामीणों के अनुसार, दुर्घटना की सूचना के बावजूद देर रात तक पुलिस मौके पर नहीं पहुंची थी। पुलिस और प्रशासन के समय पर नहीं पहुंचने के कारण एक भैंस की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य की हालत गंभीर बनी हुई है।

छह करोड़ से ज्यादा कीमत का जब्त मादक पदार्थ नष्ट किया

बूंदी, (निसं)। बूंदी पुलिस ने मंगलवार को छह करोड़ से अधिक कीमत के कुल 10 प्रकरणों में जब्त अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा 42 क्विंटल 92 किलो, 8 किलो 543 ग्राम गांजा व 30 ग्राम स्मैक को जलाकर नष्ट किया।

जिला पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र कुमार मीणा ने बताया कि पुलिस मुख्यालय व महानिरीक्षक पुलिस कोटा रेंज कोटा के निर्देशानुसार जब्तशुदा अवैध मादक पदार्थ गांजा, डोडा-चूरा व स्मैक को न्यायालय से भौतिक सत्यापन के बाद जिला औषधि व्ययन समिति द्वारा पुलिस लाइन परिसर में जलाकर नष्ट किया गया। मीणा ने बताया कि जिले के पुलिस थानों के मालखाना में एनडीपीएस एक्ट में जब्तशुदा मादक पदार्थो की नष्टीकरण कार्रवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र कुमार मीणा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमा शर्मा, वृताधिकारी वृत बूंदी अरूण मिश्रा, थानाधिकारी थाना सदर रमेश आर्य पुलिस निरीक्षक, अपराध सहायक दिनेश शर्मा उप निरीक्षक सहित सम्बन्धित अधिकारी एवं पुलिस थानों के मालखाना प्रभारी आदि की उपस्थिति में आवश्यक रिकार्ड मिलान करने के बाद मादक पदार्थो का वजन किया गया गया तथा सम्बन्धित मालों के वजन व नष्टीकरण के समय की फोटोग्राफी व विडियों ग्राफी करवाई गई। जिले के हिण्डोली, बसोली, कोतवाली, डाबी में दर्ज 10 प्रकरणों मे अवैध मादक पदार्थ को जिला पुलिस द्वारा तस्करों के कब्जे से जब्त किया गया था। सभी प्रकरणों में जब्तशुदा अवैध मादक पदार्थो को जिला औषधि व्ययन समिति बून्दी द्वारा पुलिस लाईन बून्दी परिसर में जलाकर नष्ट किया गया।

47 साल पुराने दोस्त नारायण मोदी से मिले कृषि मंत्री किरोड़ी

बीकानेर, (निसं)। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा अपने 47 साल पुराने दोस्त नारायण मोदी (70) के घर पहुंच गए। उन्हें देख उनका दोस्त उनके गले लग गया। किरोड़ी को ऐसे अपने घर पर आया देख मोदी भावुक हो गए और अपने घर के अंदर चलने को कहा।

जानकारी के अनुसार 1977-78 में आपातकाल के समय जब किरोड़ीलाल मीणा के पीछे पुलिस थी तब नारायण ही उन्हें टैक्सी में बैठाकर बचाकर ले गए थे। इसके बाद किरोड़ी ने पूछा पूजा-पाठ करते हो या नहीं तो मोदी बोले-बिल्कुल करता हूं, यहीं करता हूं। मेरा तो भोला भंडारी है। रात को जागता हूं तो उन्हीं से बात करता हूं। कृषि मंत्री ने अपने दोस्त के घर को देख उनकी आर्थिक सहायता भी की। उनके घर बैठकर बातचीत की। तो आसपास के लोग बोले कि ये आपके समय के किस्से सुनाते रहते हैं। डॉ. किरोड़ी ने बीकानेर में नकली उर्वरक बनाने वाली फर्मों के यहां छापेमारी की थी। इसके बाद मुक्ताप्रसाद नगर में रहने वाले अपने दोस्त नारायण मोदी के यहां पहुंचे। उन्हें

■ घर में पड़ी पुरानी टीवी और टूटी-फूटी छत को देखकर मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि ये सब ठीक करवाओ

■ आपातकाल के समय जब किरोड़ीलाल मीणा के पीछे पुलिस थी, तब नारायण ही उन्हें टैक्सी में बैठाकर बचाकर ले गए थे

छत की पट्टियां सही करवाने के लिए आर्थिक सहायता भी की।

बातचीत के दौरान किरोड़ी और नारायण में खूब हंसी-ठिठोली हुई। इस दौरान नारायण ने उन्हें बताया कि वे अकेले हैं और उनका सिर्फ भोले भंडारी है। बातचीत के दौरान किरोड़ी और नारायण में खूब हंसी-ठिठोली हुई। जैसे ही किरोड़ी ने आने की सूचना मिली। नारायण मोदी घर के बाहर आ गए थे। इसके बाद डॉ. किरोड़ी को देख उनके गले लग गए। किरोड़ी ने भी उन्हें गले लगाया और हाथ पकड़कर उन्हें घर के भीतर ले गए। यहां घर में पड़ी पुरानी टीवी और टूटी-फूटी छत को देखकर मंत्री ने कहा कि ये सब ठीक करवाओ। इसके बाद उनसे पूछा और कौन है घर में तो मोदी ने कहा कि वो अकेले ही रहते हैं और पूजा-पाठ कर अपना दिन बिताते हैं।

गौरतलब है कि 1977-78 में डॉ. किरोड़ी ने बीकानेर के सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की थी। उस वक्त से नारायण मोदी उनके दोस्त हैं। आपातकाल के समय जब मीणा के पीछे पुलिस पड़ी तो मोदी ने ही उन्हें बचाया था। बस स्टेंड पर जैसे ही मीणा उतरे, वैसे ही पुलिस पीछे हो गई लेकिन मोदी टेक्सी में बिठाकर उन्हें भगा ले गए। पुलिस पकड़ नहीं सकी। हालांकि मोदी मेडिकल स्टूडेंट नहीं थे, लेकिन, मीणा के कॉलेज के समय से इस घटना के बाद उनके दोस्त बन गए थे।

कोटा का 132वां राष्ट्रीय मेला दशहरा-2025 इतिहास में दर्ज होने के लिए तैयार

चार महीने से रावण के पुतले को बनाने में जुटे कारीगरों ने ही क्रेन से पुतले को खड़ा किया

कोटा, (निसं)। कोटा का 132वां राष्ट्रीय मेला दशहरा-2025 इतिहास में दर्ज होने के लिए तैयार है। गत चार महीने से रावण के पुतले को बनाने में जुटे कारीगरों ने ही क्रेन की सहायता से पुतले को खड़ा किया। रावण का पुतला पहले की अपेक्षा लंबा होने के कारण एकदम स्लिम लग रहा है। चेहरे पर बड़ी-बड़ी मूछें रौबदार नजर आ रही हैं। चेहरा फाईबर ग्लास से बना है, जो 25 फीट और तीन क्विंटल वजनी है। इसके 60 फीट के मुकुट में कलर्ड एलईडी लाइट लगाई गई है। मुकुट के साथ ही, ढाल में लगी एलईडी भी दमकती नजर आ रही है। पुतले को लाल, हरे और नीले रंग के कपड़ों से कवर किया गया है, जो बहुत ही आकर्षक नजर आ रहे हैं।

रावण को इस बार भी दशानन स्वरूप में ही बनाया गया है। इसकी तलवार 50 फीट की है। 40 फीट की जूतियां पहनाई गई है। पुतले में रिमोट कंट्रोल के 25 पॉइंट फिट किए गए हैं। पुतले की विशालकाय लंबाई को देखते हुए इस बार मेला प्रशासन ने रावण दहन स्थल को विजयश्री रंगमंच से बदलकर मैदान के पूर्व दिशा में कर दिया, जहां

■ मेला समिति अध्यक्ष तथा मेला अधिकारी द्वारा दहन स्थल पर बनाए गए सीमेंटेड फाउंडेशन पर भूमि पूजन किया गया

■ रावण का पुतला पहले की अपेक्षा लंबा होने से स्लिम लग रहा है, चेहरे पर मूछें रौबदार नजर आ रही हैं

कच्ची जमीन को देखते हुए दहन स्थल पर 26 गुणा 24 का आरसीसी का सॉलिड फाउंडेशन तैयार किया गया था। इसमें आठ स्टील की जैक वाली रोड लगाईं गई थी। साथ ही, आठ लोहे के रस्से से रावण को सपोर्ट दिया गया है। पेडस्टल पर फिश प्लेट को जॉइंट किया गया। इन पर 8 नट की चूड़ियों के द्वारा रावण का पुतला खड़ा किया गया। पुतले को खड़ा करने में 220 टन एवं 100 टन की हाइड्रोलिक क्रेन काम में ली गई।

मेला समिति अध्यक्ष विवेक राजवंशी तथा मेला अधिकारी अशोक कुमार त्यागी द्वारा दहन स्थल पर बनाए गए सीमेंटेड फाउंडेशन पर भूमि पूजन किया गया। इस दौरान वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ देवताओं का आव्हान किया गया। निगम की इंजीनियरिंग टीम भी अधीक्षण अभियन्ता महेश गोयल के नेतृत्व में पूरे समय दहन स्थल पर मौजूद रहकर मॉनिटरिंग करती रही। मेला परिसर में सीना ताने खड़ा 215 फीट का रावण दूर से ही नजर आ रहा था। ऐसे में सड़क पर चलते राहगीर भी रुककर दूर से ही रावण को देखने लगे। कई लोग रावण के साथ सेल्फी लेते रहे। इस दौरान मेले के आसपास लगभग डेढ़ सौ फीट की परिधि में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किया गए हैं, जहां मजदूर और निगम अधिकारियों के अलावा किसी को भी प्रवेश नहीं दिया जा रहा था। निगम की ओर से अधीक्षण अभियंता एक्यू कुरेशी, भुवनेश नावरिया, संजय विजय, तौसीफ खान, लक्ष्मीनारायण बडारिया, विनोद मेहरा, राजेश यादव, नवीन नायक, अंकित मीणा के साथ अभियंताओं की भी पूरी टीम दहन स्थल पर दिशा निर्देश देती रही।

कोटा दशहरा मेला परिसर में सीना ताने खड़ा 215 फीट का रावण दूर से ही नजर आ रहा था।

सीकर के कोचिंग स्टूडेंट की भीमगंजमंडी पुलिस ने जान बचाई

कोचिंग स्टूडेन्ट को रेलवे ट्रैक के पास से दस्तयाब किया

कोटा, (निसं)। सीकर में रहकर नीट की तैयारी कर रहे एक कोचिंग स्टूडेन्ट की कोटा रेलवे स्टेशन के आस-पास होने की सूचना पर भीमगंजमंडी पुलिस टीम ने तुरंत प्रभाव से कार्रवाई करते हुए कोचिंग स्टूडेन्ट को रेलवे ट्रैक के पास से दस्तयाब किया।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि सोशल मीडिया सैल पर जयपुर आयुक्तालय पुलिस कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि एक नीट का छात्र है, जो घर से सुसाइड करने की कहकर निकला है। छात्र नीट की तैयारी कर रहा है जिसका फोन ऑन होने पर छात्र की लोकेशन कोटा रेलवे स्टेशन के आस-पास की मिली है। शहर एसपी ने बताया कि सूचना पर अभय कमाण्ड सेन्टर पर संचालित सोशल मीडिया

■ सीकर में रहकर नीट की तैयारी कर रहा था, सलेक्शन नहीं होने से तनाव में था

टीम व वायरलेस ऑपरेटर हेड कांस्टेबल नईम अहमद ने मामले में एक्शन लेते हुए जयपुर आयुक्तालय पुलिस कंट्रोल रूम से छात्र के हुलिये के बारे में जानकारी ली। एसपी ने बताया कि छात्र के हुलिये की जानकारी मिलने पर हुलिये के आधार पर तुरंत

कार्रवाई करने के लिये संबधित थाना भीमगंजमंडी को सूचना दी गई। शहर एसपी ने बताया कि सूचना मिलते ही भीमगंजमंडी थानाधिकारी रामकिशन गोदारा मय जाप्ता कोचिंग छात्र की लोकेशन के आधार पर रेलवे ट्रैक के पास पहुंचे और छात्र को दस्तयाब किया। छात्र रेलवे ट्रैक के पास खड़ा होकर ट्रेन का इंतजार कर रहा था। पुलिस टीम ने समय पर पहुंचकर स्टूडेन्ट की जान बचा ली। शहर एसपी ने बताया कि दस्तयाब स्टूडेन्ट की काउन्सलिंग करने पर मामले में सामने आया कि स्टूडेन्ट जिला सीकर में रहकर नीट की तैयारी कर रहा था। स्टूडेन्ट का इस बार नीट में सलेक्शन नहीं होने से तनाव में था। मामले में सामने आया कि सलेक्शन नहीं होने से नाराज स्टूडेन्ट कोटा आ गया था। शहर एसपी ने बताया कि काउंसलिंग के बाद स्टूडेन्ट को माता-पिता को सुपुर्द किया गया।

अगर कोई और टीम बिना अपने मुख्य ऑलराउंडर के खेले, जैसे कि भारत हार्दिक पांड्या के बिना खेलना पड़ा, तो ऐसी स्थिति में टीम बिखर जाती है। - इरफान पठान

पूर्व भारतीय गेंदबाज, शिवम दुबे की गेंदबाजी को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶

जसप्रीत बुमराह

बुमराह एशिया कप में पावरप्ले में तीन ओवर डाल रहे थे। हालांकि आमतौर पर ऐसा नहीं होता था। बुमराह ने मैच से पहले इसकी वजह बताई। उन्होंने कहा, मैंने एक ही ऑपोजिशन के खिलाफ तीन बार खेला है, तो हां, मेरे लिए इंट्रेस्टिंग शब्द ही सही है। पावरप्ले में तीन ओवर गेंदबाजी करना एक अलग रोल है। टीम मुझे तीन ओवर्स में आगे इस्तेमाल करना चाहती थी। तो हां, यह मेरे लिए भी बिल्कुल नया है क्योंकि मुझे इस रोल को निभाने की आदत नहीं है. मुझे याद है कि मैंने 2016 में यह भूमिका निभाई थी जब मैं पहली बार अंतरराष्ट्रीय टीम में आया था।

क्या आप जानते हैं ?... भारत एशिया कप की सबसे सफल टीम है। टीम इंडिया ने अब तक खेले गए 16 सीजन में 8 बार खिताब पर कब्जा जमाया है। अब भारत की नजर 9वें खिताब पर है।

एयर राइफल मिक्स्ड टीम में भारत ने जीता स्वर्ण और रजत

नई दिल्ली, 30 सितम्बर। आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन नई दिल्ली के अंतिम से पहले वाले दिन जबरदस्त रोमांच देखने को मिला। भारत की ईशा अनिल टक्साले और हिमांशु ने शानदार वापसी करते हुए अपने ही देशवासियों शंभवी एस. क्षीरसागर और नारायण प्रणव को हराकर 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम का स्वर्ण जीता। वहीं, क्रोएशिया के 20 वर्षीय टोनी गुडेल्ज और चेकिया की लिया कुसेरोवा ने ट्रैप स्पर्धाओं में प्रभावशाली जीत दर्ज करते हुए अपनी-अपनी टीमों को टूर्नामेंट का पहला स्वर्ण पदक दिलाया।

भारत के विनय प्रताप सिंह चंद्रावत ने पुरुषों के ट्रैप फाइनल में कांस्य पदक जीतकर मेजबानों की झोली में कुल 23 पदक (7 स्वर्ण, 9 रजत और 7 कांस्य) सुनिश्चित किए और पदक तालिका में भारत को शीर्ष पर बनाए रखा। 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम के ऑल-इंडिया स्वर्ण मुकाबले में ईशा और हिमांशु ने 17-15 से शंभवी और नारायण को मात दी। एक समय पर 15-9 से पिछड़ने के बावजूद, उन्होंने लगातार चार सीरीज जीतकर रोमांचक वापसी की और खिताब पर कब्जा जमाया। दोनों टीमों ने उच्च स्तर की शूटिंग का प्रदर्शन किया-शंभवी ने दो परफेक्ट 10.9 और ईशा ने एक 10.9 लगाया। मुकाबले में कुल 64 में से सिर्फ पांच शॉट 10 से नीचे गए। कांस्य पदक व्यक्तिगत तटस्थ एथलीट्स वरवारा कार्डाकोवा और कामिल नुरियाख्मेतोव को मिला, जिन्होंने अपने ही हमवतन मारिया क्रुगलोवा और तिमोफेई अलेनिकव को 17-9 से हराया। महिला ट्रैप जूनियर खिताब चेकिया की लिया कुसेरोवा ने 41 हिट्स के साथ जीता, जिससे उनके देश को प्रतियोगिता का पहला पदक मिला। इटली की सोफिया गोरी 37 के साथ रजत पर रहीं, जबकि एआईएन की क्सेनिया समोफालोवा ने 30 के साथ कांस्य जीता। भारत की साबीरा हारिस 112 हिट्स के बावजूद सातवें स्थान पर रहीं।

पुरुषों के ट्रैप जूनियर फाइनल में क्रोएशिया के 20 वर्षीय टोनी गुडेल्ज ने 44 टारगेट्स मारकर शानदार प्रदर्शन करते हुए देश को पहला स्वर्ण दिलाया। स्पेन के इसाक हर्नांदिज, जिन्होंने क्वालिफिकेशन में 120 6 के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया था, 41 के साथ रजत पर रहे। भारत के विनय प्रताप सिंह चंद्रावत ने 34 के साथ कांस्य जीता, जबकि साथी अर्जुन 29 पर चौथे स्थान पर रहे। स्पेन के डेनियल फर्नांदिज डी विसेंट और अमेरिका के टोनी मेओला क्रमश: 24 और 18 हिट्स के साथ फाइनल लाइन-अप को पूरा किया। पिस्टल में, महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल प्रिसीजन स्टेज में भारत की तेजस्वनी ने 288-9 स्कोर के साथ बढ़त बनाई। इटली की अलेस्सांद्रा फैत (287-8) और एआईएन की विक्टोरिया खोलोडनाया (286-8) उनके पीछे रहीं।

भारत की नाम्या कपूर (284-4) चौथे, अलेक्सांद्रा तिखोनोवा (283-9) पांचवें और रिया शिरीष छट्टे (281-6) छठे स्थान पर रहीं। रैपिड फायर स्टेज कल खेला जाएगा, जिसके बाद शीर्ष छह खिलाड़ी फाइनल में पहुंचेंगे। पुरुषों की 25 मीटर पिस्टल (गैर-ओलंपिक इवेंट) प्रिसीजन स्टेज में भारत के राघव वर्मा ने 290-4 के साथ बढ़त बनाई। उनके पीछे साथी मुकेश नेलावली (289-9) रहे। एआईएन के जॉर्जी तारासोव 285-5 के साथ तीसरे स्थान पर रहे। कल सुबह रैपिड फायर स्टेज के बाद संयुक्त स्कोर से पदक तय होंगे। भारत 23 पदकों (7 स्वर्ण, 9 रजत, 7 कांस्य) के साथ तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है। एआईएन नौ पदकों (4 स्वर्ण, 2 रजत, 4 कांस्य) के साथ दूसरे और इटली दो स्वर्ण और दो रजत के साथ तीसरे स्थान पर है। क्रोएशिया और चेकिया के स्वर्ण जीतने के साथ अब पांच देश पदक तालिका में स्वर्ण जीत चुके हैं। प्रतियोगिता के अंतिम दिन, बुधवार, 1 अक्टूबर 2025 को दो फाइनल खेले जाएंगे। सुबह 11:15 बजे महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल जूनियर फाइनल होगा, इसके बाद दोपहर 2:30 बजे ट्रैप मिक्स्ड टीम जूनियर फाइनल होगा। दिन की शुरुआत सुबह 9:00 बजे ट्रैप मिक्स्ड टीम क्वालिफिकेशन (75 टारगेट्स) से होगी। पुरुषों और महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल जूनियर प्रतियोगिता का रैपिड फायर स्टेज भी सुबह 9:15 बजे से शुरू होगा। पुरुषों की 25 मीटर पिस्टल जूनियर स्पर्धा में पदक प्रिसीजन और रैपिड फायर दोनों चरणों के संयुक्त स्कोर के आधार पर तय होंगे।

ट्रॉफी विवाद : एसीसी ने फैसला टाला, फैसला पांच टेस्ट बोर्ड पर छोड़ा

दुबई, 30 सितम्बर। एशिया कप ट्रॉफी और पदकों की स्थिति पर बहुप्रतीक्षित फैसला, जो रविवार को फाइनल के बाद विजयी भारतीय टीम को नहीं दिए गए थे, टाल दिया गया है। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के सदस्यों ने मंगलवार (30 सितंबर) दोपहर दुबई में बैठक की और इसे एसीसी के पांच टेस्ट खेलने वाले देशों पर छोड़ दिया। प्रभावी रूप से, ट्रॉफी को लेकर गतिरोध को सुलझाने की ज़िम्मेदारी अब भारत, पाकिस्तान, अफ़ग़ानिस्तान, श्रीलंका और बंगलादेश पर छोड़ दी गई है। ट्रॉफी को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख मोहसिन नकवी ने छीन लिया था, जब भारतीय खिलाड़ियों ने रविवार रात दुबई अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में उनसे इसे लेने से इनकार कर दिया था।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई), बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी), श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) और अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) के सदस्य, पीसीबी के अलावा, ट्रॉफी पर समाधान निकालने के लिए आपस में एक औपचारिक बैठक करेंगे, जिसके बारे में बीसीसीआई पहले ही आईसीसी स्तर पर बात उठाने की कसम खा चुका है। उन्हें बैठक ऑफलाइन आयोजित करने के लिए कहा गया है। एसीसी बैठक की अध्यक्षता नकवी ने की और राजीव शुक्ला तथा आशीष शेलार भारतीय प्रतिनिधि थे जिन्होंने बैठक में वर्चुअल माध्यम से भाग लिया। एजेंडे में दो अन्य मुद्दे भी थे - उपाध्यक्ष का चुनाव और उभरते खिलाड़ियों, अंडर-19 टूर्नामेंट जैसे अन्य एसीसी आयोजनों के कार्यक्रम को अंतिम रूप देना। बैठक के दौरान इनमें से किसी पर भी चर्चा नहीं हुई।

खेल मंत्रालय ने खेल पुरस्कारों के लिए आवेदन आमंत्रित किए

नई दिल्ली, 30 सितम्बर। खेलों में उत्कृष्टता को मान्यता देने और पुरस्कृत करने के लिए प्रति वर्ष खेल पुरस्कार दिए जाते हैं। खेल के क्षेत्र में किसी खिलाड़ी के असाधारण और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार प्रदान किया जाता है। वहीं, अर्जुन पुरस्कार किसी खिलाड़ी के निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया जाता है। खेल के विकास में जीवनपर्यंत योगदान के लिए अर्जुन पुरस्कार (लाइफटाइम) दिया जाता है जबकि द्रोणाचार्य पुरस्कार प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में पदक विजेताओं को तैयार करने वाले प्रशिक्षकों को दिया जाता है और राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार (आरकेपीपी) देश में खेलों के प्रचार और विकास में उल्लेखनीय भूमिका निभाने वाली कॉर्पोरेट संस्थाओं (सार्वजनिक/निजी) तथा गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) को दिया जाता है। इन योजनाओं की प्रति मंत्रालय की वेबसाइट पर देखी जा सकती है। भारत सरकार का युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय प्रति वर्ष खेल पुरस्कारों के लिए आवेदन आमंत्रित करता है। वर्ष 2025 के लिए इन खेल पुरस्कारों हेतु आवेदन आमंत्रित करने वाली अधिसूचनाएं मंत्रालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई हैं। इसके अंतर्गत संबंधित पुरस्कारों के लिए पात्र खिलाड़ियों/प्रशिक्षकों/संस्थाओं से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। यह आवेदन केवल एक समर्पित पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आमंत्रित किए जा रहे हैं। पात्र आवेदकों को पुरस्कारों से संबंधित दिशानिर्देशों के अनुसार केवल पोर्टल पर स्वयं ऑनलाइन आवेदन करना होगा। ऑनलाइन आवेदन पत्र में किसी भी समस्या की स्थिति में आवेदक किसी भी कार्यदिवस में सुबह 9:00 बजे से शाम 5:30 बजे तक खेल विभाग के ईमेल और फोन पर संपर्क कर सकते हैं। पुरस्कारों के लिए पात्र खिलाड़ियों/प्रशिक्षकों/संस्थाओं को 28 अक्टूबर, 2025 (अर्थात मंगलवार) को रात 11:59 बजे तक ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन जमा करने होंगे।

अमनजोत और दीप्ति के अर्द्धशतकों से भारत का सम्मानजनक स्कोर

गुवाहाटी, 30 सितम्बर। अमनजोत कौर (57) और दीप्ति शर्मा (53) के शानदार अर्धशतकों से भारत ने श्रीलंका के खिलाफ महिला विश्व कप के वर्षा प्रभावित मैच में मंगलवार को आठ विकेट पर 269 रन का सम्मानजनक स्कोर बना लिया। श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। इस मुकाबले में वर्षा से दो बार बाधा पड़ी। पहले निर्धारित ओवरों की संख्या 48 और फिर 47 कर दी गयी। भारत ने अपने छह विकेट 124 रन पर गंवा दिए थे लेकिन अमनजोत और दीप्ति के अर्धशतकों ने भारतीय पारी को संभाल लिया। दीप्ति पारी की आखिरी गेंद पर आउट हुईं। अमनजोत कौर विश्व कप में नंबर आठ पर आने के बाद अर्धशतक लगाने वाली सिर्फ दूसरी बल्लेबाज बन गयीं। यह नंबर आठ बल्लेबाज का विश्व कप में सर्वश्रेष्ठ स्कोर भी है। अमनजोत ने 56 गेंदों पर 57 रन में पांच चौके और एक छक्का लगाया जबकि दीप्ति ने 53 गेंदों पर 53 रन में तीन चौके लगाए।

एक समय ऐसा लग रहा था कि भारत 200 का स्कोर भी नहीं बना पाएगा। रनावीरा ने एक ही ओवर में तीन झटके देते हुए भारत को बैकफुट पर धकेल दिया था। हरलीन देओल, जेमिमाह रॉड्रिग्स के बाद हरमनप्रीत कौर भी पवेलियन लौट गई थीं। इसके बाद अपने अगले ही ओवर में रनावीरा ने ऋचा घोष का भी शिकार कर लिया और भारत महज 124 के स्कोर पर छह विकेट गंवा चुका था। लेकिन यहां से दीप्ति शर्मा और अमनजोत कौर के बीच शतकीय साझेदारी हुई और दोनों ने ही अर्धशतक जड़े। इसके बाद स्नेह राणा के कैमियो की बदौलत भारत ने स्कोरबोर्ड पर 269 जोड़ लिए। प्रतीक रावल ने 37 और हरलीन देओल ने 48 रन बनाये जबकि स्मृति मंधाना आठ और कप्तान हरमनप्रीत कौर 21 रन बनाकर आउट हुईं। जेमिमा रोड्रिग्स का खाता भी नहीं खुला। स्नेह राणा ने 15 गेंदों पर नाबाद 28 रन में दो चौके और दो छक्के लगाए। श्रीलंका की तरफ से इनोका रनावीरा ने 47 रन देकर सर्वाधिक चार विकेट लिए।

राज्य स्तरीय लॉन टेनिस प्रतियोगिता का आगाज, प्रदेशभर से जुटे 300 खिलाड़ी

जयपुर, 30 सितंबर। 69वीं राज्य स्तरीय लॉन टेनिस प्रतियोगिता (अंडर 14) का शुभारंभ युवा मामले एवं खेल विभाग के शासन सचिव श्री नीरज के पवन ने किया। इस दौरान विशिष्ट अतिथि राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव श्री शारदा प्रताप सिंह व जिला शिक्षा अधिकारी श्री रामनिवास शर्मा रहे। युवा मामले एवं खेल सचिव ने बच्चों के साथ लॉन टेनिस खेलकर प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास में खेल का बहुत महत्व है। यह शरीर को स्वस्थ रखता है, तनाव कम करता है, आत्मविश्वास बढ़ाता है, और टीम वर्क, नेतृत्व, अनुशासन जैसे जीवन कौशल सिखाता है। उन्होंने कहा कि हार जीत तो होती रहती है लेकिन हमारा जज़्बा जीत का होना चाहिए। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव श्री सिंह ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी और उन्हें एकाग्रता से खेलने के लिए प्रोत्साहित किया। जिला शिक्षा अधिकारी श्री रामनिवास शर्मा ने प्रतियोगिता में शामिल सभी टीमों का विस्तृत ब्यौरा दिया। चित्रकूट स्टेडियम में आयोजित हो रही इस राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में प्रदेशभर से 300 खिलाड़ी भाग ले रहे है। सभी बालकों एवं बालिकाओं ने खेल भावना का परिचय देते हुए शपथ ली। भाभा पब्लिक स्कूल के संयोजन में हो रही इस प्रतियोगिता का सम्मान समारोह 5 अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा। समारोह में विभिन्न श्रेणियों के 36 विजेताओं को पदक दिए जाएंगे।

11वीं एशियन तैराकी प्रतियोगिता में भारत ने जीता रजत पदक

जयपुर, 30 सितम्बर। अहमदाबाद के वीर सावरकर स्टेडियम में चल रही 11वी एशियन तैराकी प्रतियोगिता के दूसरे दिन 4 गुना 200 मीटर फ्री स्टाइल में स्वर्ण पदक चीन जीता। रजत पदक भारत ने जीता, भारत की टीम में क्षीहरी नटराज, साजन प्रकाश, अनिस गोडा एवं गांगुली ने भाग लिया कांस्य पदक मलेशिया को मिला । भारत के नटराज ने शानदार प्रदर्शन किया। विजेताओं को भारतीय तैराकी संघ के उपाध्यक्ष अनिल व्यास ने मेडल पहनाये।

देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 30 सितम्बर। अंडर-13 पिंकसिटी कप में देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 218 रन 3 विकेट के नुकसान पर बनाएं! कौशलेंद्र सिंह राजावत ने 80 और दिवित ने 48 रनों का योगदान दिया! जानकीनंदन क्रिकेट अकादमी की ओर से हर्षित कुमावत ने दो विकेट लिए! लक्ष्य का पीछा करने उतरी जानकीनंदन क्रिकेट अकादमी 30 ओवर में 100 रन पर ऑल आउट हो गई! युवराज ने सर्वाधिक 48 रनों का योगदान दिया! देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी की ओर से अनीश ने 4 , दीपक सैनी और जयदीप यादव ने दो-दो विकेट लिए! मैन ऑफ़ द मैच कौशलेंद्र सिंह राजावत को चुना गया!

बिली जीन किंग कप प्लेऑफ के लिए भारतीय टीम की घोषणा

बेंगलुरु, 30 सितंबर। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने 2025 बिली जीन किंग कप प्लेऑफ के लिए भारतीय महिला टीम की घोषणा कर दी है। यह प्लेऑफ 14-16 नवंबर तक बेंगलुरु के एसएम कृष्णा टेनिस स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। यह पहली बार होगा जब भारत प्लेऑफ की मेजबानी करेगा।

इस टीम में अनुभव और युवा खिलाड़ियों का मिश्रण है, जिसमें अंकिता रैना, श्रीवल्ली भामिदीपती, प्रार्थना थोम्बरे, सहजा यमलापल्ली और रिया भाटिया शामिल हैं, जबकि वैदेही चौधरी को रिजर्व खिलाड़ी के रूप में रखा गया है। विशाल उप्पल टीम की कप्तानी करेंगे और कोच राधिका कानिटकर उनकी सहायता करेंगी। 4 नवंबर से बेंगलुरु में प्रशिक्षण शुरू होगा, जिसमें ज़ील देसाई और श्रुति अहलावत तैयारियों के लिए टीम में शामिल होंगी। गौरतलब है कि भारत के क्वालिफिकेशन के दौरान रिजर्व खिलाड़ी रहीं माया राजेश्वरन इस टीम का हिस्सा नहीं हैं। भारत को ग्रुप जी में स्लोवेनिया और सातवीं वरीयता प्राप्त नीदरलैंड के साथ रखा गया है। टीमें राउंड-रॉबिन मैच खेलेंगी, जिसमें ग्रुप विजेता 2026 बिली जीन किंग कप क्वालीफायर में आगे बढ़ेंगे। शेष टीमें अपने-अपने 2026 क्षेत्रीय ग्रुप मुकाबलों में वापसी करेंगी। भारत इससे पहले प्ले-ऑफ में केवल 2021 में ही पहुंचा था, जब उसे लातविया से 3-1 से हार का सामना करना पड़ा था। इस साल की शुरुआत में, भारत ने पुणे में बिली जीन किंग कप एशिया-ओशिनिया ग्रुप 1 में कोरिया गणराज्य को 2-1 से हराकर और न्यूज़ीलैंड से पीछे रहकर दूसरे स्थान पर रहकर प्ले-ऑफ में जगह पक्की की थी। महिला टेनिस का विश्व कप माने जाने वाला बिली जीन किंग कप-जिसे पहले फेड कप कहा जाता था-शीर्ष रैंकिंग वाली खिलाड़ियों को एक टीम प्रारूप में एक साथ लाता है और इसे पुरुषों के डेविस कप का महिला समकक्ष माना जाता है।

शाकिब को दोबारा बांग्लादेश की जर्सी नहीं मिलेगी

ढाका, 30 सितम्बर। खेल सलाहकार आसिफ महमूद ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को शाकिब के जन्मदिन संदेश पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि वह इस मामले पर बीसीबी से बात करेंगे। बंगलादेश के खेल सलाहकार आसिफ महमूद ने घोषणा की है कि शाकिब अल हसन अब बंगलादेश के लिए नहीं खेलेंगे।

यह घोषणा इस क्रिकेटर द्वारा रविवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डालकर अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को उनके जन्मदिन की बधाई देने के बाद की गई है। इसकी शुरुआत शाकिब द्वारा एक साधारण संदेश पोस्ट करने से हुई, जिस पर आसिफ ने जवाब दिया, हालांकि शाकिब का नाम नहीं लिया- "आप सभी ने एक व्यक्ति का पुनर्वास न करने के लिए मुझे बहुत गालियां दी हैं। लेकिन मैं सही था। अब बात यहीं खत्म।"

कोच जमील ने भारतीय टीम को अंतिम रूप दिया, पांच खिलाड़ी शिविर से बाहर

बेंगलुरु, 30 सितंबर। भारत की राष्ट्रीय पुरुष फुटबॉल टीम के पांच खिलाड़ियों को, जिनमें केरल ब्लास्टर्स के दो खिलाड़ी भी शामिल हैं, सिंगापुर के खिलाफ आगामी एएफसी एशियन कप क्वालीफायर से पहले तैयारी शिविर से बाहर कर दिया गया।

केरल ब्लास्टर्स के मोहम्मद ऐमेन और विबिन मोहनन, नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के एमएस जितिन सहित, उन खिलाड़ियों में शामिल थे जिन्हें आज मुख्य कोच खालिद जमील ने घर भेज दिया। अन्य दो खिलाड़ी जिन्हें बाहर किया गया, वे थे अशीर अख्तर और मनवीर सिंह (जूनियर)। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब जमील अगले महीने महत्वपूर्ण मैचों के लिए अपनी टीम को अंतिम रूप दे रहे हैं।

त्रिचूर में जन्मे जितिन ने हाल ही में उज्बेकिस्तान और ताजिकिस्तान में आयोजित सीएएफए नेशंस कप में शानदार प्रदर्शन किया था। यह टूर्नामेंट जमील का मुख्य कोच के रूप में पहला कार्यकाल था, जहां भारत ने ओमान पर एक रोमांचक शूटआउट जीत के बाद यादगार तीसरा स्थान हासिल किया। मिडफ़ील्ड में जितिन के योगदान की व्यापक रूप से प्रशंसा की गई, जिससे भारत के उभरते फुटबॉल ढांचे में उनकी बढ़ती अहमियत उजागर हुई। इन खिलाड़ियों को रिलीज करना अनुभवी स्ट्राइकर सुनील छेत्री और बेंगलुरु एफसी के राहुल भेके और रोशन सिंह नाओरेम के एक दिन पहले ही शिविर में शामिल होने के बाद हुआ है।

छेत्री की मौजूदगी से एएफसी एशियन कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में अपनी पहली जीत की तलाश में जुटी टीम को अनुभव और नेतृत्व प्रदान करने की उम्मीद है। अब तक, भारत हांगकांग से 0-1 से हार गया है और बांग्लादेश के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ रहा है, जिससे टीम पर आगामी दो मैचों में अंक हासिल करने का दबाव है। भारत का पहला मुकाबला 9 अक्टूबर को कलंग में सिंगापुर से होगा, और उसके बाद 14 अक्टूबर को मडगांव में दूसरे चरण के लिए स्वदेश लौटेगा। ये मैच तीसरे दौर में भारत की प्रगति की संभावनाओं को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण होंगे, और मुख्य कोच जमील टीम में सही संतुलन बनाने के लिए युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के मिश्रण पर ध्यान केंद्रित करते दिख रहे हैं।

बंडारू दत्तात्रेय ने तिलक को एशिया कप में शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी

हैदराबाद, 30 सितंबर। हरियाणा के पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने युवा भारतीय क्रिकेटर तिलक वर्मा को हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप फाइनल में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी। दत्तात्रेय ने हैदराबाद में जन्मे इस क्रिकेटर से मंगलवार को फोन पर बात की और उनके दृढ़ संकल्प, प्रतिभा और जुझारूपन की सराहना की। उन्होंने कहा कि तिलक के शानदार अर्धशतक, जिसने भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई, ने न केवल देश को गौरवान्वित किया, बल्कि तेलंगाना को भी गौरवान्वित किया।

दिव्या, आकांक्षा फेनेस्टा ओपन राष्ट्रीय टेनिस के दूसरे दौर में

नई दिल्ली, 30 सितम्बर। गुजरात की दिव्या भारद्वाज और महाराष्ट्र की आकांक्षा निट्ठूरे ने मंगलवार को नई दिल्ली के डीएलटीए कॉम्प्लेक्स में चल रही 30वीं फेनेस्टा ओपन राष्ट्रीय टेनिस चैंपियनशिप के महिला एकल वर्ग के दूसरे दौर में प्रवेश किया। क्वालीफाइंग दौर से गुजरने के बाद मुख्य ड्रॉ में प्रवेश करने वाली दिव्या ने बारिश से प्रभावित दिन में महाराष्ट्र की तीसरी वरीयता प्राप्त पूजा इंगले को 6-3, 6-4 से हराकर अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा। मैच की शुरुआत रोमांचक रही, पहले सेट के बीच में स्कोर 3-3 से बराबर था, लेकिन दिव्या ने लगातार तीन गेम जीतकर मैच पर कब्ज़ा कर लिया। दूसरे सेट में भी पहले सेट की तरह ही स्कोर 3-3 से बराबर रहा, लेकिन दिव्या ने पूजा की सर्विस तोड़कर 5-3 की बढ़त बना ली। तीसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने नेट पर शानदार प्रदर्शन करते हुए एक गेम अपने नाम किया, लेकिन दिव्या को अपना छठा गेम जीतने और टूर्नामेंट के अगले दौर में पहुंचने से नहीं रोक पाईं। इस बीच, आकांक्षा ने अपने पहले दौर के महिला एकल मैच में पहले ही गेम से दबदबा बनाया और तेलंगाना की पावनी पाठक को शानदार बेसलाइन खेल के साथ सीधे सेटों में 6-0, 6-0 से हरा दिया। दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने बेसलाइन पर अपनी गति का इस्तेमाल किया।

भारतीय तीरंदाजी को नई दिशा देने का श्रेय विजय कुमार मल्होत्रा को जाता है

नई दिल्ली, 30 सितम्बर। विजय कुमार मल्होत्रा को भारतीय तीरंदाजी को नई दिशा देने का श्रेय जाता है। कुशल राजनीतिज्ञ होने के साथ-साथ अनुभवी खेल प्रशासक मल्होत्रा का मंगलवार को 93 वर्ष की उम्र में बढती उम्र से जुड़ी बीमारियों के कारण निधन हो गया। भारतीय खेल जगत ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

मल्होत्रा को 2010 राष्ट्रमंडल खेल भ्रष्टाचार मामले में सुरेश कलमाड़ी के गिरफ्तार होने के बाद 26 अप्रैल 2011 से पांच दिसंबर 2012 तक भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) का कार्यवाहक अध्यक्ष बनाया गया था। मल्होत्रा ने आईओए का उस कठिन समय में मार्गदर्शन किया जब देश की खेल छवि 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों के घोटाले से प्रभावित हुई थी। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने आईओए प्रशासन को कुछ हद तक साफ-सुथरा किया। मिलनसार स्वभाव के मल्होत्रा के अंतरिम कार्यकाल के बाद चुनाव हुए लेकिन उसके बाद अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने आईओए को निलंबित कर दिया।

अभय सिंह चौटाला को अध्यक्ष और ललित भनोट को महासचिव बनाने के बाद आईओए पर चार दिसंबर 2012 को प्रतिबंध लगाया गया जो 11 फरवरी 2014 को ही हट सका। मल्होत्रा आईओए के आजीवन अध्यक्ष बने। वह 1974 तेहरान एशियाई खेलों में भी भारतीय दल के अभियान प्रमुख थे । वह 40 साल से अधिक समय (1973 से 2015) तक भारतीय तीरंदाजी महासंघ के अध्यक्ष रहे और तीरंदाजों की नई पौध तैयार की। आज भारतीय तीरंदाज विश्व स्तर पर अपनी जो छाप छोड़ रहे हैं उसका श्रेय मल्होत्रा के कुशल मार्गदर्शन को जाता है। दिल्ली के भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू उनके कार्यकाल में एएआई कार्यकारी समिति के सदस्य थे।

म्यूनिख ओलंपिक 1972 में तीरंदाजी को ओलंपिक खेल के रूप में चुने जाने के एक साल बाद 1973 में गठित भारतीय तीरंदाजी संघ (एएआई) के तहत तीरंदाजी ने मल्होत्रा के अथक प्रयासों से भारत में जड़ें जमा लीं । मल्होत्रा 1972 म्यूनिख ओलंपिक में भारतीय दल के साथ गए थे और वहीं उन्हें यह विचार आया ।

म्यूनिख खेलों में भारतीय तीरंदाजी का कोई प्रतिनिधित्व नहीं था और वहां से लौटकर उन्होंने भारतीय तीरंदाजी संघ का गठन किया। एएआई के संस्थापक अध्यक्ष बनने के बाद उन्होंने दिल्ली में 1973 में पहली सीनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी चैम्पियनशिप कराई । इसमें 50 महिला और पुरूष तीरंदाजों ने भाग लिया और बांस के बने धनुष बाण से यह खेली गई । मल्होत्रा और तत्कालीन एएआई महासचिव गोपेश मेहरा ने एशिया में तीरंदाजी की शुरुआत की और एशियाई तीरंदाजी महासंघ (जिसे अब विश्व तीरंदाजी एशिया के रूप में जाना जाता है) का गठन 1978 में एशियाई खेलों के दौरान बैंकॉक में किया गया।

जयपुर ने कैरीसिल को हराया, रामबाग पोलो ओर विमल एरियन अचीवर्स का मैच रद्द

जयपुर, 30 सितम्बर। कैवेलरी पोलो ग्राउंड पर जयपुर पोलो टीम ओर कैरीसिल के बीच मैच खेला गया जिसमें जयपुर पोलो टीम ने कैरीसिल को 5 के मुकाबले 9 गोल से हराया। जयपुर पोलो टीम की ओर सेमहाराज पद्मनाभ सिंह ने 3 गोल ओर लांस वाटसन ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए 6 गोल कर अपनी टीम को जीत दिलाई। कैरीसिल की ओर से हिम्मत सिंह ने 3 गोल ओर जुआन मार्टिन ने 2 गोल किए। टूर्नामेंट का दूसरा मैच रामबाग पोलो ओर विमल एरियन अचीवर्स के बीच खेला जाना था लेकिन बरसात होने से मैच रद्द करना पड़ा।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने जैतारण में 362 करोड़ के कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया

उन्होंने 1.87 लाख निर्माण श्रमिकों को 209 करोड़ रूपए की राशि डीबीटी के जरिए दी

ब्यावर/जयपुर, 30 सितंबर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को ब्यावर के जैतारण में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में 362 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश के 1 लाख 87 हजार निर्माण श्रमिकों और उनके आश्रितों को 209 करोड़ रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सेवा पखवाड़ा केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि हर व्यक्ति तक शासन की पारदर्शिता, सुविधा और विकास सुनिश्चित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से प्रदेशभर में यह पखवाड़ा मनाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य समाज के अंतिम छोर तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत प्रदेश में अब तक 4,121 ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें हजारों लोगों को सरकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण शिविरों में रजिस्ट्री, पट्टे, नामांतरण, प्रमाण पत्र सहित अन्य राजस्व कार्यों का समाधान किया जा रहा है, जबकि शहरी सेवा शिविरों में पंजीयन, एनओसी, भवन स्वीकृति, टैक्स, सीवर कनेक्शन और प्रमाण पत्र जारी किए जा रहे हैं। अब तक सेवा शिविरों के माध्यम से 53 हजार नामांतरण, 54 हजार शुद्धिकरण, 64 हजार स्वामित्व पट्टे, 85 हजार पशु बीमा और 82 हजार से अधिक फसल बीमा पॉलिसी वितरित की जा चुकी हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को ब्यावर के जैतारण में 362 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया और दिव्यांगजनों व जरूरतमंदों को स्कूटी एवं उपकरण वितरित किए।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने बताया कि सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत अब तक राजस्थान में 4,121 ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित हो चुके हैं। इन शिविरों में 53 हजार नामांतरण, 54 हजार शुद्धिकरण, 64 हजार स्वामित्व पट्टे, 85 हजार पशु बीमा तथा 82 हजार फसल बीमा पॉलिसी वितरित की जा चुकी हैं।**

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने किशननगर ग्राम के नशा मुक्ति में योगदान देने वाले नागरिकों का सम्मान किया। उन्होंने विभागीय स्टॉल्स का अवलोकन किया और दिव्यांगजनों व जरूरतमंदों को स्कूटी एवं उपकरण वितरित किए। कार्यक्रम के दौरान एक भावुक क्षण तब देखने को मिला जब जनसमूह में खड़ी एक बच्ची को मुख्यमंत्री ने मंच पर बुलाया और उसने उन्हें अपने हाथों से बनाई तस्वीर भेंट की।

इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत, सांसद पी.पी. चौधरी, राजेन्द्र गहलोत, विधायक केसाराम चौधरी, वीरेन्द्र सिंह, शोभा चौहान, शंकर सिंह रावत, हरिसिंह रावत सहित संत समाज के गणमान्य महंतों एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

चंडीगढ़ में 36 साल पुरानी कॉलोनी पर बुलडोज़र चला

चंडीगढ़ , 30 सितंबर। शहर के सेक्टर-38 वेस्ट स्थित शाहपुर कॉलोनी में मंगलवार सुबह प्रशासन ने बुलडोजर कार्रवाई की। प्रशासन ने शाहपुर कॉलोनी में पिछले 36 सालों से बसे लगभग 500 अवैध मकानों पर बुलडोजर चला दिया। महज 2 घंटे में कॉलोनी के 500 घर मलबे में तब्दील हो गए। इस कार्रवाई के दौरान भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। मौके पर 4 जेसीबी, 10 ट्रक और 200 मजदूरों की मदद से अवैध निर्माण को हटाया गया।

वहीं, प्रशासन की इस कार्रवाई को लेकर लोगों में गहरा आक्रोश है। यहां रहने वाले अधिकांश निवासी प्रवासी हैं, जो दशकों से यहां रह रहे थे। स्थानीय लोगों का कहना है कि, "त्योहारों के मौसम में बेघर करना अमानवीय है।" हालांकि जिन 4 घरों को कोर्ट से स्टे मिला था, उन्हें गिराने से बचा लिया गया। इन पर पहले ही क्रॉस का निशान लगाया गया था। प्रशासन का दावा है कि प्रभावित लोगों को एक महीने पहले नोटिस दिए गए थे। मुनादी भी करवाई गई थी और 30 सितंबर तक कॉलोनी खाली करने की चेतावनी दी गई थी।

राजस्थान में कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिए सचिन पायलट का नाम सबसे ऊपर

सूत्रों के अनुसार, हरियाणा के बाद कांग्रेस राजस्थान व गोवा में भी नेतृत्व परिवर्तन की तैयारी में है

नयी दिल्ली, 30 सितंबर। कहा जा रहा है कि हरियाणा प्रदेश में अध्यक्ष बदलने के बाद कांग्रेस पार्टी अब दो और राज्यों, राजस्थान और गोवा में प्रदेश अध्यक्ष में बदलाव कर सकती है और इसमें अन्य पिछड़ा वर्ग समुदाय के नेतृत्व को अवसर मिल सकता है।

पार्टी ने हाल ही में हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष पद की कमान वरिष्ठ नेता राव नरेंद्र सिंह को सौंपी है। इसके अलावा पार्टी ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा को हरियाणा कांग्रेस विधायक दल का नेता नियुक्त किया है। अब पार्टी राजस्थान और गोवा के नए प्रदेश अध्यक्ष पद पर नियुक्तियों पर गहराई से विचार कर रही है।(राजस्थान में प्रदेश अध्यक्ष के लिए जिन नामों पर चर्चा हो रही है उसमें छत्तीसगढ़ के कांग्रेस पार्टी

- **सूत्रों ने बताया कि पार्टी ओबीसी नेताओं को मौका देना चाहती है।**
- **गोवा में तमिलनाडु व पुड्डूचेरी के प्रभारी गिरीश चोडणकर का नाम चर्चा में है।**

प्रभारी महासचिव सचिन पायलट, मध्य प्रदेश के प्रभारी हरीश चौधरी और अशोक गहलोत सरकार में मंत्री रह चुके और हिंडोली से पार्टी विधायक अशोक चांदना का नाम शामिल हैं। सूत्रों की माने तो पायलट इस रेस में अभी सबसे आगे हैं। ओबीसी समुदाय से आने वाले पायलट पहले भी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक गोवा में गिरीश चोडणकर को पार्टी अपना नया प्रदेश अध्यक्ष बना सकती है। चोडणकर अभी पार्टी के तमिलनाडु और पुडुचेरी के प्रभारी हैं। ओबीसी समुदाय से आने वाले चोडणकर पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के काफी करीबी माने जाते हैं।

उल्लेखनीय हैं कांग्रेस पार्टी अपने संगठन में लगातार बदलाव कर रही है। राज्यों के चुनाव को देखते हुए नए प्रयोग भी किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में संगठन सृजन अभियान भी चलाया जा रहा है, जिसमें प्रदेशों में नए जिला अध्यक्ष नियुक्त किए जा रहे हैं।

'26/11 के बाद अमेरिकी दबाव में यूपीए सरकार ने पाकिस्तान पर एक्शन नहीं लिया'

वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व गृहमंत्री पी. चिदम्बरम के इस बयान ने कांग्रेस को अटपटी स्थिति में डाला

नई दिल्ली, 30 सितंबर। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम ने 26/11 मुंबई आतंकी हमले को लेकर बड़ा खुलासा किया है। चिदंबरम ने कहा कि 26/11 मुंबई आतंकी हमले के बाद अमेरिकी दबाव में तत्कालीन यूपीए सरकार ने पाकिस्तान पर कार्रवाई नहीं की थी। चिदंबरम के इस खुलासे के बाद भाजपा कांग्रेस पर हमलावर हो गई है।

- **चिदम्बरम ने दावा किया कि सरकार ने कार्यवाही का विचार किया था पर अमेरिका के दबाव में ऐसा नहीं किया गया।**
- **इस बयान के बाद भाजपा कांग्रेस पर हमलावर हो गई है। भाजपा सांसद रविशंकर ने कहा, चिदम्बरम को यह बताने में 16 साल लग गए, सच में तब कितनी कमज़ोर सरकार थी।**

चिदंबरम के खुलासे पर पलटवार करते हुए भाजपा ने कहा, कांग्रेस की कमजोरी आखिर उजागर हो गई लेकिन पूर्व गृह मंत्री का कबूलनामा बहुत देर में आया।

चिदंबरम ने एक समाचार चैनल को दिए साक्षात्कार में कहा, 2008 के हमले के बाद तात्कालीन मनमोहन सिंह सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई पर विचार किया था, लेकिन अंतरराष्ट्रीय दबाव, खासकर तब की अमेरिकी विदेश मंत्री कोंडोलिजा राइस की अपील के चलते भारत ने युद्ध का विचार त्याग दिया था।

चिदंबरम ने बताया, पूरी दुनिया ने भारत से अपील की थी कि युद्ध मत शुरू कीजिए। राइस हमले के कुछ ही दिन बाद दिल्ली में मुझसे और प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से मिलीं। उन्होंने भी कहा कि आप कोई जवाबी कार्रवाई न करें। तत्कालीन गृह मंत्री शिवराज पाटिल ने इस हमले की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे दिया था। ?

इसके बाद चिदंबरम को गृह मंत्रालय का कार्यभार दे दिया गया था। चिदंबरम ने कहा, मेरे मन में बदला लेने का विचार आया था और मैंने प्रधानमंत्री से भी इस पर चर्चा की थी। लेकिन विदेश मंत्रालय और भारतीय विदेश सेवा की सलाह के आधार पर सरकार ने जवाब नहीं देने का निर्णय लिया।

भाजपा सांसद रवि शंकर प्रसाद ने कहा, "डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार के गृह मंत्री पी.चिदंबरम ने सिर्फ 16 साल के बाद ये स्वीकारा है कि मुंबई के नृशंस 26/11 हमले के बाद वे पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई करने के पक्ष में थे लेकिन उस समय के विदेश विभाग ने उन्हें रोक दिया और मनमोहन सिंह खामोश रहे।

कितनी कमजोर सरकार थी, भारतीय मारे गए और कोई आंतरिक मजबूती नहीं। सोनिया गांधी कहां थीं? चलती तो उन्ही की थी, जैसे अभी राहुल गांधी की चलती है...क्या राहुल गांधी कुछ बोलेंगे?... इतनी बड़ी त्रासदी हुई, जिसे पी.चिदंबरम ने स्वीकारा है, राहुल गांधी कुछ तो बोलिए।"

यूरोप के चार देश 15 साल में 100 अरब डॉलर का निवेश करेंगे भारत में

नयी दिल्ली, 30 सितंबर। भारत और चार सदस्यीय यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के साथ बुधवार से प्रभावी होने जा रहा व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौता (टेपा) न केवल यूरोप के चार विकसित देशों के साथ वस्तुओं और सेवाओं के कारोबार को शुल्क और अन्य बाधाओं से मुक्त करने का समझौता है बल्कि इसके तहत इन देशों से भारत में 15 वर्ष में 100 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता भी जुड़ी है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को एक विज्ञिप्त में कहा कि स्विट्जरलैंड, नॉर्वे, लिकटेंस्टीन और आइसलैंड की सदस्यता वाले ईएफटीए के साथ यह एक ऐतिहासिक समझौता है वस्तुओं और सेवाओं के लिए बाज़ार पहुंच को बढ़ाने वाला, बौद्धिक संपदा अधिकारों को मज़बूत करने और मेक इन इंडिया तथा आत्मनिर्भर भारत पहलों का समर्थन करते हुए सतत, समावेशी विकास को बढ़ावा देने वाला समझौता है। विज्ञिप्त में कहा गया है कि इन देशों से 15 वर्षों में 100 अरब बिडॉलर के निवेश आने और इससे 10 लाख प्रत्यक्ष रोज़गार के अवसर पैदा करने की संभावना है।

- **भारत और चार सदस्यीय यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन के बीच व्यापार समझौता आज से लागू**

सोनम वांगचुक के पक्ष में उत्तराखंड में धरना

अल्मोड़ा, 30 सितंबर। लद्दाख के मानवाधिकार कार्यकर्ता सोनम् वांगचुग की रिहाई और उत्तराखण्ड राज्य के शहीद आन्दोलनकारियों को श्रद्धांजलि देने तथा दोषियों को दण्डित करने की मांग को लेकर उत्तराखंड परिवर्तन पार्टी (उपपा) की ओर से आगामी 01 अक्टूबर को अल्मोड़ा के चौघानपाटा में धरना दिया जाएगा।

- **उत्तराखंड परिवर्तन पार्टी एक अक्टूबर को अल्मोड़ा में धरना देगी।**

यह जानकारी देते हुए उपपा के नेता नारायण राम ने बताया कि इस धरने में राज्य आन्दोलनकारी शक्तियां, उत्तराखण्ड लोक वाहिनी तथा जनपक्षीय सामाजिक कार्यकर्ता शामिल होंगे। उन्होंने समस्त राज्य समर्थक एवं जनपक्षीय नागरिकों से अपील की है कि वे सुबह 11 बजे चौघानपाटा में उपस्थित होकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करें और दोषियों को सजा दिलाने की मांग के इस आंदोलन को मजबूत बनाएं। उन्होंने कहा कि लद्दाख के मानवाधिकार कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की रिहाई के लिए भी केन्द्र सरकार से मांग की जाएगी।

अमेरिका ने भारत में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की सीमा से बढ़ाकर 100,000 डॉलर कर दिया है। इससे उन अमेरिकी कंपनियों पर दबाव बढ़ गया है जो कुशल विदेशी कर्मचारियों पर महत्वपूर्ण काम के लिए निर्भर रहती हैं।

सोमवार को अमेरिकी सीनेटरों ने एच-1बी और एल-1 वर्कर वीज़ा कार्यक्रमों के नियम सख्त करने के लिए एक बिल दोबारा पेश किया, जिसका निशाना कथित खामियों और बड़े नियोक्ताओं द्वारा किए जा रहे दुरूपयोग पर था।

अगर ट्रंप की वीज़ा पाबंदियों को चुनौती नहीं मिली, तो उद्योग विशेषज्ञों का अनुमान है कि अमेरिकी कंपनियां ए.आई., प्रोडक्ट डवलपमैंट, साइबर सुरक्षा और एनालिटिक्स जैसे उच्च स्तरीय काम अपने भारत स्थित जी.सी.सी. में शिफ्ट कर सकती हैं।

हाल के बदलावों से बढ़ ी अनिश्चितता ने उन चर्चाओं को नई गति दी है जिनमें कई कंपनियां पहले से ही उच्च मूल्य का काम जी.सी.सी. में लाने पर विचार कर रही थीं।

ए.एन.एस.आर. के संस्थापक और सीईओ ललित आहूजा ने कहा, "इसमें एक तरह की जल्दबाज़ी है"। अहूजा की कंपनी ने फैड एक्स, ब्रिस्टल-मायर्स स्क्विब, टारगेट और लोव्स जैसी कंपनियों को अपने जी.सी.सी. स्थापित करने में मदद की है। कॉग्निजेंट इंडिया के पूर्व प्रबंध निदेशक रामकुमार रामामूर्ति ने कहा कि कोविड-19 महामारी ने साबित कर दिया है कि अहम तकनीकी काम कहीं से भी किया जा सकता है।

अमेरिकी सरकारी डेटा पे पता चलता है कि एमेज़ॉन, माइक्रोसॉफ्ट, एपल, गूगल की पेरेंट कंपनी एल्फाबैट, वॉल स्ट्रीट बैंक जेपी मॉर्गन चेज़ और रिटेलर वॉलमार्ट जैसी बड़ी टेक कंपनियां एच-1बी वीज़ा की शीर्ष प्रायोजक रही हैं।

एक रिटेल जी.सी.सी. के भारत प्रमुख ने कहा, या तो ज्यादा भूमिकाएं भारत में आएंगी, या कंपनियां उन्हें मेक्सिको या कोलंबिया जैसे नजदीकी देशों में ले जाएंगी। कैनडा भी इसका फायदा उठा सकता है।

ट्रंप द्वारा नए एच-1बी वीज़ा आवेदनों पर भारी शुल्क लगाने और बेहतर वेतन वाले आवेदकों को प्राथमिकता देने की नई चयन प्रक्रिया की योजना से पहले भी यह अनुमान था कि 2030 तक भारत में 2,200 से अधिक कंपनियों के जी.सी.सी. होंगे, जिनका मार्केट साइज़ लगभग 100 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।

आहूजा ने कहा, यह पूरा 'गोल्ड रश' अब और तेज़ होगा।

दूसरी ओर, कुछ लोग ज्यादा सतर्क हैं और "प्रतीक्षा करो व देखो" के दृष्टिकोण को प्राथमिकता दे रहे हैं। खासकर क्योंकि अगर प्रस्तावित एच.आई.आर.ई. (हायरिंग इन्सैंटिव्ज़ टु रैस्टोर एम्प्लॉयमैंट) एक्ट पास हो गया तो अमेरिकी कंपनियों को विदेश में काम आउटसोर्स करने पर 25 प्रतिशत टैक्स देना पड़ सकता है, जिससे भारत की सेवा निर्यात पर बड़ा असर पड़ेगा।

एक अमेरिकी दवा कंपनी के जी.सी.सी. के भारत प्रमुख ने कहा, फिलहाल हम सिर्फ नजर रख रहे हैं और अध्ययन कर रहे हैं और हर नतीजे के लिए तैयार रह रहे हैं।

भारत-अमेरिका व्यापार तनाव अब सामान से सेवाओं तक फैल चुका है। वीज़ा पाबंदियां और प्रस्तावित एच.आई.आर.ई. एक्ट भारत के कम लागत वाले फायदे को कम कर सकते हैं और सेवाओं के सीमापार प्रवाह को रोक सकते हैं।

हालांकि 283 अरब डॉलर का आईटी उद्योग, जो भारत की जी.डी.पी. में करीब 8 प्रतिशत योगदान देता है, इस दबाव को महसूस कर सकता है, लेकिन जी.सी.सी. सेवाओं की बढ़ती मांग इस झटके को कुछ हद तक संभाल सकती है। नोमुरा के विश्लेषकों ने पिछले हफ्ते एक शोध नोट में कहा, एच-1बी वीज़ा पर निर्भर व्यवसायों से होने वाला नुकसान कुछ हद तक जी.सी.सी. के जरिए उच्च सेवाओं के निर्यात से पूरा हो सकता है, क्योंकि अमेरिकी कंपनियां इमीग्रेशन पाबंदियों को दरकिनार करने के लिए इस रास्ते का इस्तेमाल कर सकती हैं।

प्रधानमंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

1925 में नागपुर महाराष्ट्र में आरएसएस की स्थापना एक स्वयंसेवी संगठन के रूप में की गई थी जिसका लक्ष्य नागरिकों में सांस्कृतिक जागरूकता, अनुशासन, सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा देना था। आरएसएस, राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के लिए एक अनूठा जन-पोषित आंदोलन है। इसके उदय को सदियों के विदेशी शासन के जवाबी कदम के रूप में देखा गया है, और इसके निरंतर विकास का श्रेय धर्म में निहित भारत के राष्ट्रीय गौरव के इसके दृष्टिकोण की भावनात्मक प्रतिध्वनि को दिया जाता है।

ट्रंप ने हमास ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और एक परामर्श कंपनी चलाते हैं, जो संवेदनशील समस्याओं के समाधान में सलाह और सहायता देती है।

अपने पहले कार्यकाल में ट्रंप ने इज़राइल और अरब जगत के बीच लंबित मुद्दों, विशेषकर फिलिस्तीन राज्य को मान्यता देने को व्यवसायिक दृष्टिकोण से हल करने की योजना पेश की थी। उन्होंने वादा किया था कि वे गाज़ा क्षेत्र को पूर्व का रिविएरा बना देंगे।

गाज़ा के पुनर्विकास की उस योजना में लग्ज़री टूरिज़्म और रियल एस्टेट परियोजनाओं की परिकल्पना की गई थी। परंतु वह योजना सफल नहीं हो पाई। इस बार ट्रंप ने अधिक कठोर और सख्त रुख अपनाया है।

वरिष्ठ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में दिल्ली के पहले प्रदेश अध्यक्ष बने। उन्होंने 1999 के लोकसभा चुनावों में दक्षिण दिल्ली से कांग्रेस उम्मीदवार मनमोहन सिंह को हराया था।

उनके पार्थिव शरीर को दिल्ली स्थित उनके आवास पर रखा गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित भाजपा के कई बड़े नेता उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचे।

सीजेआई गवई की माँ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गया, "5 अक्टूबर को शाम 6:30 बजे, अमरावती के श्रीमती नारसम्मा महाविद्यालय मैदान में प्रस्तावित आरएसएस के विजयदशमी कार्यक्रम को लेकर, जो खबरें हाल ही में प्रकाशित हुई हैं, वे पूरी तरह से झूठी है। दादा साहब गवई चैरिटेबल ट्रस्ट जो अंबेडकरवादी विचारधारा में गहराई से निहित है, की संस्थापक अध्यक्ष होने के नाते, और अपने परिवार की भारत के संविधान के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के साथ, मैं किसी भी परिस्थिति में अमरावती में होने वाले आगामी आरएसएस कार्यक्रम में भाग नहीं लूंगी और न ही उसका समर्थन करूंगी। मैं आपको आश्वस्त करती हूं कि मैं सामाजिक चेतना को किसी भी तरह से नुकसान नहीं पहुंचाऊंगी।"

कमलाताई ने इस बात पर ज़ोर दिया कि भले ही विजयदशमी हिंदू संस्कृति में एक महत्वपूर्ण पर्व है, लेकिन उनके और अन्य अंबेडकरवादियों के लिए अशोक विजयदशमी कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। यह बौद्ध पर्व सम्राट अशोक के कलिंग युद्ध के बाद अहिंसा अपनाने और बौद्ध धर्म स्वीकार करने की स्मृति में मनाया जाता है।

हालिया कवरेज को "आरएसएस का प्रोपेगैंडा" बताते हुए उन्होंने कहा, "मैं हाल ही में प्रकाशित इन खबरों को गलत जानकारी मानती हूं कि मैंने निमंत्रण स्वीकार किया है और मैं जनता से अपील करती हूं कि वे ऐसे सामाजिक दृष्टिकोण से हानिकारक प्रचार का शिकार न बनें। मैं अपने अंबेडकरवादी साथियों से अपील करती हूं कि वे इस पर ध्यान दें और मुझ पर विश्वास बनाए रखें। मेरी सहमति या लिखित स्वीकृति के बिना इस प्रकार की खबरें फैलाना आरएसएस की साजिश है। मैं इस निमंत्रण को अस्वीकार करती हूं।"

इस बीच, उसी दिन एक और मोड़ तब आया जब न्यायमूर्ति गवई के छोटे भाई, राजनीतिज्ञ और डॉक्टर राजेन्द्र गवई ने मीडिया से कहा कि उनकी मां ने कार्यक्रम में शामिल होने पर सहमति दी था

उन्होंने कहा, "मेरे पिता आर. एस. गवई का सभी दलों के नेताओं से अच्छा संबंध था। वे इंदिरा गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी के भी क़रीब थे और विभिन्न आयोजनों में शामिल होते थे। इसका मतलब यह नहीं था कि उन्होंने कभी अपने राजनीतिक विचारों से समझौता किया।"

उन्होंने कहा कि "यह कार्यक्रम मुख्य कार्यक्रम नहीं है और मेरे पिता ने अतीत में इसी तरह के निमंत्रण स्वीकार किए थे। "मेरी मां ने सिर्फ इसी कारण से इसे स्वीकार किया था।"

आर. एस. गवई, जिनका निधन 2015 में हुआ, एक वरिष्ठ अंबेडकरवादी नेता थे तथा बिहार और केरल के राज्यपाल रहे थे और आरपीआई (गवई) नामक रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के एक धड़े के संस्थापक थे।

लेकिन जैसे ही कमलाताई का पत्र मीडिया में आया, राजेन्द्र गवई ने अपना रुख बदल लिया।

द वायर के अनुसार, उन्होंने कहा, "मैं अपनी मां का समर्थन करता हूं। अगर वह कार्यक्रम में शामिल होती हैं, तो मैं उनके साथ हूं। अगर वह शामिल न होने का निर्णय लेती हैं, तब भी मैं उनके साथ हूं।"

उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पत्र की प्रामाणिकता को लेकर अनिश्चितता है और कहा, "मेरी मां उदास हैं। वह किसी का भी फोन नहीं उठा रही हैं, यहां तक कि मेरा भी नहीं। मैं यह पुष्टि नहीं कर सकता कि मीडिया में जो पत्र प्रसारित हो रहा है, वह वास्तव में उनका ही है या नहीं। लेकिन अगर वह पत्र उनका है, तो मैं उनके साथ हूं।"

द वायर ने यह भी कहा कि वह स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं कर सका कि पत्र वाकई में कमलाताई द्वारा ही जारी किया गया था। कई बार प्रयासों के बावजूद, वह कॉल का जवाब नहीं दे रही थीं। प्रकाशन ने यह भी कहा कि अगर कमलाताई जवाब देती हैं, तो वह अपनी रिपोर्ट को अपडेट करेगा।

फिलहाल, कमलाताई द्वारा कहे गए शब्दों से किसी संशय की कोई गुंजाइश नहीं बचती क्योंकि उन्होंने स्पष्ट रूप से अपनी उपस्थिति की खबरों को प्रचार और षड्यंत्र कहा है।

बिहार में स्पेशल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रक्रिया को चुनौती दी, यह कहते हुए कि इससे बड़े पैमाने पर मतदाताओं के वोट देने के अधिकार खत्म हो सकते हैं। मामले की अगली सुनवाई 7 अक्टूबर को होगी।

जस्टिस सूर्य कांत और जॉयमाल्या बागची ने कहा है कि अगर उन्हें कोई गड़बड़ी मिलती है तो वे प्रकाशित सूची को रद्द करने में हिचकिचाएंगे नहीं। जजों ने आधार कार्ड को पहचान दस्तावेज के रूप में मानने की भी अनुमति दी है, जबकि आयोग की 11 दस्तावेजों की सूची में आधार कार्ड शामिल नहीं था।

जालसाजी के बारे में चुनाव निकाय की आपत्तियों को खारिज करते हुए जजों ने कहा कि "बड़े पैमाने पर बहिष्कार" की जगह " मतदाताओं को बड़े पैमाने पर शामिल करना" होना चाहिए।

अनेक विपक्षी दलों ने एस.आई.आर. प्रक्रिया के समय, मंशा और तरीके पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि यह गरीब और अल्पसंख्यक समुदायों को बड़े पैमाने पर वोटर लिस्ट से हटाने की कोशिश है, जो विपक्ष का समर्थन कर सकते हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी चुनाव आयोग और भाजपा के बीच मिलीभगत का आरोप लगाया है ताकि पार्टी को भारी बहुमत मिल सके। इसके लिए उन्होंने कई इलाकों के आंकड़े भी पेश किए। विपक्ष का कहना है कि बिहार का एस.आई.आर. इसी साजिश का हिस्सा है।

आयोग ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है और कांग्रेस नेता से हलफनामा दायर करने को कहा है।

निराश हुए बिना, राहुल गांधी और आरजेडी के तेजस्वी यादव सहित अन्य नेताओं ने बिहार में वोट चोरी के खिलाफ मतदाता अधिकार यात्रा निकाली।

ज्ञातव्य है कि 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा का कार्यकाल 22 नवम्बर को समाप्त हो रहा है। सूत्रों के अनुसार चुनाव की तारीखों की घोषणा तब होगी जब चुनाव आयोग 4 और 5 अक्टूबर को पटना जाकर चुनाव की तैयारियों की समीक्षा करेगा।

निर्माणाधीन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दबे हुए मजदूरों को बड़ी मुश्किल से बाहर निकाला गया।

घायल मजदूरों में से एक मजदूर की हालत गंभीर बताई जा रही है। दस से ज्यादा मजदूरों को गंभीर चोटें आई हैं। अवादी पुलिस आयुक्तालय ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि, दुर्घटना का सही कारण अभी पता नहीं चल पाया है। बचाव अभियान जारी है और अधिकारियों ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

'जिस आदमी ने सेना के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस बेटे पर गोलियां चला दीं और उसे मार डाला, सिर्फ इसलिए कि वह लद्दाख और अपने अधिकारों के लिए खड़ा हुआ था।" राहुल, जो इस समय दक्षिण अमेरिका के दौरे पर हैं, ने आगे लिखा, "शोकाकुल पिता की आंखों में बस एक ही सवाल है, क्या यही देश सेवा का इनाम है?" "हम इन हत्याओं की निष्पक्ष न्यायिक जांच की मांग करते हैं और दोषियों को कड़ी सज़ा दी जानी चाहिए। मोदी जी, आपने लद्दाख की जनता के साथ विश्वासघात किया है। वे अपने अधिकार मांग रहे हैं, उनसे बात कीजिए, और हिंसा और डर की राजनीति बंद कीजिए।"

रैमन मैग्सेसे अवार्ड से सम्मानित और शिक्षा सुधारक वांगचुक पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है, जो बिना मुकदमे के एक साल तक हिरासत में रखने की अनुमति देता है। अंगमो ने यह भी कहा कि वांगचुक को लद्दाख से बाहर ले जाया गया है, तथा उन्हें 48 घंटों से उनकी कोई खबर नहीं मिली है।

मीडिया से बात करते हुए अंगमो ने कहा, "पिछले पांच वर्षों में, सोनम वांगचुक के अनशन और मार्च छठी अनुसूची के क्रियान्वयन की मांग को लेकर हमेशा पूर्ण गांधीवादी और अहिंसक तरीके से हुए हैं। ऐसे व्यक्ति पर हिंसा भड़काने का आरोप क्यों? यह पहले कभी नहीं हुआ।" उन्होंने आगे कहा कि "जो कुछ पिछले छह दिनों में लेह में हुआ और पिछले चार वर्षों से हो रहा था, वह बेहद दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। लद्दाख के लोग जितने शांतिप्रिय, देशभक्त और राष्ट्रवादी हैं, उतना कोई नहीं है। ऐसे क्षेत्रों में कर्फ्यू लगाना बिल्कुल गलत है और हम इसकी निंदा करते हैं।" अंगमो ने यह भी आरोप लगाया कि सुरक्षा बलों ने स्थिति को अनावश्यक रूप से उकसाया। उन्होंने कहा, "युवा वर्ग उस दिन शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे थे। अगर सीआरपीएफ ने आंसू गैस का इस्तेमाल नहीं किया होता, तो यह एक शांतिपूर्ण प्रदर्शन रहता।" सुरक्षा एजेंसियों ने वांगचुक द्वारा नेपाल में जेन-ज़ैड प्रदर्शन और बांग्लादेश के छात्र आंदोलन के उल्लेख को "उकसावे" का प्रमाण बताया है।

इसके अलावा पुलिस ने वांगचुक की पाकिस्तान में संयुक्त राष्ट्र समर्थित जलवायु सम्मेलन में भागीदारी को "संभावित लिंक" बताया।

अंगमो ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा, "यह एक पेशेवर भागीदारी थी, जो संयुक्त राष्ट्र और डॉन मीडिया ग्रुप द्वारा आयोजित जलवायु सम्मेलन के लिए थी। भारत पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेल सकता है, लेकिन सोनम अगर जलवायु सम्मेलन में भाग लें तो वह संदेहास्पद हो जाते हैं?" अंगमो ने वित्तीय गड़बड़ियों के आरोपों को भी उन्होंने अस्वीकार कर दिया और कहा, "सोनम वांगचुक एक मानवतावादी हैं, जिन्होंने अपना जीवन ग्रासरूट शिक्षा को समर्पित किया है और लद्दाख के युवाओं की कई पीढ़ियों को प्रेरित किया है।" लोकसभा में विपक्ष के नेता ने पूर्व सैनिक त्सेरिंग नामग्याल का एक वीडियो भी साझा किया, जिनके 46 वर्षीय बेटे त्सेवांग थारचिन की लेह पुलिस और सीआरपीएफ की कथित गोलीबारी में मौत हुई। थारचिन भी अनशन में शामिल थे।

वीडियों में नामग्याल कह रहे हैं, अगर एसएसपी या डीसी के बेटे मारे जाते तो उन्हें कैसा लगता? वे सोचते हैं कि गरीब आदमी के बेटे को मारना आसान है। क्या अगर उनके बच्चे मारे जाते तो वे सह पाते? नहीं सह पाते। "मैंने 32 वर्षों तक सेना में सेवा की और हर कठिन इलाके में तैनात रहा।"

लद्दाख पुलिस प्रमुख एस.डी. सिंह जामवाल ने शनिवार को दावा किया था कि पुलिस ने आत्मरक्षा में गोलियां चलाईं क्योंकि पांच-छ हजार की भीड़ लेह हिल डेवलपमेंट काउंसिल कार्यालय की ओर बढ़ रही थी और सुरक्षा बलों को खतरा महसूस हुआ।

जिन अन्य तीन लोगों की मौत हुई, उनके नाम हैं, जिग्मेत दोरजय 25 वर्ष, स्तांजिन नामग्याल 23 वर्ष, रिंचेन दादुल 20 वर्ष। हिंसा के बाद, अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तार कर जोधपुर ले जाया गया।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908